जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 16 संख्याः 289 प्रभात जालोर, मंगलवार 25 जनवरी, 2022 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

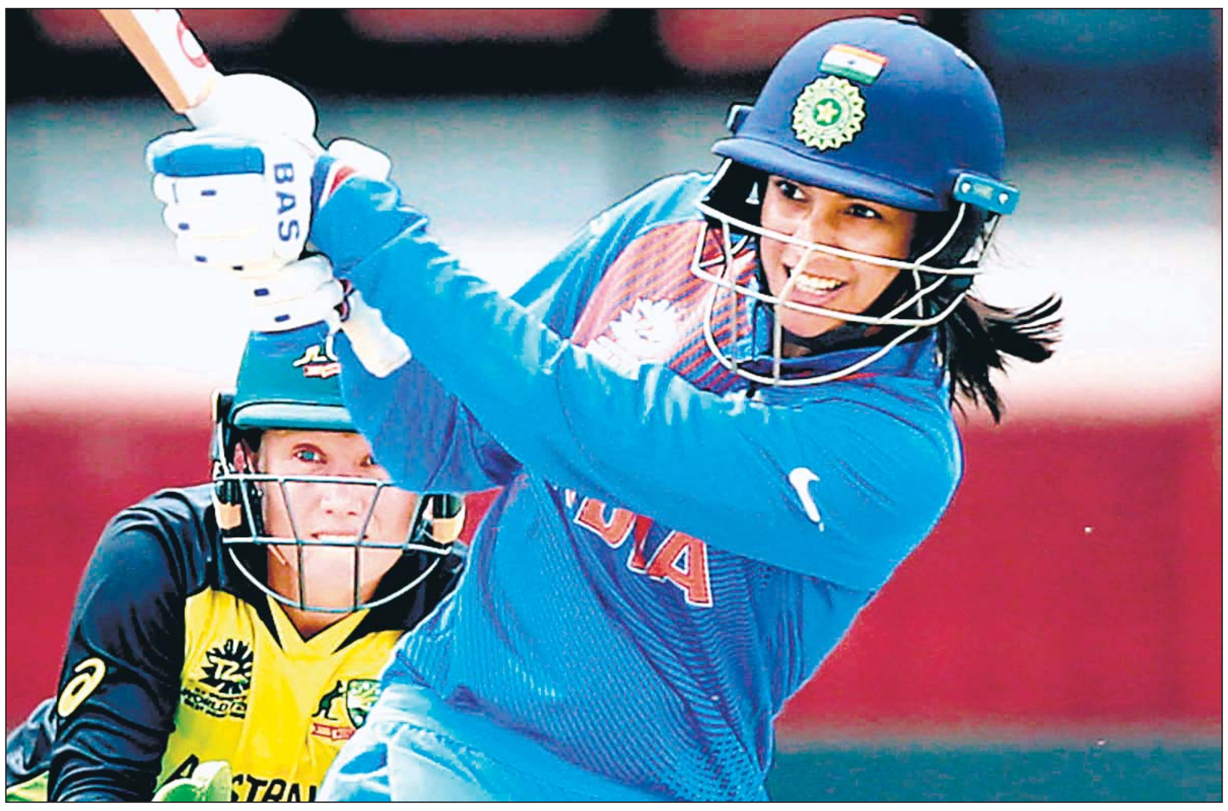

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (आई.सी.सी.) ने साल 2021 की ''सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर'' चुना है। बीते साल एक नहीं बल्कि क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट (टी-20, टैस्ट क्रिकेट और वन डे क्रिकेट) में स्मृति ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। मंधाना ने पिछले साल 22 इंटरनैशनल मुकाबलों में 855 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। स्मृति मंधाना ने 2018 में भी यह पुरस्कार जीता था और वे वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर भी चुनी गई थीं। झूलन गोस्वामी के बाद यह पुरस्कार पाने वाली स्मृति दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। झूलन गोस्वामी को 2007 में यह पुरस्कार मिला था। पिछले साल भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा, लेकिन स्मृति मंधाना ने अपने बल्ले का कमाल जारी रखा। उन्होंने इस साल साउथ अफ्रीका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक हर टीम के खिलाफ जमकर रन बनाए। इसी साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र पिंक बॉल टैस्ट में भी मंधाना ने ऐतिहासिक शतक लगाया था। आई.सी.सी. ने पाकिस्तान के युवा गेंदबाज़ शाहीन अफरीदी को ''पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर'' घोषित किया है।

स्टॉक मार्केट में भारी गिरावट से बीस लाख करोड़ रु. डूबे निवेशकों के

जैसा कि विदित ही है, हिन्दुस्तान के स्टॉक मार्केट में सबसे निर्णायक भूमिका विदेशी निवेशकों की है, क्योंकि भारी विदेशी पूंजी लगी है भारतीय स्टॉक मार्केट में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। सोमवार को शेयर बाजार धराशायी हो गया और ऐसा हुआ बाजार के कुछ टैक्नीकल करैक्शन्स और विपरीत असर डालने वाली कई वैश्विक घटनाओं की वजह से।

स्टॉक मार्केट में आयी आज की गिरावट सहित पिछले कुछ सत्रों में शेयर्स के मूल्यों में आई कमी ने निवेशकों को करीब 20 लाख करोड़ का नुकसान पहुंचाया है। वैश्विक अस्थिरता के साथ-साथ महंगाई के संभावित दबाव के भय के बीच निवेशकों का रूझान कमजोर पड़ गया है। चूंकि भारतीय शेयर बाजार पर वर्तमान में बड़ी संख्या में विदेशी निवेशकों का प्रभुत्व है, इसलिए भारत के घरेलू शेयर बाजार को विशुद्ध आंतरिक घटनाक्रमों के बजाए वैश्विक आशंकाएं और उम्मीदें अधिक प्रभावित करती हैं। दिन के दौरान रही नर्वस ट्रेडिंग में कई महत्वपूर्ण सैक्टर्स के शेयर्स को नुकसान पहुंचा। लोहा और इस्पात, धातुएं और टैक्नॉलजी सैक्टर के शेयर्स सहित करीब-करीब सभी सैक्टर्स के शेयर्स के दाम गिर गए। टैक्नॉलजी सैक्टर्स के कुछ शेयर्स के भाव में कुछ समय से काफी ऊपर थे, इसलिए इन्हें भारी नुकसान हुआ। तथापि, शेयर मूल्यों में आई कमी की प्राथमिक वजह

- अतः अन्तर्राष्ट्रीय भय, निराशा के ''सैन्टिमैंट'' से बहुत प्रभावित होता है, भारतीय स्टॉक मार्केट।
- फिलहाल अमेरिका में ''प्राइज़ राइज़'' (महंगाई) 7 प्रतिशत है। इतनी महंगाई तीन दशक में नहीं हुई।
- इस महंगाई के कारण अमेरिका के रिज़र्व बैंक द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की भारी संभावना है। ब्याज दर बढ़ने से पूंजी निवेशक पैसा शेयर मार्केट के निकालकर बॉण्ड्स या सिक्युरिटीज़ में लगा देते हैं, अतः स्टॉक मार्केट में भारी गिरावट आती है।
- इसके अलावा साऊथ चाइना सी में अमेरिका व जापान बड़ा भारी नौसैनिक युद्धाभ्यास कर रहे हैं तथा चीन ने भी 39 एयर क्राफ्ट इस क्षेत्र में भेजे हैं, युद्धाभ्यास के लिये। दोनों युद्धाभ्यास एक दूसरे के इतने नजदीक हो रहे हैं कि, जरा सी गल्ती से युद्ध छिड़ सकता है। इस भय से अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज में भारी गिरावट आयी है, जिसका सीधा असर भारत के स्टॉक एक्सचेंज पर आया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

26 जनवरी को आतंकवादी गतिविधि की धमकी

हिजबुल मुजाहिदीन व ''सिख फॉर जस्टिस'' ने यह धमकी देते हुए सैकड़ों ''ऑडियो मैसेज'' भेजे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने वकीलों को सोमवार को मिले अन्तर्राष्ट्रीय फोन कॉल्स से प्राप्त रिकॉर्डेड संदेशों के एक और प्रकरण के अन्तर्गत पाकिस्तान के आतंकी संगठन हिज़बुल मुजाहिदीन ने दिल्ली के गणतंत्र दिवस समारोहों को बाधित करने की धमकी दी है। उक्त आतंकी संगठन ने कश्मीरियों से घाटी छोड़कर दिल्ली जाने, वहाँ अनुच्छेद 370 को रद्द किये जाने पर विरोध-प्रदर्शन करते हुये, बुधवार को वहाँ ''कश्मीरी झंडा'' फहराने का आव्हान किया है। एक अन्य मैसेज में, इसी संगठन ने सर्वोच्च न्यायालय पर ''कश्मीरियों के प्रति अन्याय'' करने का दोषारोपण किया है क्योंकि उनसे अनुच्छेद 370 के तहत पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दिये गये विशेषाधिकारों को रद्द किये जाने पर कुछ नहीं किया।

एक ऑडियो मैसेज में, कश्मीरी मुजाहिदीन ने सर्वोच्च न्यायालय को अनुच्छेद 370 के तहत पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दिये गये विशेषाधिकारों को रद्द करके ''कश्मीरियों के प्रति अन्याय'' के लिये जिम्मेदार ठहराया है। खालिस्तानी आतंकी ग्रुप ''सिख्स फॉर जस्टिस'' के संदेशों को दोहराते हुये, मुजाहिद्दीन ने कश्मीरियों का आव्हान किया है कि वे दिल्ली पहुँचकर वहाँ अपना झंडा फहरायें। ऑडियो में कहा गया है, ''कश्मीरी मुजाहिद्दीन का यह मैसेज सर्वोच्च न्यायालय के लिये है। हमने कश्मीर घाटी की लड़ाई को दिल्ली तक ले जाने का निर्णय लिया है। (एस.एफ.जे. प्रमुख) पन्नू ने (कश्मीरियों से) घाटी छोड़कर, दिल्ली जाने का आव्हान किया है। अब मुजाहिद्दीन 26 जनवरी को राजधानी में कश्मीरी झंडा फहरायेंगे। अनुच्छेद 370 को रद्द कर के कश्मीरियों के प्रति अन्याय के लिये जितनी जिम्मेदार मोदी सरकार है, उतना ही जिम्मेदार सर्वोच्च न्यायालय है। अब यह मुद्दा दिल्ली में उठाया जायेगा तथा सारी दुनिया इसे देखेगी।''हाल ही के सप्ताहों में, वकीलों को अनेक कॉल किये गये हैं, जिनमें जम्मू-कश्मीर के लोगों को गणतंत्र दिवस को निशाना बनाने के लिये उकसाया एवं भड़काया गया है। ये कॉल कथित रूप से एस.एफ.जे. चीफ गुरपतवन्त सिंह पन्नू द्वारा जारी किये गये हैं, जहाँ वह सबसे पहले अपने समर्थकों को यह कहते सुनाई दिया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''ब्लॉक'' कर दें तथा 26 जनवरी को दिल्ली से तिरंगा हटा दें।

- ऑडियो मैसेज के अनुसार दोनों संगठनों ने कश्मीरियों से आग्रह किया है, प्र.मंत्री के कार काफिले पर हमला करें व कश्मीर का झण्डा फहराये दिल्ली में।

पहले के कॉल्स में, इस प्रतिबंधित संगठन ने सर्वोच्च न्यायालय के जजों को चेतावनी दी थी कि वे पंजाब में हाल ही में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक से संबंधित केस की सुनवाई करने से बचें। सर्वोच्च न्यायालय में इसकी सुनवाई शुरू होने से ठीक पहले, कम से कम 1000 ऐसे कॉल इंग्लैंड से प्राप्त हुये थे, जिनमें प्रधानमंत्री की सुरक्षा से समझौता किये जाने के मामले जाँच को बिगाड़ने के लिये की जाने वाली कोशिशों का खुलासा किया गया था। ऑडियो कॉल में, पन्नू को इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुये भी सुना गया था। सर्वोच्च न्यायालय, सुरक्षा में हुई चूक की जाँच के लिये सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व जज सुश्री इन्दु मल्होत्रा की अध्यक्षता में पाँच सदस्यों की एक कमेटी नियुक्त कर चुका है।

गणतंत्र दिवस के पूर्व सोमवार को दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था तब और सख्त कर दी जब उसे गुप्तचर संस्थाओं की ओर से अलर्ट किया गया कि सिटीजनशिप अमैडमैंट एक्ट (सी.ए.ए.) नैशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स विरोध प्रदर्शन और किसान आंदोलन के दौरान अति सक्रिय रहे लोगों पर नजर रखी जाए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि लालकिला तथा सरकारी भवनों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उक्त अधिकारी ने कहा कि, गुप्तचर जानकारी के अनुसार कुछ लोग गणतंत्र दिवस के समारोह में व्यवधान डालने के लिए हिंसा चाहते हैं तथा ये ऐसे असामाजिक तत्वों के सम्पर्क में हैं, जो भारत में अस्थिरता पैदा करने वाली विदेशी ताकतों से समर्थित हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने कहा कि उनकी पुलिस पूरी तरह से सतर्क है तथा आतंकवाद के खिलाफ सभी 26 मानदण्डों के साथ सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूर्ण तालमेल है। राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड के संबंध में उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने डिप्टी कमिश्नर्स के नेतृत्व में 20,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया है तथा केन्द्रीय सशस्त्र बलों की 65 कम्पनियां भी तैनात की जाएंगी।

आलोचना से बेपरवाह है चीन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। न्यूयॉर्क टाइम्स कहता है कि विंटर ओलम्पिक्स में कुछ ही दिन बचे हैं, और राष्ट्रपति शी ज़िनपिंग अपने आलोचकों की एक नहीं सुन रहे हैं तथा इस समारोह को अपने तरीके और अपनी शर्तों पर आयोजित कर रहे हैं।

- चीन को ''ज़ीरो टॉलरैन्स'' नीति की सख्त अनुपालना के कारण ही ''विन्टर ओलंपिक'' का आयोजन आवंटित किया गया था, अतः चीन अब अन्तर्राष्ट्रीय दबाव व आलोचना की परवाह किये बगैर विन्टर ओलंपिक के आयोजन पर आमादा है।

चीन को अब दुनिया के सामने खुद को साबित नहीं करना है, जैसा चीन ने 2008 के ''समर ओलम्पिक्स'' में किया था। चीन ने अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक कमेटी के स्वास्थ्य संबंधी प्रोटोकॉल को रद्द कर दिया है तथा अपनी स्वयं की कठोर ''ज़ीरो कोविड'' नीति को कायम रखा है। उसने ब्रॉडकास्टरों तथा स्पॉन्सरों को चेतावनी दे दी है कि हाँगकाँग में की जा रही सख्ती एवं शिनजिआंग में दमन को लेकर किए गए बहिष्कार के आव्हान के समक्ष झुके नहीं। चीन की सख्ती को बहुत से लोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी फर्क क्यों है यू.पी. के चुनावी सर्वे व जमीनी हकीकत में?

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। उत्तर प्रदेश के राजनैतिक रंगमंच पर एक विचित्र स्थिति सामने आ रही है। जहाँ ओपिनियन पोल भाजपा सरकार की वापसी (हालाँकि पहले से कम बहुमत के साथ) की भविष्यवाणी कर रहे हैं, वहीं जमीनी रिपोर्ट बता रही हैं कि वास्तविकता इससे उलट है। आक्रोशित भीड़ भाजपा के मौजूदा विधायकों तथा मंत्रियों को गाँवों से बाहर खदेड़ रही है।

सी-वोटर सहित, विभिन्न सर्वेक्षणों ने भविष्यवाणी की है कि भाजपा को 403 सदस्यीय विधानसभा में 260 सीटें मिलेंगी तथा उसे 41 प्रतिशत वोट मिलेंगे।

इस प्रकार का विश्लेषण जमीनी रिपोर्टों के अनुकूल नहीं बैठ रहा है। बागपत के छपरौली चुनाव क्षेत्र से लेकर बुलन्द शहर और आगरा तक विभिन्न स्थानों पर प्रचार के लिये गाँवों में गये भाजपा विधायक गाँव से बाहर निकाल दिये गये हैं तथा उनके काफिलों पर पत्थर फेंके गये हैं। एक जगह तो यह स्थिति हुई है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसी ग्रामीण क्षेत्र में अपने प्रचार के लिये गये भाजपा विधायक को एक विद्यालय-भवन के परिसर में ताले में बंद कर दिया गया। उन्नाव में स्वयं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को काले झंडे दिखाये गये तथा बताया जाता है कि एक सभा को संबोधित करते समय शोर करते हुये उन्हें हूट किया गया तथा उन्हें सभा को संबोधित नहीं करने दिया गया। कुछ मामले ऐसे भी सामने आये हैं कि भाजपा विधायक प्रचार के लिये भारी सुरक्षा घेरे एवं व्यवस्था के साथ जा रहे हैं। जाहिर है कि ये रिपोर्टें चुनाव-पूर्व होने वाले सर्वेक्षणों के संकेतों एवं निष्कर्षों से पूरी तरह भिन्न हैं। समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव, जो सत्तारूढ़ भाजपा के समक्ष मुख्य चुनौती के रूप में उभरकर आये हैं, ने इन सर्वेक्षणों के आधार पर ही सवाल खड़े कर दिये हैं तथा इन ''ओपिनियन पोल्स'' को ''ओपियम पोल्स'' (अफीमची पोल) की संज्ञा देते हुये खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा है कि इस प्रकार के सर्वे केवल मतदाताओं को ''गुमराह वं दिग्भ्रमित'' करने के लिये किये जा रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर माँग की है कि इन ओपिनियन पोल्स को समाचार चैनलों पर प्रसारित किये जाने पर तुरन्त रोक लगाई जाये। पार्टी ने कहा है कि यह करके आदर्श आचार संहिता का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाल ही में हुए सर्वे के अनुसार, भाजपा को लगभग 260 सीटें मिलेंगी, परन्तु जमीनी सच्चाई यह है कि, विशेषकर, वैस्टर्न यू.पी. में उम्मीदवारों और मंत्रियों को प्रचार के लिये गांव में घुसने तक नहीं दिया जा रहा है।
- एक भाजपा विधायक जब पश्चिमी यू.पी. में एक गांव में चुनाव प्रचार करने पहुंचे, तो गांव वालों ने उन्हें स्कूल भवन में बंद कर दिया।
- यहां तक कि, उप मु.मंत्री केशव प्रसाद मौर्य जब ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचे तो, उन्हें काले झण्डे दिखाये गये, नारेबाजी हुई और उन्हें सभा को संबोधित नहीं करने दिया गया।

भीलवाड़ा में भी मूकबधिर युवती से गैंगरेप

भीलवाडा, 24 जनवरी (निसं)। औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा की एक कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाली मूकबधिर युवती के साथ गैंगरेप हुआ है। हालांकि प्रशासन का इस मामले में भी यह कहना है कि मैडिकल बोर्ड की जांच के बाद ही स्थिती साफ होगी।

कलैक्टर आशीष मोदी से मिली जानकारी के अनुसार मूलतः चित्तौड़गढ़ जिले के एक गांव की रहने वाली 18 वर्षीय युवती भीलवाड़ा शहर के पटेल नगर क्षेत्र में किराए के मकान में परिवार के साथ रहती है। सोमवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे युवती को ब्लीडिंग ज्यादा होने की समस्या के चलते उसके पिता और बड़ी बहन बाइक पर एमजी हॉस्पिटल लेकर आए। ब्लीडिंग का कारण जानने के लिए चिकित्सकों ने जब प्रैग्नैंसी जांच की तो उसके दो माह की गर्भवती होने की जानकारी मिली। इस पर मामले से प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया गया। एसपी सिद्धू ने बताया की चूंकि युवती बोलने और सुनने दोनों में असमर्थ है। अतः उसके द्वारा अपने परिजनों को अवगत करवायी गईं जानकारी के आधार पर गत दिनों उसे तीन नकाबपोश युवक अगवा कर पटेल नगर ले गए थे, जहां दो युवकों ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया, जिसके कारण वह गर्भवती हो गईं।

- ब्लीडिंग होने पर प्रैगनैंसी जांच की तो दो माह की गर्भवती होने की जानकारी मिली।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हेट स्पीच'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। आर.एस.एस. द्वारा मुस्लिमों के खिलाफ घ्रणास्पद भाषणों का समर्थन करने के एक दिन बाद दो हिंदू संगठनों-हिंदू सेना और हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। और मुस्लिमों के विरूद्ध हेट स्पीच संबंधी लंबित याचिका में शामिल करने की मांग की और इसके जवाब में ऐसे इन्टरनैट लिंक्स का हवाला दिया जिसमें मुस्लिम नेताओं ने भी इसी प्रकार के भड़काऊ भाषण दिए हैं।

गत 12 जनवरी को चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की एक बैंच ने पत्रकार कुरबान अली और पटना हाई कोर्ट की पूर्व जज एवं सीनियर एडवोकेट अंजना प्रकाश द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर केन्द्र सरकार, उत्तराखण्ड और दिल्ली पुलिस से जवाब-तलब किया था। इस याचिका में उन लोगों के विरूद्ध जांच व कार्यवाही की मांग की गई थी जिन्होंने

- दो हिन्दू संगठनों, हिन्दू सेना व ''हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस'', ने भी सुप्रीम कोर्ट में हिन्दू संगठनों द्वारा आयोजित समारोह में ''हेट स्पीच'' के खिलाफ पत्रकार कुरबान अली द्वारा याचिका की सुनवायी में शामिल होने की अर्ज़ी डाली।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रोडा एक्ट संशोधन विधेयक को लेकर राजभवन और सरकार आमने-आमने

मुख्यमंत्री ने कहा था-रोडा एक्ट संशोधन विधेयक का राज्यपाल स्तर पर अनुमोदन नहीं होने से किसानों की जमीन नीलामी की स्थितियां बनीं

जयपुर, 24 जनवरी (का.प्र.)। प्रदेश में किसान कर्जमाफी और किसानों की जमीन नीलामी के मामले में चल रही सियासत के बीच मुख्यमंत्री ने कहा था कि राजभवन रोडा एक्ट संशोधन संबंधी विधेयक को अटका कर बैठा है, वही अब इस मामले में राजभवन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य सरकार के स्तर पर राजभवन में रोडा एक्ट संशोधन संबंधी कोई विधेयक नहीं आया और ना ही राज्यपाल कलराज मिश्र के स्तर पर इसे अनुमोदन के लिए भेजा गया।

पिछले दिनों जब राजस्थान में किसानों की जमीन नीलामी को लेकर नोटिस आने लगे और मामला गरमाया और विपक्ष ने जब राज्य सरकार पर आरोप लगाए, तब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक ट्वीट किया था कि हमारी सरकार ने 5 एकड़ तक की जमीन की नीलामी रोकने के लिए विधानसभा में रोडा एक्ट संशोधन विधेयक पास करके भेजा था। लेकिन राज्यपाल महोदय के स्तर पर उसका अनुमोदन नहीं होने के कारण राजस्थान में किसानों की जमीन नीलामी की स्थितियां बनी। वहीं इसी मामले में सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा ने राजभवन का घेराव का ऐलान कर विरोध प्रदर्शन भी किया और राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी सौंपा था।

- राजभवन का स्पष्टीकरण है कि, इस तरह का कोई विधेयक राजभवन को नहीं भेजा गया।
- स्पष्टीकरण पर बोले डोटासरा- अधिकारियों ने राज्यपाल को सही जानकारी नहीं दी।

उसके बाद राजभवन की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि जिस मामले को लेकर प्रदर्शन किया गया, उसका कोई आधार नहीं है। इस प्रकार का कोई भी विधेयक पिछले दिनों राज्य सरकार की ओर से राजभवन में नहीं भेजा गया है। राजभवन की ओर से जारी विज्ञिप्त में इसकी जानकारी दी गई। राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार ने बताया कि इस संबंध में सोमवार को ज्ञापन देने आए किसानों के प्रतिनिधिमंडल को भी इसकी जानकारी दे दी गई है।

राजभवन के जवाब के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्यपाल को अधिकारियों ने गलत जानकारी दी है। राज्य सरकार ने राज्यपाल को 5 एकड़ तक की जमीन नीलाम नहीं करने का बिल भेजा था।

डोटासरा ने कहा कि किसानों की जमीन नीलामी रोधी बिल सीपीसी में अमेंडमेंट संबंधी बिल था। गृह विभाग ने 24 नवंबर 2020 को यह बिल राजभवन भेजा था।

इस बारे में सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि आज तक यह बिल पास नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को नीचे के अधिकारियों ने सही सूचना नहीं दी है। उन्होंने कहा कि अगर ये बिल पारित होता तो भूमि नीलाम नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह बिल राजभवन से वापस सरकार के पास नहीं आया।

विचार बिन्दु

हर चीज़ की कीमत व्यक्ति की जेब और ज़रूरत के अनुसार होती है और शायद उसी के अनुसार वह अच्छी या बुरी होती है।

–संतोष गोयल

क्या यही विकास है?

गत कुछ वर्षों से प्रधानमंत्री जी एवं सत्ताधारी दल के विभिन्न नेताओं द्वारा विभिन्न मंचों पर यह घोषित किया जा रहा है कि भारत ने गत कुछ वर्षो में तीव्र गति से प्रगति की है एवं इसका लाभ देश के सभी वर्गों को मिला है। प्रधानमंत्री जी द्वारा, जिन्होंने पूर्व में 'सबका साथ – सबका विकास' का नारा दिया था, इसमें कालांतर में 'सबका विश्वास और सब का प्रयास' भी जोड़ दिया गया। उनकी बात मानें तो भारत का डंका पूरे विश्व में बजने लगा है। कोरोना का प्रबंधन भी विश्व में सर्वश्रेष्ठ रूप से भारत में किया गया। खूब रोजगार भी उपलब्ध कराए गए। महिलाओं को बैंकों से जोड़कर एवं उन्हें उज्जवला योजना के अंतर्गत कनेक्शन दिलवा कर उत्पीड़न से मुक्ति दिलाई गई है। सरकार द्वारा जारी नई योजनाओं का जिक्र भी प्रधानमंत्री एवं उनके दल के अन्य नेता अपने सभी उद्बोधन में करना नहीं भूलते। उनके द्वारा यह भी कहा जाता है कि इनमें से कई कार्य स्वतन्त्रता के बाद 'पहली' बार किए गए हैं।

यह सुनकर एक भारतीय के नाते प्रत्येक नागरिक का सिर गर्व से ऊंचा होना चाहिए।

एक विवेकशील नागरिक का यह भी कर्तव्य है कि वह इन सब दावों को धरातल पर वास्तविकताओं की कसौटी पर कसे। इस सन्दर्भ में दावोस में आयोजित विश्व अर्थिक मंच ( ) की बैठक के पहले दिन ऑक्सफेम द्वारा जारी असमानता सर्वेक्षण रिपोर्ट और उससे संबंधित इंडिया के मुख्य कार्यकारी अमिताभ बेहर की टिप्पणियों का उल्लेख उपयुक्त होगा। इस रिपोर्ट के प्रमुख अंश इस प्रकार हैं:–

1. कोरोना काल में कुछ लोगों की संपत्ति में जहां अत्यधिक वृद्धि हुई, वहीं गरीब लोगों की संपत्ति पहले से कम हुई है। अरबपतियों की संपत्ति में इसी अवधि में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई वहीं 84 प्रतिशत जनसंख्या की सम्पत्ति में कमी हुई।

2. भारत के 11 प्रतिशत अरबपतियों की संपत्ति में जितनी वृद्धि हुई है, उससे पूरे देश की नरेगा योजना को 10 वर्षों तक चलाया जा सकता है अथवा स्वास्थ्य मंत्रालय का सारा खर्चा 10 वर्ष तक उठाया जा सकता है।

3. भारत के 100 अरबपतियों की संपत्ति पर 4 प्रतिशत संपत्ति कर लगाया जाए तो उस से जो राशि प्राप्त होगी उस से पूरे देश का मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम 17 वर्षों तक चलाया जा सकता है।

4. 98 सर्वाधिक संपन्न व्यक्तियों की संपत्ति पर 1 प्रतिशत भी कर लगाया जाए तो उससे देश के आयुष्मान भारत योजना को 7 वर्ष तक चलाया जा सकता है।

5. 10 करोड़ से अधिक वार्षिक आय वाले व्यक्तियों पर 2 प्रतिशत कर लगाया जाए तो उससे प्राप्त होने वाली राशि के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग के बजट को दोगुने से अधिक किया जा सकता है।

6. सबसे अधिक नुकसान असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को हुआ, लगभग 12 करोड़ व्यक्तियों ने अपना रोजगार, लॉक डाउन के कारण खोया।

7. लॉकडाउन के कारण पैदल ही अपने-अपने गांवों की ओर निकल पड़ने के कारण लगभग 300 असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की मृत्यु, भुखमरी, आत्महत्या, थकान, सड़क एवं रेल दुर्घटनाओं, पुलिस बर्बरता एवं समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने के कारण हुई।

8. भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में अप्रैल 2020 में कुल 2582 मानवाधिकार उल्लंघन की शिकायतें दर्ज की गईं।

9. शिक्षा पर कोरोना के कारण बहुत बुरा प्रभाव हुआ। ग्रामीण परिवारों में केवल 4 परसेंट के पास कंप्यूटर था एवं केवल 15 प्रतिशत के पास इंटरनेट कनेक्शन था।

10. ऑनलाइन शिक्षा का सबसे सर्वाधिक नुकसान बालिकाओं के, शिक्षा से बाहर होने के रूप में सामने आया है।

11. उल्लेखनीय है कि भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी एक कमरे या उससे कम में रहती है इसके कारण व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए आवश्यक क्रियाएं जैसे हाथ धोने, दूरी बनाए रखना संभव नहीं हो पाया।

12. गर्भवती औरतों को कोरोना काल में बिना चिकित्सा- देखभाल के छोड़ दिया गया। निजी अस्पतालों ने इसका भरपूर लाभ उठाया।

देश का विकास तब सार्थक है जब देश के सभी लोगों का विकास हो और असमानता कम हो। कोरोना के कष्टकारी समय में, जो लोग आर्थिक दृष्टि से कमजोर हैं और असंगठित क्षेत्र में हैं, उनको यदि हम कहें कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है तो यह घाव पर नमक छिड़कने जैसा ही होगा।

13. सरकारी बजट का स्वास्थ्य पर सबसे कम व्यय करने वाले देशों में, भारत विश्व में चौथे नंबर पर है।

14. वर्ष 2021 में भारतीय अरबपतियों की संख्या 102 से बढ़कर 142 हो गई जबकि 84 प्रतिशत परिवारों की आय में वर्ष 2021 में कमी आई। इस प्रकार कोरोना के कारण जहां समान्य नागरिक की आय में बहुत कमी आई, वहीं कुछ अमीर परिवारों की आय में तेजी से वृद्धि हुई।

ऑक्सफैम इंडिया के मुख्य कार्यकारी अमिताभ बेहार के अनुसार अब समय आ गया है जब अत्यधिक अमीर व्यक्तियों पर अधिक कर लगाया जाना चाहिए ताकि उस राशि को गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने में खर्च किया जा सके।

भारत में असमानता कितनी अधिक है, इसी से सिद्ध होता है कि भारत के शीर्ष 10 प्रतिशत अमीर व्यक्तियों के पास देश की संपत्ति का 57 प्रतिशत है एवं 55 प्रतिशत आबादी के पास केवल 13 प्रतिशत संपत्ति है ।

भारत में असमानता बढ़ने के प्रमुख कारण 2016 में संपत्ति कर की समाप्ति, कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती, और अप्रत्यक्ष कर में वृद्धि हैं। इनके कारण अमीर अधिक अमीर तथा गरीब और गरीब होते गए। वर्ष 2021 में गौतम अडानी की संपत्ति में सबसे अधिक वृद्धि हुई और यह वृद्धि विश्व में पांचवीं सबसे बड़ी वृद्धि है। इनकी संपत्ति में इस वर्ष तीन लाख करोड़ की वृद्धि हुई जिसके कारण उनकी कुल संपत्ति बढ़कर लगभग 7 लाख करोड हो गई। इसी प्रकार मुकेश अंबानी की संपत्ति भी एक लाख करोड़ बढ़कर लगभग 7.50 लाख करोड़ हो गई है।

भारत की असमानता को समझने के लिए हम एक और तरीका अपनाने का प्रयास करते हैं। यदि भारत के 10 सर्वाधिक अमीर व्यक्ति प्रतिदिन साढ़े सात करोड़ रुपिया भी खर्च करें तो उन्हें अपनी संपत्ति व्यय करने में कुल 84 साल लगेंगे।

विश्व की कुल कुपोषित जनसंख्या में से एक चौथाई भारत में है। 2020 में गरीबी में इतनी वृद्धि हुई कि वह कई अफ्रीकन देशों से भी अधिक है। भारत में आत्महत्या करने वालों में सर्वाधिक संख्या दिहाड़ी मजदूरों, स्वरोजगार करने वाले एवं बेरोजगार व्यक्तियों की थी। ऑक्सफेम की रिपोर्ट इस बात की ओर संकेत करती है कि भारत सरकार की नीतियां इस प्रकार की नहीं है जिससे निर्धन व्यक्तियों की आय में वृद्धि हो अथवा कोई आर्थिक सुरक्षा कोरोना जैसे कष्ट के समय प्राप्त हो सके। इसके विपरीत नीतियां कुछ इस प्रकार की बनाई जाती हैं जो कुछ विशिष्ट अमीर परिवारों और उच्च आय वर्ग के लोगों को अधिक सहायता करती हैं। यह उसी प्रकार की बात है जैसे कोई बहुत स्वस्थ व्यक्ति रेस में दौड़े जो पहले ही बहुत आगे खड़ा है और पीछे कमजोर व्यक्ति, जो पहले ही बहुत पीछे है। ऐसी स्थिति में किस प्रकार से इन दोनों में दूरी कम होगी? स्वाभाविक है ऐसा करने से जो व्यक्ति आर्थिक दृष्टि से पीछे है, वह समय के साथ-साथ, सरकार की नीतियों के कारण और पीछे होता चला जाता है। जो व्यक्ति सक्षम है वह अपनी संपत्ति में तेजी से वृद्धि कर लेता है।

देश का विकास तब सार्थक है जब देश के सभी लोगों का विकास हो और असमानता कम हो। कोरोना के कष्टकारी समय में, जो लोग आर्थिक दृष्टि से कमजोर हैं और असंगठित क्षेत्र में हैं, उनको यदि हम कहें कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है तो यह घाव पर नमक छिड़कने जैसा ही होगा। दुर्भाग्य की बात तो यह है कि आगामी चुनावों के समय भी घोर असमानता, चर्चा का विषय नहीं बन पाया है।

विकास की परिभाषा विभिन्न लोग अपनी-अपनी प्रकार से बताते रहे हैं। चमचमाती सड़कों का बनना, विशाल बांध का बनना, बिजली का अधिक उत्पादन होना, आधुनिकतम कारों का बनना, गाड़ियों का बनना बुलेट ट्रेन का बनना विकास नहीं कहा जा सकता। विकास तो तब कहलाएगा जब इन सारी सुविधाओं का उपयोग करने के लिए व्यक्ति के पास क्रय क्षमता होगी और यह क्रय क्षमता तभी होगी जब वह इतना पैसा कमा सके कि वह विभिन्न सुविधाओं का उपभोग कर सके। अन्यथा, ये सारे विकास के प्रतीक उसे दूर से चिढ़ाते हुए ही दिखाई देंगे। आज जब एक व्यक्ति साइकिल भी नहीं खरीद सकता या बस का किराया नहीं दे सकता हो, उसके सामने यदि नवीनतम मॉडल की चमकदार गाड़ियां तेजी से निकल जायें, तो उसके लिए ऐसा विकास किस काम का? किसी व्यक्ति के पास एक साधारण कमरा भी रहने के लिए ना हो और उसके सामने बहुमंजिला खड़ी हो तो, उसके लिए देश का विकास बेमानी हो जाता है। यदि एक विद्यालय में वातानुकूलित कमरे में विद्यार्थी पढ़ते हों और दूसरी और उसे पढ़ने के लिए पर्याप्त स्थान भी उपलब्ध न हो तो उसके लिए विकास का कोई मायने नहीं रह जाएगा। विकास का दावा करना, विकास के बारे में लोगों को बार-बार जताना तथा लोगों के द्वारा विकास की अनुभूति करना, यह दो अलग-अलग बातें हैं।

ऑक्सफैम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ बेहर का सुझाव है कि सरकार को स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा पर अपना बजट बहुत बढ़ाना चाहिए एवं इन क्षेत्रों में निजीकरण के व्यावसायिक मॉडल को तिलांजलि देनी चाहिए, क्योंकि इन के माध्यम से असमानता को कम नहीं किया जा सकता, अपितु बढ़ाया ही जा सकता है। समय आ गया है जब सरकार अत्यधिक अमीर लोगों पर उपयुक्त कर लगाए और उससे प्राप्त धन को वह वंचित वर्ग की आय अर्जन की क्षमता बढ़ाने तथा उसे सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने में लगाए।

जब तक देश में घोर असमानता बनी रहेगी, साधारण नागरिक यह सवाल करता ही रहेगा कि क्या यही विकास है?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राष्ट्रीय पर्व – जनसहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता

स्वराज प्राप्ति के 75 वें वर्ष में भारत सरकारी स्तर पर यह वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है । इस गौरवशाली अवसर को सरकारी के साथ-साथ असरकारी रूप से मनाने की आवश्यकता है। सरकारी आयोजनों पर काफी कुछ बजट भी खर्च होगा, पर क्या कभी आपने सोचा है कि राष्ट्रीय महत्व के दोनों पर्व स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के लिए हमारा व्यक्तिगत बजट कितना है ? जन सहभागिता कितनी है।

होली, दीपावली, रक्षाबंधन, जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ इत्यादि त्यौहारों-अवसरों के साथ हमारा पारिवारिक, सांस्कृतिक और धार्मिक जुड़ाव है, होना भी चाहिए, कोई आपत्ति नही। ये पारिवारिक, सांस्कृतिक, धार्मिक सम्बन्ध और अधिक प्रगाढ़ होने चाहिए। यह विभिन्न परम्परागत पर्व और त्योहार में समाज को जड़ो से जोड़े रखते हैं, नई पीढ़ी तक परम्परा को पहुंचाते हैं। इनके साथ ही राष्ट्रीय पर्वो के आयोजन में भी जन सहभागिता बढ़ाने की अत्यंत आवश्यकता दिखाई देती है। लोगों को नागरिक जिम्मेदारी का दायित्व बोध करवाने में और राष्ट्रीय चरित्र का विकास करने में इन उत्सवों अत्यंत महत्व है। हम दीपावली आदि त्योहार जितने उत्साह और खर्च से मनाते है। उस का दस प्रतिशत खर्च भी राष्ट्रीय पर्व पर खर्च करने लग जाएं तो देश में राष्ट्रप्रेम का भाव और संस्कार बहुत गहरे तक जा सकता है।

जिनके बच्चे स्कूल जाते हैं उन परिवारों में तो फिर भी कुछ हलचल रहती है, लेकिन शेष सब परिवारों को तो जैसे 15 अगस्त 26 जनवरी के राष्ट्रीय पर्व से कोई सम्बन्ध ही नही है, एक छुट्टी का अवसर मान लेते है। आजादी के बाद बनी सभी शिक्षानीतियों में, शिक्षा में जीवन मूल्यों, राष्ट्र प्रेम के संस्कारों की बात की गई । शिक्षा के केंद्रों में इन पर्वों के माध्यम से लगातार प्रयास भी किया जाता है लेकिन जैसे बालक अपना विद्यार्थी जीवन पूरा करके एक व्यक्ति के रूप में सामाजिक जीवन में प्रवेश करता है, तो धीरे-धीरे उसका उसके जीवन में इन महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्वों का स्थान कुछ कुछ कम होने लगता है। यह अत्यंत चिंताजनक है।

काश...आजादी के तुरंत बाद से ही इन्हें आमजन का उत्सव बनाने के कुछ प्रयास किये जाते। इन्हें केवल सरकारी समारोह नहीं रखा जाता है, बल्कि यह अवसर जन महोत्सव के अवसर होने चाहिए। तिरंगा फहराने की आमजन को मिली छूट के बाद अब धीरे-धीरे यह राष्ट्रीय पर्व जनता के उत्सव में बदलते जा रहे हैं। इन उत्सवों के लोक उत्सव में बदलने की गति और अधिक बढ नी चाहिए। राष्ट्रीय महत्व के इन आयोजनों में देशभक्ति केवल बच्चों तक ही क्यों रहे, बड़ों में भी तो आनी चाहिए। इसलिए समाज में व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय पर्वो का आयोजन हो, इसकी आवश्यकता है। कहते हैं राष्ट्र प्रेम का भाव रहेगा तो भ्रष्टाचार भी रुकेगा, कालाबाजारी भी रुकेगी, जातिवाद भी रुकेगा बेईमानी भी रुकेगी, मिलावट खोरी भी रुकेगी। राष्ट्रीय चरित्र का विकास अनेक समस्याओं का समाधान करेगा ।

पिछले 5-6 वर्षों से मैंने इस दिशा में अपने कुछ पुराने विद्यार्थियों के साथ एक प्रयोग शुरू किया है। मेरे बहुत सारे पुराने विद्यार्थी देश के विभिन्न भागों में व्यवसायरत है। उनका एक व्हाट्सएप ग्रुप बना रखा है और सभी से आग्रह किया जाता है कि अपनी अपनी दुकान पर 15 अगस्त और 26 जनवरी को राष्ट्र ध्वज वंदन अवश्य करें। आस-पास के दुकानदारों को जोड़ते हुए करें।

हम सब घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराए , घर पर भारत माता का चित्र लाकर सपरिवार भारत माता पूजन कर सकते हैं। अपने घर बूंदी के लड्डू जरूर लाएं। अपने दुकान/ फर्म/ कार्यालय पर भी राष्ट्र ध्वज वंदन- भारत माता पूजन के कार्यक्रम करें । आस-पास के दुकानदारों परिचितों को भी इस आयोजन में जुड़ने का आग्रह करें । सभी लोग राष्ट्र ध्वज को सलामी दें, प्रणाम करें, पुष्प अर्पित करें।

संदीप जोशी, शिक्षाविद्व
सदस्य एनसीटीई (केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय)

चमत्कार होते नहीं, किये जाते हैं

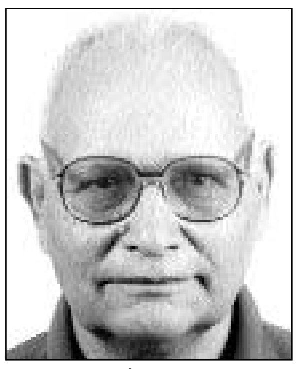

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

क्या कोई बच्चा जिसकी स्वांस गति और हृदय की धड़कन डेढ़ घन्टे तक बंद रही हो, वह फिर जीवित हो सकता है? दिल की धड़कन बंद तो, रक्त संचार खत्म। बिना रक्त संचार के 3 मिनट में मस्तिष्क नष्ट और पांच मिनट में तो सब कुछ । डेढ़ घन्टा तो बहुत लम्बा समय होता है, उतने समय में तो वह 18 बार मर जायगा। फिर वह कैसे जीवित हुआ ? चमत्कार? हां चमत्कार, लेकिन चमत्कार हुआ नहीं, डाक्टरों ने किया।

घटना आस्ट्रिया के एक शीत प्रदेश की है। तीन साल की मासूम बच्ची ठन्डे फिश पॉण्ड में डूब गई। मां बाप को मालूम होने और कुंड में से निकाल ने में 30 मिनट लग गये। बच्ची ठन्डी टीप, बेहोश, श्वास रुकी हुई, हृदय गति बंद। एमरजेंन्सी को फोन किया। जवाब मिला हम तुरंत हेलिकाप्टर से पहुंच रहे हैं, तब तक जैसा आपको बता रहे हैं वैसे बच्ची के मुंह में श्वास फूंकिये और उसका सीना आगे से दबाइये। आठ मिनट में एमरजेंन्सी टीम पहुंच गई और बच्ची को सी पी आर करते हुए हेलीकोप्टर से ले उड़ी। अस्पताल की एमर्जेन्सी को फोन किया कि 30 मिनट तक ठन्डे पानी में डूबी हुई बच्ची को ला रहे हैं।

उचित आपतकालीन इलाज की तैयारी करें। अस्पताल पहुंचने में उन्हे 25 मिनट लगे। सब तैयार थे। बच्ची को सीधा हृदय के आपरेशन थियेटर में ले जाया गया। बच्ची का अंदर का ताप तब मात्र 18.7 डिग्री से. था। एक टीम ने कृत्रिम स्वास और सीने को दबाने की प्रक्रिया (सी पी आर) चालू रखी। दूसरी टीम ने दाईं जांघ की बड़ी धमनी में एक नली डाली और पास की शिरा में दूसरी नली, और दानो को हार्ट-लंग-बाई-पास मशीन से जोड़ दिया। शिरा से खून कृत्रिम फेफडे. (लंग) में गया जहां उसके आक्सीकरण के साथ उसे धीरे-धीरे गर्म भी किया गया और एक पम्प के द्वारा धमनी में लौटा दिया गया। यह आरम्भ करने में 20 मिनट लग गये।

रक्त परीक्षण पर उसमें एसीडोसिस मिली जिसे बायोकार्बोनेट देकर आहिस्ता आहिस्ता 40 मिनट में ठीक किया गया। शरीर का तापमान 37 डिग्री लाने में 6 घन्टे लगे। जब बच्ची का ताप मान 24 डिग्री पर पहुंचा तभी दिल पुनः धड़कना चालू हो गया लेकिन दुर्भाग्य से फेफड़ों में तरल भरा था अतः कृत्रिम श्वांस यंत्र के बावजूद आक्सीकरण नहीं हो पा रहा था। दुविधा की स्थिति थी। दिल धड़कने से रक्त संचार तो चालू हो गया लेकिन रक्त फेफड़ों में आक्सीकृत नहीं हो रहा था। आवश्यक था कि हृदय को चालू रखते हुए रक्त को बाहर कृत्रिम फेफड़े में आक्सीकृत कर वापस हृदय में भेजा जाए। इस प्रक्रिया को एक्स्ट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रेन आक्सीजेनेशन (ई सी एम ओ) कहते हैं।

उनके पास बच्चों के काम आने वाली मशीन नहीं थी। अतः उन्होने बच्ची का सीना खोला और अभ्यस्त विधि से एक नली हृदय की बड़ी धमनी एओर्टा में और दूसरी नली दाये एट्रियम में डाली, और मशीन से जोड़ दिया। एट्रियम से रक्त एक निश्चित मात्रा में मशीन में भेज गया और वहां से आक्सीकृत होकर एओर्टा में पम्प कर दिया गया – पूरे शरीर में संचारित होने के लिए और दायें एट्रियम में वापस आने के लिए । जांघ की बाईपास नलिया और मशीन हटा दी गई लेकिन चूंकि अभी भी फेफड़ों से आक्सीकरण पूरा नहीं हो रहा था अतः ई सी एम ओ चालू रखना आवश्यक था।

बच्ची के खुले सीने को कपडे से ढक कर, कृत्रिम श्वास यंत्र और ई सी एम ओ के साथ बच्ची को आई सी यू में शिफ्ट किया गया। धीरे धीरे ई सी एम ओ के काम को कम करने और फेफड़ों के काम पूरा शुरू होने में 15 घन्टे लगे। तब इ सी एम ओ हटाया गया और सीना बंद किया गया। उसके बाद भी कृत्रिम श्वास यंत्र और सघन चिकित्सा चालू रखने के लिए बच्ची को बेहाश रखा गया । पूरे 12 दिन लगे, जब बच्ची होश में आई और कृत्रिम श्वास यंत्र को हटाया जा सका।

मस्तिष्क जिसके क्षतिग्रस्त होने का सबसे अधिक अंदेशा था वह भी पूर्ण रूपेण काम कर रहा था। छः महिने बाद दायें पाव और बायें हाथ में मामूली सी कमजोरी के अलावा बच्ची सर्वथा स्वस्थ थी।

यह था चमत्कार जो हुआ नहीं, किया गया था। चमत्कार जो समर्पित चिकित्सा कर्मियों के अथक प्रयत्न की परिणति था। चिकित्सा कर्मियों की कितनी टीमों ने कितने संयम और समन्वय से यह किया होगा सहज समझना मुश्किल है।

लेकिन इतने समय तक निष्क्रिय या कहें मृत रहने के बाद मस्तिष्क, हृदय और फेफड़े फिर कैसे चालू हो गये ? प्राणवायु के अभाव में सचमुच मृत क्यों नही हो गए ? किस आधार पर इन मूल-भूत (वाईटल) मार्मिक अंगों की काशिकाऐं जिन्दा रहीं? यह चमत्कार हुआ कैसे? चिकित्साकर्मियों ने यह कैसे संभव किया?

ठन्डे पानी में डूबने से शरीर का तापमान तेजी से गिरा। गिरते तापमान के साथ कोशिकाओं की रसायनिक क्रिया (प्राण प्रक्रिया) कम होती गई और साथ ही आक्सीजन की आवश्यकता भी। एक तापमान पर पहुंचने पर कोशिकाओं की रसायन प्रक्रिया सर्वथा बंद हो गई। इससे पहले कि आक्सीजन की कमी के कारण सक्रिय हुए कोशिका में स्थित आत्मघाती रसायन कोशिका को नष्ट करते, वे रसायन स्वयं ही ठन्ड से निष्क्रिय हो गए और कोशिकाऐं मृत होने से बच गई, सुषुप्त हो गई, समाधि में चली गई। चिकित्सकों ने आक्सीजन की उपलब्धि के साथ आहिस्ता -आहिस्ता शरीर का तापमान बढा कर, कोशिकाओं की रसायन प्रक्रियाओं को पुनः जाग्रत उन्हें जीवित किया गया।

पहले जब हार्ट लंग मशीन उपलब्ध नहीं थी तब ऐसी ही हाइपोथर्मिया (अल्प तापावस्था) विधि से हृदय का ओपन हार्ट ऑपरेशन किया जाता था । मरीज को बेहोश करने के बाद उसे ठन्डे पानी में रख कर शरीर का तापमान इतना कम किया जाता था कि मस्तिष्क सुसुप्त हो जाय और दिल की धडकन बंद। तब फटाफट सीना खोल कर हृहय का ऑपरेशन किया जाता था।

डॉ. श्रीगोपाल काबरा
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

भूतपूर्व सैनिक तिरंगा लेकर 26 घंटे दौड़ लगाएगा

■ देश के बहादुर सैनिकों को समर्पित होगी फ्लैग रन

कोटा, (निसं)। कोटा के भूतपूर्व सैनिक शक्ति सिंह हाड़ा गणतंत्र दिवस पर एक अनूठा रिकोर्ड अपने नाम करने का प्रयास करेंगे। वह गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या से 26 घण्टे लगातार दौड़ कर 200 किमी की दौड़ पूरी करेंगे।

हाडा ने बताया कि श्री उम्मेद क्लब कोटा के तत्वावधान में 25 जनवरी को दोपहर 2 बजे दौड़ का प्रांरभ श्री उम्मेद क्लब कोटा से किया जाएगा और 26 जनवरी,गणतंत्र दिवस पर 26 घण्टे की दौड़ पूरी करते हुए सांय 4 बजे श्री उम्मेद क्लब कोटा में दौड़ पूरी की जाएगी। दौड़ को हरी झण्डी समाजसेवी अमित धारीवाल दिखाएंगे।

हाड़ा ने बताया कि 25 जनवरी को प्रारंभ होने वाली दौड़ में वह तिंरगा लेकर दौड़ेगे और जबतक उनकी दौड़ पूरी नहीं हो जाती वह इस दौड़ में तिरंगे को अपने साथ रखेंगे। उन्होंने कहा यह खुली दौड़ होगी शहर के जो व्यक्ति उनकी दौड़ की राह में जितनी दूरी तक उनके साथ दौड़ना चाहते है उनका स्वागत है और वह भी इस अनूठी दौड़ का हिस्सा बन सकते है। इस दौड में उनकी क्रू टीम आईआरसी, बीआरसी, वाईएफसी उनके साथ रहेगी। शक्ति सिंह हाड़ा ने बताया कि इस दौड़ के लिए इण्डिया बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए नामांकन किया गया है। 26 घण्टे निरंतर दौड़ का रिकॉर्ड बनाने के लिए उन्होने सभी औपचारिकताएं पूरी कर दी है। इण्डिया बुक ऑफ रिकॉर्ड की टीम पूरी दौड़ में उपस्थित रहेगी और दौड़ पूरी होने पर प्रमाण पत्र भेंट करेगी। इण्डिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में 18.50 घण्टे निरंतर दौड का रिकॉर्ड दर्ज है।

गौरी माहेश्वरी ने 13 वर्ष की उम्र में 1500 लोगों को सिखाई कलिग्राफी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गौरी माहेश्वरी को वर्चुअली सम्मानित किया।

■ अवॉर्ड में एक लाख रूपये नकद, पुरस्कार व प्रशस्ती पत्र दिया जायेगा

अजमेर, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अजमेर की गौरी माहेश्वरी को कला के क्षेत्र में पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2022 से वर्चुअली सम्मानित किया। कलैक्टर अंशदीप ने बताया कि शास्त्री नगर अजमेर निवासी 8वीं कक्षा की छात्रा गौरी माहेश्वरी ने कला के क्षेत्र में विशेष योग्यता प्राप्त की है। वे 13 वर्ष की उम्र में कलिग्राफी का शिक्षण करवाती हैं। इन्होंने पूरी दुनिया में 1500 से अधिक व्यक्तियों को कलिग्राफी सिखाई है। पीएम से मिले अवॉर्ड में इन्हें एक लाख रूपए नगद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं पदक प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि गत दो वर्षों के पुरस्कार एक साथ प्रदान किए गए। यह पुरस्कार भारत सरकार के महिला एवं बाल विभाग द्वारा 2018 से आरम्भ किया गया था। इसमें 6 श्रेणियों में बच्चों को पुरस्कार दिए जाते है। नवाचार, वीरता, समाजसेवा, कला एवं संस्कृति, खेल तथा क्षेत्रीय उपलब्धि के लिए यह पुरस्कार दिया जाता है। पुरस्कार के लिए आवश्यक डिजटली ब्लॉग चयन तकनीक का विकास आईआईटी कानपुर के द्वारा किया गया था। पुरस्कार वितरण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनिन्दा बच्चों से वार्तालाप भी किया। पूरे देश के 623 बच्चों को ये पुरस्कार र्स्पधा के पश्चात मिले। गुरू गोविन्द सिंह के साहिबजादों ने वीरता, धैर्य, साहस, समर्पण एवं बलिदान का अतुलनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके लिए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा।

पावटा। उपखंड पावटा में स्थित श्रीपीतांबरा पीजी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर रवीना यादव को एक दिन का प्रिंसिपल बनाया गया, वहीं पिंकी को उप प्रिंसिपल बनाया गया। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाए जाने का उद्देश्य समाज में बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करना है। साथ ही उनके साथ होने वाले भेदभाव के प्रति भी लोगों को जागरुक करना है। आज हमारी बेटियां अपनी प्रतिभा एवं काबिलियत से हर क्षेत्र में अग्रणी होकर देश का नाम रोशन कर रही हैं। वे आज पूरे विश्व में विभिन्न क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित कर राष्ट्र को गौरवान्वित कर रही हैं।

राशिफल मंगलवार 25 जनवरी, 2022

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2078, चित्रा नक्षत्र दिन 10:54 तक, धृति योग प्रातः 9:12 तक, बव करण प्रातः 7:49 तक, चन्द्रमा तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-तुला, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

द्विपुष्कर योग और राजयोग सूर्योदय से प्रातः 7:49 तक है। रवियोग दिन 10:54 तक रहेगा। आज स्वामी विवेकानन्द जयन्ती (तिथि से), और श्री रामान्दाचार्य जयन्ती है। आज अष्टमी तिथि का क्षय हुआ है। आज कालाष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:59 से 11:19 तक, लाभ-अमृत 11:19 से 1:59 तक, शुभ 3:19 से 4:34 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:59

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है।

कर्क
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
धार्मिक-मांगलिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना सफल रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ
धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यक्तिगत कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा।

सार-समाचार

नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया

सायला, (निसं)। सायला के निकटवर्ती ओटवाला ग्राम पंचायत मुख्यालय पर सोमवार को नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र जालोर द्वारा नशा मुक्ति के लिए ग्रामवासियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र जालोर की परियोजना समन्वयक अशोक कुमार बागड़िया एवं हीरालाल चौहान ने नशे के अनेक उदाहरण देकर नशे से होने वाले दुष्परिणाम एवं नशे से होने वाले बीमारियों के बारे में अवगत करवाया। साथ ही नशे से ग्रसित लोगों को नशा मुक्ति केंद्र में आने के लिए प्रेरित किया। वही ग्रामवासियों को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया। सरपंच दीपाराम मेघवाल ने बताया कि वर्तमान में युवाओं में स्मैक, एमडी व अफीम जैसे भारी नशे की प्रवृति बढ़ रही है। जिससे युवाओं को दूर रहने के लिए आग्रह किया। इस दौरान कई ग्रामीण मौजूद थे।

रविन्द्रसिंह बालावत सदस्य बने

जालोर, (कासं)। केन्द्र सरकार, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

अधिनियम, 1994 (1994 का 55) के खंड 3 और खंड 5 में पदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जालोर के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र सिंह बालावत को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण बोर्ड का सदस्य मनोनित किया। रविन्द्रसिंह बालावत को तत्काल प्रभाव से तीन वर्षों की अवधि अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के बोर्ड पर गैर-सरकारी स्वतंत्र सदस्यों (अंश कालिक) के रूप में नागर विमानन मंत्रालय (एएआई प्रभाग) भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा नियुक्त किया गया है।

पिकअप-बस की टक्कर में एक की मौत

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर के जालीपा माइंस के पास सोमवार सुबह बस और पिकअप में जबरदस्त भिडंत हो गई। इस भिडंत में पिकअप में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई व अन्य तीन लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया तथा मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। वही इस हादसे के बाद मृतक के परिजन व समाज के लोग मोर्चरी के बाहर एकित्रत हो गए और विभिन्न मांगों को लेकर धरना शुरू कर दिया। ग्रामीण थाना के एसआई पुरखाराम ने बताया कि सोमवार सुबह पिकअप में सवार चार लोग जैसलमेर की तरफ जा रहे थे। जालीपा माइंस के पास एक निजी कंपनी की बस भाडका से माइंस में जा रही थी। तभी दोनो वाहनों में भिडंत हो गई। जानकारी के मुताबिक हादसे में पिकअप में सवार रमेश उर्फ दोसु खान वर्षीय की मौके पर ही मौत हो गई व खबाड खान उम्र 25 वर्ष, अकबर खान उम्र 19 वर्ष तथा सदाम खान घायल हो गए।हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गयी और सूचना पर ग्रामीण थाने की पुलिस मौके पर पहुँची। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहाँ खाबड खान की हालत गंभीर होने के चलते जोधपुर रेफर कर दिया गया।बाकी घायलों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। मृतक दोसु खान के शव को पुलिस ने मोर्चेरी रखवाया। बस की लापरवाही के चलते इस हादसे को घटित होना बताया जा रहा है।मोर्चरी के बाहर परिजन व समाज के काफी लोग एकित्रत हो गये व विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।जिसके बाद मौके पर बाड़मेर विधायक मेवाराम जैन, पूर्व राज्य मंत्री अशरफ अली, उदाराम मेघवाल, रामसिंह सहित मौजिज लोग धरनास्थल पहुंचे और समझाइश की।बाडमेर विधायक की समझाइश के बाद मृतक के परिजनों व घायलों को कंपनी व सरकार की तरफ से आर्थिक सहायता आदि के आश्वासन के बाद सहमति बनी व धरना समाप्त कर शव को उठाया गया।

बाबा रामदेव समाधि के दर्शन किये

रामदेवरा, (निसं)। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक भंवर सिंह नाथावत ने सोमवार को रामदेवरा स्थित बाबा रामदेव समाधि के दर्शन कर देश और प्रदेश में अमन चैन की प्रार्थना की। सोमवार दोपहर को रामदेवरा पहुंचे जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक भंवर सिंह नाथावत ने अपने जिला पुलिस अधीक्षक का नया कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व बाबा रामदेव समाधि के विधिवत दर्शन कर मंगल कामना की। दर्शन के बाद पुलिस अधीक्षक समाधि समिति कार्यालय पहुचे। जहां उनका माला,साफा पहनाकर बाबा रामदेव की तस्वीर भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर व्यापार संघ अध्यक्ष आशु सिंह तंवर, आनंद सिंह तंवर,हनुमान सिंह तंवर, चुतर सिंह तंवर आदि उपस्थित रहे। वही इससे पहले पुलिस अधीक्षक के रामदेवरा पहुंचने पर रामदेवरा थाना प्रभारी विशन सिंह ने उनकी अगुवानी की।

अवैध देशी शराब सहित एक गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के करडा पुलिस ने सोमवार को अवैध शराब सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक जालोर के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब तस्करों के विरूद्व चलाये जा रहे गिरफ्तारी अभियान के तहत करडा थानाधिकारी अमरसिंह के नेतृत्व में गठित टीम मय जाब्ता ने दौराने नाकाबन्दी लोकल एवं स्पेशल एक्ट की कार्यवाही के तहत सरहद करडा मे कोडका रोड पर पर कालुसिंह (40) पुत्र किरतसिंह जाति राजपूत निवासी करडा के कब्जे से अवैध देशी शराब के कुल 47 पव्वे जब्त कर मुलजिम कालुसिंह को गिरफ्तार किया।

रिक्त स्थानों के लिए आवेदन 30 तक

जालोर, (कासं)। वीर वीरमदेव राजकीय महाविद्यालय जालोर में स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध (इतिहास एवं अर्थशास्त्र) एम. कॉम अकाउटिंग में श्रेणीवार रिक्त स्थानों के लिए ऑनलाइन आवेदन 24 जनवरी से प्रारम्भ हो गये है तथा आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जनवरी है। स्नातकोत्तर प्रवेश प्रभारी डॉ. हरिश चन्द्र ने बताया कि स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध अर्थशास्त्र व एम कॉम अकाउटिंग के लिए सभी श्रेणीयों/वर्गो के आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध इतिहास के लिए सभी श्रेणी के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। नवीन प्राप्त आवेदन पत्रों के ऑनलाइन सत्यापन की अंतिम तिथि 1 फरवरी है तथा आवष्यकतानुसार रिक्त स्थानों के लिए अन्तरिम प्रवेश व प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन 3 फरवरी को किया जायेगा।

डिजिटल आंदोलन का आगाज किया

जालोर, (कासं)। राजस्थान अधीनस्थ कम्प्यूटर कर्मचारी संघ जिला जालोर की ओर से जिलाध्यक्ष चम्पालाल माली एवं सोशल मीडिया प्रभारी राहुल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संघ के सात सूत्रीय मांगपत्र को पूर्ण करवाने एवं कैडर पुनर्गठन के लिए सोमवार से डिजिटल आंदोलन का आगाज किया है। जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा प्रत्येक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी पोस्ट पर संघ से सम्बद्ध सभी सहायक प्रोग्रामरों एवं सूचना सहायकों द्वारा अपनी लंबित मांगों के संबंध में लिखा जाएगा। ताकि इस कोविड के दौर में बिना राजकीय कार्यो को प्रभावित किये राज्य सरकार के समक्ष अपनी जायज मांगो को पहुंचा सके। संगठन की जायज मांगो पर राज्य सरकार द्वारा सकारात्मक प्रतिक्रिया नही मिलने की स्थिति में इस सतत चलने वाले आन्दोलन को उग्र करते हुए आगामी चरण जारी किये जायेंगे।

जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किये

पिंडवाड़ा,(निसं)। वेप्स मंडल वं जैन मानव सेवा ग्रुप मुम्बई के संयुक्त तत्वावधान में उपखंड अधिकारी पिण्डवाडा हंसमुख कुमार की प्रेरणा से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के गांव शिवगढ लाज, सींगापावटी,तेजपुरा एवं भादावेरी में जरूरतमंद लोगो को 450 कम्बल वितरण किये गये। वेप्स मंडल अध्यक्ष मनीष जैन के अनुसार पिछले पांच वर्षो से कार्य अविरत रुप से चालू है। जैन मानव सेवा ग्रुप मुम्बई के कार्यकर्ता भामाशाहों से संपर्क कर दानदाताओ के सहयोग से पांच हजार कम्बल मुम्बई, भिवंडी, विरार, पालघर, भाईंदर, बोरीवली, कल्याण, पिण्डवाडा, पालीताणा, सूरत, रोहिडा, लवाडा आदि क्षेत्र में प्रशासन के साथ मिलकर जरुरतमंद लोगो को वितरण किया जाता है।

किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर ज्ञापन दिया

रेवदर, (निसं)। भारतीय किसान संघ की तहसील बैठक सरेसी माता मन्दिर मै आयोजित तहसील अध्यक्ष गणपतसिंह देवडा की अध्यक्षता में व जोधपुर संभाग युवा प्रमुख सुजानसिह वडवज के मार्गदर्शन एवं जिला मंत्री

- **'किसानों का समान ऋण माफी का लाभ देकर राज्य सरकार किसानों को राहत दिलाये'**
- **किसानों की यूरिया खाद की कमी का दूर किया जाये**

नाथुराम लोहार कि उपस्थित मै आयोजित हुई। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर ज्ञापन राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम उप खण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में एसी एस टी,एस सी, किसानों को कृषि कनेक्शन के मांग पत्र जमा होने पर भी कृषि कनेक्शन नहीं दिये गये है जो जल्दी दिया जाए, किसानों को आंडिट के नाम पर घरेलू बिजली के बिल में भारी रकम भरवाई जा रही है वो गलत है उसे बंद कर राहत पहुंचाने का आदेश सरकार बिजली विभाग को देवे सभी किसानों का समान ऋण माफी का लाभ देकर राज्य सरकार किसानों को राहत प्रदान करावे आवारा पशुओं को पंचायत स्तर पर कनजी हाऊस बनाकर पकडकर बंद करके चारा पानी दिया जावे। राजस्थान सरकार द्वारा किसानों को यूरिया खाद की कमी नहीं आने दिया जाए। सहित कई मांग रखी। बैठक में जिला प्रचार प्रमुख धनाराम लोहार तहसील प्रभारी जीवाराम घांची तहसील उपाध्यक्ष बाबुराम कोली दानाराम घांची भीमसिह देवडा भलाराम चोधरी कालुराम माली मफाराम हसाराम गणपत भाई पटेल रताराम कोली सही किसान मौजूद रहे।

रेवदर के सरेसी माता मन्दिर में भारतीय किसान संघ की बैठक तहसील अध्यक्ष गणपतसिंह देवड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

नारणावास में बेटियों का सम्मान

जालोर, (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नया नारणावास में राष्टीय बालिका दिवस सोमवार को मनाया गया। इस अवसर पर बेटियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। राष्टीय बालिका दिवस पर नारणावास सरपंच जशोदा कंवर ने कहा कि नारणावास पंचायत क्षेत्र की बालिकाएं पढ़ाई एवं खेल सहित हर जगह नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नया नारणावास स्कूल की बालिकाओं ने दो वर्ष पूर्व तक लगातार तीन वर्षो तक हैंडबॉल जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त कर अपना दबदबा बनाए रखा। इसी स्कूल की करीबन 24 से अधिक बालिकाओं ने हैंडबॉल सहित अन्य राज्य स्तरीय प्रतियोगिता भाग लेकर नारणावास पंचायत व जालोर जिले का नाम रोशन किया है। प्रधानाध्यापक लच्छा राम धांधू ने कहा कि राउप्रावि नया नारणावास के शारीरिक रूप सिंह राठौड़ की मेहनत का ही नतीजा था जो नया नारणावास की हैंडबॉल खिलाड़ियों ने दो वर्ष पूर्व तक लगातार तीन वर्ष तक जिले में पहला स्थान हासिल किया एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 24 से अधिक छात्रा खिलाड़ियों भाग लेकर नाम रोशन किया।

नवनियुक्त भाजपा जिला पदाधिकारियों का स्वागत

जालोर में भाजपा की नवनियुक्त कार्यकारिणी का स्वागत किया गया।

जालोर, 25 जनवरी(कासं)। भाजपा नगर मंडल जालोर की ओर से सोमवार को भाजपा जिला कार्यकारिणी में नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों का स्वागत अभिनंदन किया गया।

नगर महामंत्री रतन सुथार ने बताया कि नगर अध्यक्ष सुरेश सोलंकी के नेतृत्व में अलग - अलग स्थानों पर नवनियुक्त जिला महामंत्री हरीश राणावत, प्रकाश छाजेड, जिला मंत्री भूरसिंह देवकी, जितेंद्र सरगरा, सोशल मीडिया संयोजक चंद्रकांत सुंदेशा, प्रवक्ता मुकेश राजपुरोहित का माला व दुपट्टा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सभी का आभार धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर उनके साथ भाजयुमो जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंह सिसोदिया, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष ओबाराम देवासी, भाजयुमो पूर्व प्रदेश प्रतिनिधि अमन मेहता, भाजयुमो नगर अध्यक्ष दिलीप भट्ट, एससी मोर्चा नगर अध्यक्ष पिंटू जीनगर, भाजयुमो जिला कोषाध्यक्ष हेमेंद्र सिंह बगेडिया, राजकुमार चौहान अचलसिंह परिहार, घनश्याम सुंदेशा छगन रामावत सहित कहि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाड़मेर में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सोमवार को जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एल. बिश्नोई ने कहा कि बेटा और बेटी में कोई फर्क नहीं है। बेटियां भी बेटों के समान ऊंचाइयों को छू रही हैं। जरूरत है इन्हें बेहतर शिक्षा देने की। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से भी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दिया जा रहा है। हम सभी को आगे आकर इसे और मजबूत करने की आवश्यकता है। बेटियां रहेंगी तभी समाज का अस्तित्व रहेगा। हम सब को सामूहिक प्रयास करके जागरूकता अभियान चलाकर लोगों की मानसिकता बदलनी होगी। जिला आशा समन्वयक राकेश भाटी बताया कि बेटियां निसंदेह बेटों से बेहतर उच्च शिक्षित होकर आज पूरे विश्वभर में नाम कर रही हैं, इसलिये हमें भेदभाव न करते हुए सदैव बेटियों को उच्च शिक्षा देकर एक नये मुकाम के लिये तैयार करना चाहिये। आंगनबााडी केन्द्र वार्ड संख्या 38 में बालिकाओं का जन्मोत्सव केक काटकर मनाया गया, साथ ही बेटियो को बचाने के लिए आमजन को मुखबिर योजना की जानकारी देने के लिए प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ बी.एल मंसुरिया ने वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

छात्रा लावण्या को न्याय दिलाने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया

बाड़मेर, (निसं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बाड़मेर के कार्यकर्ताओं ने सैकेड हार्ट हाई स्कूल तंजावुर तमिलनाडु की छात्रा लावण्या को न्याय दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को स्थानीय बाड़मेर के अतिरिक्त जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल तमिलनाडु राज्य चेन्नई के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रान्त संहमन्त्री भोमसिंह सुंदरा ने कहा कि बोर्डिंग स्कूल की वार्डन ने लावण्या को प्रताडति किया और उसे अन्य धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया। इन घटनाओं से युवती परेशान होकर आत्महत्या कर ली। देश का पूरा युवा बेहद सदमे और पीड़ा में है। लावण्या को न्याय मिले । दोषियों के खिलाफ कड़ी करवाई करे । इकाई अध्यक्ष आरती अग्रवाल ने कहा कि कि हमें क्रोध दिलाता है कि लावण्या को ईसाई मत जबरन मतांतरण के प्रयास के कारण भयावहत के कारण अपना जीवन समाप्त करना पड़ा।

वैक्सीनेशन व जागरूकता अभियान शुरू

आबूरोड़,(निसं)। आबूरोड़ स्थित ब्रह्माकुमारीज की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग की ओर से सोमवार से वैक्सीनेशन और जागरूकता अभियान शुरू किया गया।

- **अभियान के तहत 31 जनवरी तक आबू रोड़ तहसील के गांव-गांव जाकर लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी**

यह अभियान आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान के तहत चलाया जा रहा है। शांतिवन के प्रकाश स्तंभ से अभियान को संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय और मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सचिव डॉ. शाह ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर थीम के तहत मेडिकल विंग और आबू रोड़, सिविल हॉस्पीटल की टीम द्वारा चलाए जा रहे अभियान का ये पहला चरण है। इसके तहत 31 जनवरी तक आबू रोड़ तहसील के गांव-गांव जाकर लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके साथ ही ग्रामीणों में वैक्सीन को लेकर जो भ्रम की स्थिति है उसे दूर किया जाएगा। उन्हें वैक्सीन लगवाने की फायदे से रूबरू कराया जाएगा। जिन लोगों ने अब तक वैक्सीन का एक भी डोज नहीं लगवाया है, ऐसे लोगों को चिह्नित तक विशेष रूप से उनकी काउंसलिंग करके वैक्सीन लगाई जाएगी। इस दौरान लोगों को संदेश दिया जाएगा कि कैसे वैक्सीन लगवाकर आप सभी सुरक्षित रह सकते हैं।

मेडिकल विंग के सचिव डॉ. शाह ने बताया कि अभियान के तहत शांतिवन से पांच एंबुलेंस में चालीस लोगों की टीम रवाना की गई। सभी टीमों को मिलाकर एक दिन में 25 गांव कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत जिन गांवों में अब तक वैक्सीनेशन नहीं हुआ है वहां टीमें जाकर लोगों को जागरूक कर वैक्सीन लगाएंगी। पहला चरण 31 जनवरी तक चलाया जाएगा। जिसके तहत सैकडो गांवों तक पहुंचने की योजना है। वैक्सीनेशन के दौरान सरकारी द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करते हुए मेडिकल टीम कार्य करेगी। हमारी एक एंबुलेंस में दो-दो लोग राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी रहेंगे। इस अभियान में मुख्य रूप से डॉ. गौतम, डॉ. पीएन गुप्ता, डॉ. भारती, डॉ. पूर्वी, बीके कृष्णा और बीके पवित्र भाई सहित अन्य भाई-बहनों द्वारा अपनी सेवाएं दी जा रही हैं।

आबूरोड़ में ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से वैक्सीनेशन और जागरूकता अभियान शुरू किया गया।

सार-समाचार

वांकल माता मन्दिर के पंचम वार्षिकोत्सव पर ध्वजारोहण किया

सायला, (निसं)। सायला के निकटवर्ती मोकनीखेड़ा में देवासी आल परिवार की कुलदेवी वांकल माता मंदिर का पंचम वार्षिकोत्सव सोमवार को सुराणा महन्त मंगलाईनाथ महाराज व भोपा भारती के सान्निध्य में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव को लेकर वांकलमाता की प्रतिमा विशेष श्रृंगार किया गया तथा मंदिर प्रांगण की फूल मालाओं से आकर्षक सजावट की गई। साथ ही सवेरे से ही मंदिर परिसर में देवासी समाजबन्धुओ का पारम्परिक वेशभूषा में सजधज कर आना शुरू हो गया था। प्रातः 10 बजे तक मन्दिर में बडी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हो गए। इसके बाद ढोल-ढमाकों के साथ साधु-संतों के सान्निध्य में लाभार्थी नेतीजी परिवार के सदस्यों द्वारा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान महिलाओं ने मंगल गीत गा रही थी तथा श्रद्धालु माताजी की जयकारें लगा रहे थे। साथ ही मंदिर में श्रद्वालुओं ने दर्शन कर प्रसादी का भोंग लगाकर खुशहाली की कामना की। इस मौके महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्रभर से समाजबन्धुओं ने भाग लिया।

सूने मकान के ताले तोड़े

पिंडवाड़ा,(निसं)। शहर सहित तहसील क्षेत्र में शीतलहर का कहर जारी है। कडाके से ठंड लोगों की रूह कांप रही है। जिसके चलते अधिकतर लोग घर में रजाइयो के बीच दुबके रहते हैं। जिसके चलते शहर के कई लोग अन्य राज्यों के शहरों में जीवन यापन करने वाले के सूने पड़े मकानों को अपना निशाना बना रहे हैं। ऐसी ही घटनाशहर के बीचोबीच नई शेरी सती माता मंदिर के पास की गली के सूने मकान परअज्ञात चोरों ने निशाना बनाया है। जानकारी के अनुसार नई शेरी जैन मंदिर के पास इस्त्री करने वाला जगदीश कुमार जगदीश वछैटा खाना खाकर अभी दुकान पर आ रहा था। उस दौरान नई शेरी गली के शक्ति माता मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते के नरेश कुमार पुत्र जो छोगाराम जाति जैन के मकान की जाली खुली देखकर उसने मकान मालिक के दोस्त तरुण जैन को जाली खुली होने की जानकारी दी। खबर मिलते ही तरुण कुमार खुली जाली के मकान के पास पहुंचा और मकान मालिक को फोन करके जाली खुली होने की बात बताई । चोरी होने की घटना आस पास के लोगों को लगते ही लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई। जिसके बाद तरुण अन्य लोगों के साथ मकान के अंदर गए। तब उन्होंने देखा कि अलमारी टूटी हुई और उसमें कपड़े व अन्य सामान बिखरा हुआ दिखा। वह लोहे का लॉकर को भी चोरों ने तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन सफल नहीं हुए। जिसके बाद पूरे मकान की जांच की तो मकान के दरवाजे के सभी ताले टूटे पड़े हुए मिले। जिसके बाद उन दोनों ने मजदूर को बुलाकर साफ सफाई कर नए ताले लगवाए। चोरी का खुलासा तो मकान मालिक आने के बाद ही लगता है। मकान मालिक मौजूद नहीं होने के चलते पुलिस थाने में मामला दर्ज नहीं हुआ। वहीं क्षेत्र में चोर लगातार चोरी घटना को अंजाम दे रहे हैं। लेकिन मकान मालिक हाजिर नहीं होने के चलते पुलिस थाने में मामला दर्ज नहीं होता है और कुछ लोग चोरी का मामला पुलिस थाने में दर्ज कराने में डरते हैं। जिसके चलते शहर भर में अज्ञात चोर लुटेरे लूटपाट चोरी की वारदातों को बेखोफ अंजाम दे रहे हैं और उनके हौसले बुलंद है।

हज आवेदन की अंतिम तिथि 31 तक

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर में हज यात्रा 2022 के आवेदन अपने अंतिम चरण में है। जिसकी अंतिम तिथि 31 जनवरी है। हज सेवक बच्चु खान कुम्हार ने बताया कि इच्छुक हज जाने वाले यात्री जल्द से जल्द अपने दस्तावेज तैयार कर मुस्लिम मुसाफिर खाना बाडमेर में जमा करवा दें। हज यात्रा के लिए ऑनलाइन फॉर्म स्थानीय मुस्लिम मुसाफिर खाना में भरे जा रहे है। सोमवार को शहर के अब्दुल सत्तार खिलजी, मोबिना बानू सहित अमीन ग्रुप व काश्मीर खान ग्रुप के सदस्यों ने जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना लाल मोहम्मद सिद्दीकी, मुस्लिम इंतजामिया कमेटी के सदर मोहम्मद मंजूर कुरेशी व मोमीन ब्रदर्स मंच के संयोजक अबरार मोहम्मद के सानिध्य में हज आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर आवेदन जमा करवाएं। इस अवसर पर जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना लाल मोहम्मद सिद्दीकी ने कहा कि हज पर जाने का मौका खुशनसीब लोगों को मिलता है। ऐसे में हज पर जाने वाले सभी मुस्लिम भाई बहिनों को पूरे अहतमाम व शिद्दत के साथ सफर को पूरा करना चाहिए। इस दौरान बाड़मेर शहर के गणमान्य लोगों ने हज आवेदन करने वालों को मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मास्टर गुलाम नबी खिलजी, हाजी मोहम्मद शरीफ, हाजी मोहम्मद इब्राहिम, हाजी मुख्तियार, मौलवी मोहम्मद रमजान, हाजी निजामुदिन खिलजी, मोहम्मद सिद्धिक खिलजी, शकील खिलजी, शाबीर खिलजी, लुकमान अली, अफजल खिलजी, हज सेवक बच्चु खान कुम्हार व अन्य लोग मौजूद रहे। इसके साथ ही उन्होंने हज यात्रा सफल होने की दुआ की और उन्होंने बताया की हज आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस आज

जालोर, (कासं)। निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार 12 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह पूर्वक ऑनलाईन मोड पर 25 जनवरी को मनाया जाएगा। निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चम्पालाल जीनगर ने बताया कि 25 जनवरी को मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला परिषद के सभा भवन में दोपहर एक बजे आयोजित किया जायेगा। उन्होने बताया कि कार्यक्रम में निर्वाचन एवं मतदाता पंजीकरण सम्बन्धी जानकारी दी जायेगी।

'सभी विभाग टीकाकरण अभियान को सफल बनाएं'

जालोर, (कासं)। अतिरिक्त जिला कलैक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय वासु ने कहा कि मंगलवार को जिलेभर में आयोजित होने वाले टीकाकरण महाअभियान में 15 से 18 आयुवर्ग प्रथम डोज, 18 वर्ष से अधिक वर्ग में एवं वरिष्ठ जनों के लिए दी जा रही बूस्टर डोज में सहभागिता कर अभियान को सफल बनाया जाये।

- **अतिरिक्त जिला कलेक्टर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने विभागवार लक्ष्य प्राप्ति की समीक्षा की**

वासु ने जन कल्याणकारी योजनाओं से आम जन को लाभान्वित करते हुए विभागवार लक्ष्य प्राप्ति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी सम्पर्क पोर्टल, बजट घोषणा एवं फ्लैगशिप योजनाओं की प्रभावी मोनिटरिंग करे। वे सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बिजली, पानी, सडक, मौसमी बीमारियों एवं अन्य बिन्दुओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जिले में कोविड की सैम्पलिग बढ़ाने के साथ-साथ टीकाकरण अभियान में लक्ष्यानुरूप उपलब्धि अर्जित करने के निदेश दिये। बैठक में जिले में एक्टिव कोरोना केस पर जानकारी लेते हुए पॉजिटिव आए लोगों की कॉनटेक्ट ट्रेसिंग एवं ट्रेवल हिस्ट्री पता कर संक्रमण को रोकने की बात कही। संस्थागत प्रसव, राजश्री योजना, शुद्ध के लिए युद्ध अभियान की समीक्षा करते हुए सैम्पलिंग बढाने के चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देश प्रदान किये। उन्होंने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को अवैध कनेक्शनों के खिलाफ की जा रही कार्यवाही पर नियमित रूप से मासिक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में बिजली एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए जल जीवन मिशन तथा नर्मदा प्रोजेक्ट के प्रगति की समीक्षा की। बैठक में खाद्यान वितरण, फसली ऋण वितरण, इन्दिरा रसोई योजना, गोशाला का सर्वे, घर-घर औषधि योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं के संबंध में प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए योजना एवं लक्ष्यानुरूप कार्यो की क्रियान्विति सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में सीएमएचओ गजेन्द्र सिंह देवल, आरसीएमओ डॉ. रमाशंकर भारती, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता ताराचन्द कुलदीप, बिजली के एसई एनके जोशी, कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. आरबी सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी कमल सिंह, रसद विभाग से नमिता नारवाल सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

करौली जिले के सरकारी महकमों पर सवा सौ करोड़ रुपए की वसूली बकाया

प्रशासन के 248 ऑफिसों पर विद्युत निगम का 1 सौ करौड़ 25 लाख रूपए बकाया

करौली, (निं.स) । करौली जिले के सरकारी महकमों पर विद्युत विभाग के सवा सौ करोड़ की वसूली बकाया होने से विद्युत निगम राजस्व वसूली में फिसड्डी नजर आ रहा है।

सूत्रों के अनुसार जिले के सभी विभागों के सरकारी कार्यालयों पर विद्युत निगम के विद्युत दिलों की बकाया राशि करीब सवा सौ करोड़ रुपए होने से यहां का विद्युत निगम प्रगति रिपोर्ट में फिसड्डी चल रहा है। चौकाने लायक यह है कि प्रशासन के करीब 248 कार्यालयों पर विद्युत निगम का एक सौ करोड़ 25 लाख रुपया विद्युत खर्च के बिल की राशि बकाया चल रही है।

इसी प्रकार जलदाय विभाग ग्रामीण क्षेत्र के करीब जिले भर के 462 विद्युत कनेक्शन पर विद्युत खर्च के करीब 12 करोड़ रुपए की राजस्व वसूली बकाया चल रही है। इसी प्रकार पुलिस प्रशासन के करीब 37 कार्यालयों पर 24 लाख 26 हजार रुपए, जलदाय विभाग शहरी क्षेत्र के करीब 65 विद्युत कनेक्शनों पर 16 करोड़ 58 लाख रुपए इसी प्रकार जेजेबाई योजना के 264 विद्युत कनेक्शनों पर 22 करोड़ 54 लाख रुपए इसी प्रकार ग्राम पंचायतों में लगी जनता जल योजनाओं के विद्युत बिल की 62 करोड़ 12 लाख रुपए विद्युत निगम का राजस्व बकाया चल रहा है

इधर शिक्षा विभाग की ओर देखा जाए तो शिक्षा विभाग के जिले के करीब कार्यालयों, विद्यालयों आदि पर 85 लाख रुपए विद्युत निगम का राजस्व बकाया चल रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पर करीब 74 लाख रुपए, वन विभाग पर 6.42 लाख रुपए विद्युत बिलों का बकाया राजस्व है । इनके अलावा जिले के अन्य सरकारी महकमों पर भी विद्युत निगम का भारी राशि का राजस्व बकाया चलने से विद्युत निगम पर खतरे के बादल छाए हुए हैं।

जबकि विद्युत निगम के अधिकारी सरकारी महकमों में बकाया राजस्व वसूली का नोटिस देकर अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं, मगर सरकारी महकमों के अधिकारियों के विद्युत निगम के बकाया राजस्व जमा कराने के नाम पर जूं तक नहीं रेंग रही है।

नवोदय विद्यालय के 48 बच्चे कोरोना पॉजिटिव, दो रिकवर हुए

46 का इलाज जारी, आगामी आदेशों तक स्कूल बंद

सूरजगढ़, (निसं)। झुंझुनूं के काजड़ा में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के 48 बच्चे कोरोना पॉजिटिव मिले है। इनमें से दो ने रिकवर भी कर लिया है। जिन्हें रिकवर करने के बाद घर भेज दिया है। बीमारी के चलते बच्चे तनाव में ना आए। इसके लिए हॉस्टल में बनाए गए उनके वार्ड में स्कूल प्रबंधन ने टीवी और प्रेरक कहानियों की किताबें उपलब्ध करवाई हैं। स्कूल प्रिंसीपल संजय यादव ने बताया कि दो-तीन बार की रिपोटर्स में स्कूल के 48 बच्चे और दो स्कूल टीचर कोरोना पॉजिटिव आए थे। जिसके बाद स्कूल को आगामी आदेशों तक बंद कर दिया गया है। यही नहीं सभी बच्चों और स्टाफ की कोरोना सैंपलिंग करवा दी गई है। इनके अलावा सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। सभी करीब 400 बच्चों को अपने -अपने घर भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि दो टीचर ने भी रिकवर कर लिया है। जिन्हें भी एक बार घर भेज दिया है।

प्रिंसीपल संजय यादव ने बताया कि पॉजिटिव बच्चों के परिजनों को भी चिंता ना हो इसके लिए सभी परिजनों को डेली रिपोर्ट दी जाती है। परिजनों की इच्छा पर बच्चों से बातचीत भी करवाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों की टीम भी लगातार हर दिन बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर रही है।

बजावा की सरकारी स्कूल में भी 12 बच्चे पॉजिटिव:- इधर, जानकारी मिली है कि चिड़ावा ब्लॉक के बजावा की सरकारी स्कूल में भी 12 बच्चे कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। चिड़ावा बीसीएमओ डॉ. संत कुमार जांगिड़ ने मीडिया को बताया कि रविवार को ब्लॉक में 25 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी जिनमें से सर्वाधिक 12 केस गांव बजावा की सरकारी स्कूल के थे। दो दिन पहले स्कूल में लगे स्वास्थ्य शिविर के दौरान 175 लोगों की कोरोना जांच के सैंपल लिए गए थे। जिनमें ग्रामीणों के अलावा स्टाफ शिक्षक व विद्यार्थी शामिल थे।

पूर्व मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, भाई, उनकी पत्नी व पुत्रवधु करोना पॉजिटिव

■ **उदयपुर में मिले 457 पॉजिटिव, 92 अस्पताल में भर्ती**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में सोमवार को 457 पॉजिटिव मिले है वहीं एक्टिव केस 4580 में से 92 चिकित्सालय में भर्ती है। इधर, पूर्व केन्द्रीय डॉ. गिरिजा व्यास, उनके भाई व भाई की पत्नी व पुत्रवधु को कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 2059 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 1602 नेगेटिव व 457 पॉजिटिव मिले है। शहरी क्षेत्र में मिले 352 संक्रमितों में 54 कोरोना वॉरियर्स, 144 नए संक्रमित, 148 क्लॉज कांटेक्ट व 06 माइग्रेंट है। ग्रामीण क्षेत्र में मिले 105 पॉजिटिव में से 17 कोरोना वॉरियर्स, 34 क्लॉज कांटेक्ट व 54 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंकड़ा 66674 हो गया है। इनमें से 61335 रिकवर हो चुके है। एक्टिव केस की संख्या 4580 है इनमें से 4488 होम आइसोलेटेड व 92 चिकित्सालय में भर्ती है। जिले में आज 447 संक्रमित रिकवर भी हुए।

इधर, कांग्रेस प्रवक्ता फिरोज अहमद शेख ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, निवर्तमान अध्यक्ष गोपाल शर्मा की पत्नी पुष्पा शर्मा एवं बड़ी पुत्रवधू अलका शर्मा की कोरोना टेस्ट कराने पर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डॉ. गिरिजा व्यास ने उनके संपर्क में आए सभी लोगों से निवेदन किया है कि खुद को आइसोलेट करें और अपनी जांच करवा लें।

जोधपुर में करोना से पांच की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर में करोना संक्रमितों की यकायक बढ़ी मौतों ने चिंता बढ़ा दी है। सोमवार को जोधपुर में सोमवार को 621 संक्रमित मिलने से राहत अवश्य मिली, लेकिन पांच संक्रमित की मौत हो गई। इसके अलावा सोमवार को 810 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। अब जोधपुर में पॉजीटिव रेट 40.80 प्रतिशत रही।

जिले में पिछले सात दिन में 21 मरीजों की मौत हुई और 8028 पॉजिटिव मिल चुके हैं व 5,439 मरीज डिस्चार्ज हुए है। कोरोना के नए स्वरूप में संक्रमित होने के बाद लोग समय पर इलाज शुरू कर ठीक भी जल्दी हो रहे हैं। साथ ही वैक्सीन लगी होने से अस्पताल भी जाने की नौबत नहीं आ रही है लेकिन अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों के लिए कोरोना बहुत मारक साबित हो रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल में अन्य बीमारी का इलाज कराने आने वाले लोग जांच में कोरोना पॉजिटिव आने के कारण भर्ती हैं ।जोधपुर में कोरोना से हुई अधिकांश मौत वाले मरीज अन्य गंभीर बीमारियों से भी पीड़ित रहे।

अलवर: मूकबधिर नाबालिग के मामले में खुलासे का इंतजार

■ **पुलिस की जांच करीब-करीब पूरी**

अलवर, (निसं)। 11 जनवरी को मूक बधिर नाबालिग के लहुलूहान मिलने के मामले में पुलिस के खुलासे का इंतजार है। पुलिस की जांच करीब-करीब पूरी हो चुकी है। अब उच्च अधिकारियों से चर्चा कर जल्दी ही इसका खुलासा होगा। पुलिस की जांच में सामने आया है कि बालिका का एक्सीडेंट हुआ है बस खुलासा करना बाकी है। जबकि पुलिस की जांच पर पहले दिन से सवाल खड़े हो गए थे। उसी कारण विरोध बढ़ता गया।

प्रदेश के लोगों को पुलिस के खुलासे के तथ्यों का इंतजार है। असल में एक्सीडेंट होने का कोई सीसीटीवी तो सामने नहीं आया। लेकिन पुलिया पर एक बस रुकी और उसके बगल से बाइक निकली। इसी बीच में पुल के किनारे चल रही बालिका से घटित घटना का पुलिस खुलासा करेगी। जिससे यह पता लगेगा कि किस तरह एक बाइक से बालिका का एक्सीडेंट हुआ।

बालिका के प्राइवेट पार्ट में गहरी चोट लगी है, जिसे पुलिस ने पहले दिन सेक्सुअल असॉल्ट मान लिया था। लेकिन 3 दिन बाद पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देकर रेप की संभावनाओं से इंकार कर दिया था। इसके बाद से मामले में विरोध तेज हो गया था। एक दिन के लिए अलवर जिला बंद भी रहा। प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन हुए। दिल्ली तक के संगठन अलवर पहुंचे। पुलिस की जांच पर सवाल खडे गए। अधिकतर ने कहा कि सरकार के दबाव में पुलिस घटना को बदल रही है। इस कारण पुलिस अब तक मामले का खुलासा नहीं कर सकी है।

इलाज के दौरान महिला की मौत

रींगस, (निसं)। शहर के राजमार्ग संख्या 52 पर स्थित एक निजी अस्पताल में एक 61 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिसके परिजनों के द्वारा पुलिस थाने में अस्पताल प्रशासन के खिलाफ लापरवाही से इलाज का मामला दर्ज करवाया गया है।

थानाधिकारी मदन लाल ने बताया कि पांवडा की ढाणी तन बावडी निवासी रामकिशोर वर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी माता राधा देवी को पथरी के ऑपरेशन के लिए 22 जनवरी को जेडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। 23 जनवरी की सुबह करीब 9 बजे चिकित्सकों ने पथरी का ऑपरेशन करने के लिए ऑपरेशन थियेटर में लेकर गये और करीब 2 घंटे बाद राधा देवी को ऑपरेशन से निकाला गया। परिजनों से कहा गया कि मरीज की हालत ठीक है और आईसीयू में भर्ती कर लिया गया गया है। कई घंटे गुजरने के बाद भी महिला को होश नहीं आने पर परिजन हंगामा करने लगे तो अस्पताल प्रशासन ने कहा की उन्हें हार्ट अटैक हो गया है। इनको जयपुर रैफर करना पड़ेगा।

बल्लू गैंग और प्रदीप के बीच धमकी देने का वीडियो हुआ वायरल

■ **फेसबुक लाइव होकर बोला- 12 थानों में 25 मुकदमे दर्ज हैं, इतना मारूंगा, सब भूल जाएगा**

अलवर, (निसं)। युवक के हाथ-पैर तोड़ने के मामले में एक हिस्ट्रीशीटर की एंट्री हुई है। हिस्ट्रीशीटर प्रदीप रावत ने युवक को पीटने वाली बल्लू गैंग को धमकी दी है। सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए बल्लू ने प्रदीप को जयपुर बुलाया । इसके बाद प्रदीप रविवार रात को ही जयपुर के मानसरोवर पहुंचा और मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से लाइव वीडियो जारी कर बल्लू को धमकी दी।

हिस्ट्रीशीटर ने बल्लू को जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि उसका गांव कोटपूतली के पास सुंदरपुरा है। उसके खिलाफ 12 थानों में 25 मुकदमे दर्ज हैं। कोटपूतली थाने का हिस्ट्रीशीटर हूं, एक बार पता कर लेना। बल्लू बालावास को कहा कि तुम दो-चार हजार रुपए के कट्टे लेकर डराते हो। इतने हथियार तो थाने में जब्त हो चुके हैं। इतना मारूंगा कि सब भूल जाएगा। छोटे-छोटे बच्चों को लेकर जो बदमाशी कर रहे हो, यह सब छोटी हरकत है।

दो दिन पहले बल्लू बालावास गैंग के बल्लू सहित कुछ युवकों ने सोशल मीडिया पर कमेंट करने से गुस्सा होकर सेकेंड ईयर स्टूडेंट राहुल गुर्जर के पैर बांधकर इतना पीटा था कि हाथ-पैर में कई फ्रैक्चर हो गए थे। पिटाई का वीडियो सामने आने के बाद हिस्ट्रीशीटर प्रदीप रावत और बल्लू बालावास ने आपस में चैलेंज किया। एक-दूसरे ने खुद को जयपुर आने की धमकी दी। अब यह दोनों गैंग एक-दूसरे को मारने की धमकी देने लगे हैं।

बारह वर्ष तक देह व्यापार में रहने वाली ज्योति ने विवाह कर शुरू किया नया जीवन

बूंदी के नैनवां रोड स्थित वृद्धाश्रम परिसर में हुआ विवाह आयोजन

बूंदी, (निसं)। बारह वर्ष तक देह व्यापार के दलदल में फंसी रही शंकरपुरा की 24 वर्षीय ज्योति (बदला हुआ नाम) का सोमवार को यहां नैनवां रोड स्थित वृद्धाश्रम में हिंदू रीति-नीति के साथ विवाह आयोजन सम्पन्न कराया गया। ज्योति ने अपने ही गांव के युवक आकासराज के साथ विवाह किया। ज्योति अब देहव्यापार के दलदल से निकलकर अपना घर बसाएगी । यह सब बूंदी की बाल कल्याण समिति एवं नगर परिषद के वरिष्ठ पार्षद टीकम जैन की मदद से संभव हो सका।

विवाह आयोजन में पूर्व मंत्री हरिमोहन शर्सा, सभापति मधु नुवाल, जिला कलेक्टर रेणु जयपाल, पुलिस अधीक्षक जय यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुनील कुमार यादव ने पहुंचकर नव दम्पती को आशीर्वाद दिया। उन्हें सुखद जीवन जीने का आशीर्वाद दिया।

बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने बताया कि ज्योति 12 साल की उम्र से देह व्यापार के दलदल में थी। 24 वर्ष की उम्र में बालिग होने के बाद ज्योति इस देह व्यापार को नहीं करना चाहती, जबकि उसके परिवारजन इसके लिए दबाव बना रहे थे, ज्योति ने अपना घर बसाने के लिए बाल कल्याण समिति के समक्ष गुहार लगाई। इस पर समिति ने नगर परिषद के वरिष्ठ पार्षद टीकम जैन की मदद से ज्योति का घर बसाने का निर्णय किया ।

कलेक्टर, एसपी व विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने नवविवाहिता को आशीर्वाद दिया।

■ **पूर्व मंत्री हरिमोहन शर्मा, जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर परिषद की सभापति बनी साक्षी**

पूर्वमंत्री हरिमोहन शर्मा ने इस मौके पर कहा कि सरकार ऐसे लोगों की मदद के लिए तत्पर हैं। बूंदी की बाल कल्याण समिति और नगर परिषद के वरिष्ठ पार्षद व अध्यक्ष शिलोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र सिलोर टीकम जैन को साधुवाद। ऐसे और भी विवाह आयोजन होने चाहिए, ताकि जो युवतियां इस दलदल में फंसी हुई है, वह बाहर निकलकर अपना सुखद जीवन जी सके। इस दौरान वाणिज्य कर अधिकारी नरेन्द्र जैन, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य जयश्री लखोटिया, अरबन बैंक के चेयरमैन सत्येश शर्मा सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बाड़मेर जिले में 41 पॉजिटिव निकले

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर जिले में 805 की रिपोर्ट में 41 कोरोना पॉजिटिव निकले हैं। सोमवार को कोरोना संक्रमित एक अस्सी वर्षीया बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी है। सीएमएचओ डॉ बीएल विश्नोई ने बताया कि 329 मरीज रिकवर हुए है। सोमवार को बायतु से 4,बालोतरा से 29,बाडमेर से 3,चोहटन से 1,पीएमओ बालोतरा से 51,सिणधरी से 3,पीएमओ बाड़मेर से 35 व सिवाना से 4 मरीज कोरोना संक्रमित मिले है।

जालोरः 805 सैंपल में 41 पॉजिटिव मिले

जालोर, (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से सोमवार को प्राप्त 805 की रिपोर्ट में 41 कोरोना पॉजिटिव प्राप्त हुई है। सीएमएचओ जालोर डॉ. गजेन्द्र सिंह देवल ने बताया कि जिले में 16 जालोर शहर में, दो आहोर, तीन बागरा, दो भवरानी, एक चिमनगढ़ , एक गोल, एक गुड़ा रामा, 3 कानीवाड़ा, 4 मांडवला, 2 रठुजा, 4 रेवतड़ा, एक सामुजा एवं एक थलवाड़ निवासी व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। तीसरी लहर में जिले में अब तक कुल 253 व्यक्ति कोरोना से संक्रमित हो चुके है, इनमें से पांच व्यक्ति स्वास्थ्य हो चुके है।

शराबी बेटे ने पत्थर से हमला कर पिता को उतारा मौत के घाट

■ **शराब के लिए पैसे नहीं देने पर कलयुगी बेटे ने की घटना**

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहर के जवाहर नगर में सोमवार की शाम को शराब के आदि एक कलयुगी बेटे ने शराब के लिए पैसे नहीं देने पर पत्थर से सिर पर वार कर अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार शहर के जवाहर नगर निवासी रामकिशोर शर्मा निवासी डोडवाडी हाल निवासी जवाहर नगर मालपुरा जो कि कैंसर जैसी जटिल बीमारी से पीड़ित था।

सोमवार की शाम को रामकिशोर शर्मा का बेटा सूरज शर्मा घर पर पहुंचा तथा अपने पिता से 10 हजार रूपये की मांग की। पिता द्वारा पैसे देने से मना करने पर गुस्साए बेटे ने हाथ में पत्थर उठा पिता पर ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिया। घर के चौक में चीखते-चिल्लाते पिता ने बेटे से बचने का भरकस प्रयास किया तो मौके पर मौजूद रामकिशोर की बेटी संगीता ने भी भाई को पकड़ पिता को बचाने का भरकस प्रयास किया लेकिन सूरज ने पिता के सिर पर पत्थर से वार कर मौत के घाट उतार दिया। चिल्लाने की आवाज सुन दौड़े मौहल्लेवासियों ने खून से लतपथ जमीन पर पड़े रामकिशोर को घायल अवस्था में मालपुरा अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हमलावर सूरज ने अपने मोबाईल से पुलिस कन्ट्रोल रूम को फोन कर बताया कि उसने अपने पिता की हत्या कर दी है और अब वो थाने जा रहा है। कन्ट्रोल रूम से मिली सूचना के बाद तत्काल मौके पर पहुंची मालपुरा थाना पुलिस टीम ने शव को कब्जे में ले अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया। मिली जानकारी में सामने आया कि मृतक रामकिशोर के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने की मिली। मृतक की पत्नी अपनी बेटी की शादी के लिए अपने परिजनों के साथ खरीददारी करने केकडी गई हुई थी। शहर के समाजसेवी संगठन श्रीराम सेवा परिवार ने रामकिशोर की बेटी संगीता के कन्यादान सहित शादी का सम्पूर्ण खर्च वहन करने का बीडा उठाते हुए सोशल मीडिया के जरिए भामाशाहओं को प्रेरित किया।

राजसंमद में 1.5 डिग्री पहुंचा तापमान

राजसमन्द, (निसं)। राजसमंद में पिछले कुछ दिनों से मौसम में कई रंग देखने को मिल रहे है। चटख धुप निकलने के साथ ही कभी तेज हवाएं चल रही है तो कभी पल भर में ही आसमां खण्ड बादलों से भर जाता है तो कभी फिर से धुप के साथ हवा चलने लगती है। कभी आंधी की तरह तेज सर्द हवा चलती तो कभी बर्फीली हवाओं के अहसास से लोगों को सर्दी का अहसास बना हुआ है। वहीं तापमान में भी काफी उतार चढ ाव देखने को मिला है।

दिन के तापमान में लोगों को हल्की राहत है तो वहीं रात का तापमान सर्द बना हुआ है। दिन व रात के तापमान में भी काफी अंतर देखने को मिल रहा है। सोमवार को जहां अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री बढ कर 25 डिग्री रहा वहीं न्यूनतम तापमान भी 5 डिग्री गिरकर फिर से 1.5 डिग्री पहुंच गया। जबकि रविवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री से. दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों तक मौसम में बदलाव के चलते तापमान में उतार चढ ाव की स्थिति बनी रहेगी। मौसम में बार-बार बदलाव के चलते फसलों में पाला पडने से फसलों का नुकसान का अंदेशा बना रहता है। किसानों को जिस रात पाला पडने की संभावना हो उस रात 12 से 2 बजे के बीच खेती के किनारे पर बोई फसल के आसपास मेढों पर कूडा या घास जलाकर धुआं करने की हिदायत दी गई है।

शीतलहर से कांपी लेकसिटी

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में शीत लहर ने एक बार फिर धूजणी छूटा दी है। दो दिन में रात के तापमान में 12 डिग्री से अधिक की गिरावट हुई है। रात का तापमान एक बार फिर पांच डिग्री से नीचे पहुंच गया है। इधर, इस सप्ताह तेज ठंड बनी रहने के साथ तापमान में और गिरावट होगी।

मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान रविवार की तरह समानांतर 19.4 डिग्री की बना रहा वहीं न्यूनतम तापमान में करीब चार डिग्री की गिरावट हुई है। रविवार को न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री तापमान था जो और गिरकर पांच डिग्री से नीचे 4.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

राज्य सरकार 600 उर्दू टीचर लगाएगी

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग ने प्रदेश के करीब 600 स्कूलों में उर्दू टीचर्स के पद आवंटित कर दिए हैं। अब प्रदेश भर के इन स्कूलों में उर्दू टीचर की पोस्टिंग हो सकेगी। पद आवंटित होने से नए पदों पर भर्ती का रास्ता भी खुल सकेगा। सोमवार को जारी आदेश में प्रदेश के हर जिले के स्कूल को उर्दू टीचर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा के तहत उर्दू टीचर के नए पद दिए गए हैं, ताकि उर्दू शिक्षा प्रभावित नहीं हो। इसमें लेवल 10 के 541 पद और लेवल 11 के 58 पदों का आवंटन किया गया है।

प्रदेश में ऐसे अनेक स्कूल है, जहां उर्दू टीचर का पद नहीं होने के कारण पढ़ाई बाधित हो रही थी। कई स्कूलों में टीचर तो लगा दिए गए लेकिन पद उर्दू का नहीं है। ऐसे में अब वहां उर्दू के टीचर को उसी पोस्ट पर पदस्थापित किया जाएगा, ताकि उसका वेतन भी वहीं से बन सके। राज्य के जिन जिलों में लेवल 11 के पद आवंटित किए गए हैं, उनमें अजमेर, अलवर, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़गढ़ , चूरू, हनुमानगढ़ , जयपुर, जैसलमेर, झालावाड़, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, कोटा, नागौर, पाली, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक व उदयपुर शामिल है। लेवल 10 के उर्दू टीचर के पद प्रदेश के लगभग सभी जिलों में दिए गए हैं।

चिड़ावा : सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रीतम डांगी व बाबू राजीव कुलहार ट्रेप

40 हजार रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथ किया गिरफ्तार

झुंझुनूं/ चिड़ावा, (निसं)। कस्बे में जयपुर एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई ने कार्रवाई करते हुए ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के बाबू को 40 हजार रूपए की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया है। एएसपी बजरंग सिंह ने बताया कि 18 जनवरी को एसीबी मुख्यालय में परिवादी चिड़ावा निवासी सोनू मेघवाल तथा किशनगढ़ निवासी रितेश जांगिड़ ने शिकायत दी थी कि दोनों ने अंतरजातीय विवाह किया था। जिसके लिए उन्हें डॉ. सविता बेन अंबेडकर अंतर जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत पांच लाख रूपए की राशि मिलनी थी।

इस राशि को स्वीकृत करने के लिए सामाजिक न्याय अधिकारी प्रीतम डांगी तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग झुंझुनूं में कार्यरत बाबू राजीव कुलहार 50 हजार रूपए की रिश्वत मांग रहे है। शिकायत का सत्यापन करवाया गया तो सौदा 40 हजार रूपए में तय हुआ। सोमवार को 40 हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रीतम डांगी को उनके कार्यालय से तथा बाबू राजीव कुलहार को उसके झुंझुनूं स्थित कार्यालय से गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के बाद एसीबी झुंझुनूं की टीम ने झुंझुनूं शहर के किसान कॉलोनी निवासी राजीव कुलहार के घर पर भी सर्च किया। वहीं ओजटू स्थित प्रीतम डांगी के मकान में भी सर्च की कार्रवाई चल रही है।

एसीबी को मिले व्हाट्स एप चैट:- एएसपी बजरंग सिंह ने बताया कि इस मामले में सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रीतम डांगी और बाबू राजीव कुलहार के बीच व्हाट्स एप चैट भी एसीबी को मिली है। जिसमें ना केवल इस मामले में बल्कि पूर्व के एक-दो मामलों में रिश्वत को लेकर बातचीत सामने आई है।

एएसपी बजरंग सिंह ने बताया कि जब प्रीतम डांगी के चैट को खंगाला गया। तो एक ऐसे ही अंतर जातीय विवाह के मामले में जब प्रीतम डांगी ने राजीव कुलहार को मैसेज किया कि यह मामला उनके गांव का है। तो राजीव कुलहार ने रिश्वत में किसी भी तरह की रियायत देने की बजाय चैट में ही जवाब दिया कि घोड़ा घास से यारी करेगा तो खाएगा क्या।

एएसपी बजरंगसिंह ने बताया कि चर्चा में सामने आया है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में सर्वेसर्वा राजीव कुलहार ही है। हर तरह के मामले में इसका हिस्सा फिक्स होता है। सोमवार को भी राजीव कुलहार छुट्टी पर था। पहले एसीबी ने कार्यालय जाकर राजीव के बारे में पूछा। तो पता चला वह घर पर है। इसके बाद एसीबी झुंझुनूं के एएसपी इस्माइल खान के नेतृत्व में टीम को उसके घर पर लगाया और वहां से हिरासत में लेकर टीम राजीव को लेकर चिड़ावा पहुंची। जहां पर उसकी गिरफ्तारी हुई।

जयपुर एसीबी की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रदेश में सोमवार को करोना संक्रमितों की संख्या में काफी कमी आई

राज्य में सोमवार को 9480 नए संक्रमित मिले, जबकि रविवार को 14112 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर सहित प्रदेश में सोमवार को करोना संक्रमण के मामलों में काफी कमी आई है। इस दौरान राज्य में 9480 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि इसके पीछे करोना की जांचें कम होना बताया जा रहा है। इधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 23 और लोगों की मौत हो गई है।

प्रदेश में सोमवार को 22 हजार 376 जांचों पर 9480 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे रविवार को 60 हजार 726 जांचों पर 14112 रोगी मिले थे। जांच कम होने के कारण राज्य में एक ही दिन में 4632 और जयपुर में 1242 मरीजों कम मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार रविवार को सरकारी अस्पतालों के सुबह 9 से 11 बजे तक ही खुले रहने के कारण मात्र दो घंटे ही सैम्पल लिए जाते हैं। इस कारण रविवार को सैम्पलिंग कम होने से अगले दिन संक्रमितों की संख्या में कमी आ जाती है। बाकी अन्य कार्य दिवस में पूरे समय अस्पतालों के खुलने से दिनभर सैम्पल लिए जाते हैं।

- **संक्रमितों की संख्या में कमी आने के पीछे जांचे कम होना बताया जा रहा है। इस दौरान पिछले चौबीस घंटों केवल 22 हजार जांचे ही की गई।**
- **राजधानी जयपुर में 2424 नए संक्रमित मिले हैं।**
- **इस बीच, प्रदेश में करोना से 23 और लोगों की मौत हो गई है।**

इधर राजधानी जयपुर में भी सोमवार को नए संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। इस दौरान जिले में 2424 नए रोगी पाए गए हैं। इसके अलावा अलवर में 754, जोधपुर में 621, डूंगरपुर में 488, उदयपुर में 457, चित्तौड़गढ़ में 394, अजमेर में 391, हनुमानगढ़ में 359, भीलवाड़ा में 353, सीकर में 311, कोटा में 283, पाली में 251, बांसवाड़ा में 237, झालावाड़ में 206, बीकानेर में 200, प्रतापगढ़ में 183, भरतपुर में 142, झुंझुनूं में 132, बारां व बाड़मेर में 130-130, धौलपुर में 125, राजसमंद में 118, सिरोही में 108, सवाई माधोपुर में 107, नागौर में 103, करौली में 97, गंगानगर में 92, टोंक में 77, दौसा में 64, बूंदी में 43, जालौर में 41, जैसलमेर में 32 और चूरू में 27 नए संक्रमित मिले हैं।

इधर राज्य में सोमवार को करोना से 23 और लोगों की मौत हो गई है। इनमें सबसे ज्यादा 5 जोधपुर में और 4 लोगों की मौत जयपुर में हुई है। इसके अलावा बीकानेर, झालावाड़ और प्रतापगढ़ में 2-2 तथा टोंक, सीकर, पाली, करौली, जालौर, गंगानगर, धौलपुर व अजमेर में 1-1 संक्रमित की मौत हुई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9118 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 9397 और मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक करोना से 10 लाख 36 हजार 762 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। हालाकि अभी 93 हजार 502 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। इनमें सबसे ज्यादा 24736 मरीज जयपुर में मौजूद है। इसके अलावा इसके अलावा अलवर में 7384, जोधपुर में 7215, उदयपुर में 4580, भरतपुर में 4198, कोटा में 3627, अजमेर में 3603, पाली में 3217, चित्तौड़गढ़ में 2746, भीलवाड़ा में 2624, सीकर 2512, बीकानेर में 2260, हनुमानगढ़ में 2236, डूंगरपुर में 2211 और बाड़मेर में 2166 तथा शेष जिलों में इससे कम मरीज हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में एसीबी की अहम भूमिका : सीएम

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को उनके निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एसीबी के कामकाज की समीक्षा की।

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन हमारी सरकार का मूल मंत्र है। भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को देखते हुए एसीबी की महत्वपूर्ण भूमिका है। एसीबी को स्टाफ एवं तकनीकी संसाधनों से सुदृढ़ बनाने के साथ ही पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है, ताकि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेंस की राज्य सरकार की नीति को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने में एसीबी और मजबूती से काम करे।

- **मुख्यमंत्री ने एसीबी अधिकारियों से उनके अनुभव पूछे एवं सुझाव भी सुने**

गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एसीबी के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे। गहलोत ने एसीबी की पिछली समीक्षा बैठक में दिये गए निर्देशों की पालना जल्द से जल्द सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही, उन्होंने भ्रष्ट कार्मिकों एवं संगहित भ्रष्टाचार के खिलाफ भी प्रभावी एक्शन लेने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से बात की, उनके अनुभव पूछे एवं विभाग की बेहतरी के संबंध में सुझाव भी सुने। उन्होंने एसीबी हैल्पलाइन पर मिलने वाली शिकायतों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

एसीबी के महानिदेशक बी.एल. सोनी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2021 में भ्रष्टाचार के 90 प्रतिशत मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है, इससे राज्य सरकार की जीरो टोलरेंस अगेन्स्ट करप्शन नीति को मजबूती मिली है।

बैठक में मुख्य सचिव निरंजन आर्य, अति. मुख्य सचिव गृह अभय कुमार, प्रमुख शासन सचिव वित्त अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव कार्मिक हेमन्त गेरा, एडीजी एसीबी दिनेश एमएन, एसीबी मुख्यालय से डीआईजी सवाई सिंह गोदारा एवं डॉ. विष्णुकांत, अजमेर रेंज के डीआईजी (एसीबी) समीर कुमार सिंह, जोधपुर रेंज के डीआईजी (एसीबी) कैलाश विश्नोई सहित विभिन्न रेंज एवं जिलों में पदस्थापित एसीबी अधिकारी वर्चुअल शामिल हुए।

कर्मचारी चयन बोर्ड ने जारी किया भर्तियों का कैलेंडर

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने सोमवार को इस वर्ष की भर्तियों का कैलेंडर जारी किया है। इस वर्ष अप्रैल से दिसंबर तक 11 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की जाएगी।

कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव पुष्कर राज शर्मा ने बताया कि सहायक जनसंपर्क अधिकारी भर्ती परीक्षा 24 अप्रैल को प्रस्तावित है। इसके अलावा कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा 7, 8 और 9 मई को होगी। ग्राम विकास अधिकारी भर्ती की मुख्य परीक्षा मई में होगी, जबकि बेसिक कंप्यूटर अनुदेशक और वरिष्ठ कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती की परीक्षा मई और जून में करवाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रयोगशाला सहायक भर्ती की परीक्षा 4 जून को, कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा 18-19 जून को, पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा जुलाई में, तहसील राजस्व लेखाकार एवं कनिष्ठ लेखाकार भर्ती परीक्षा सितंबर में होंगी।

12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन आज

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रदेश भर में विभिन्न स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम जयपुर में वर्चुअल आयोजित किया जायेगा। गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे तथा राज्य निर्वाचन आयुक्त प्रेमसिंह मेहरा, मुख्य सचिव निरंजन आर्य विशिष्ट अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कार्यक्रम में राज्यपाल राजभवन से, विशिष्ट अतिथि निर्वाचन विभाग के स्टेट आइकन शताब्दी अवस्थी एवं सुंदर सिंह गुर्जर जुड़ेंगे।

रोड़ा एक्ट संशोधन संबंधी विधेयक पास करवाने के लिये सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा ने राजभवन घेराव का ऐलान कर विरोध प्रदर्शन किया और राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी सौंपा।

उत्तरप्रदेश में एनडीए पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी : माथुर

जयपुर। भाजपा सांसद ओमप्रकाश माथुर के जयपुर दौरे के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी की मुलाकात की। हालांकि इस मुलाकात को औपचारिक मुलाकात माना जा रहा है। वही राजनैतिक गलियारों में इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। मुलाकात के बाद माथुर ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जब भी आता हूं तो पुराने कार्यकर्ताओं से भी मिलने का कार्यक्रम होता है। तिवाड़ी से मेरा औपचारिक मिलन था कोई खास बात नहीं है।

भाजपा के वेटिंग मुख्यमंत्री जैसे सवाल पर बोले माथुर ने कहा कि सारे निर्णय केंद्रीय पार्लियामेंट बोर्ड तय करता है। माथुर ने कहा कि 48 साल से राजस्थान में काम कर रहा हूँ। मेरे दौरे स्वाभाविक होते हैं। माथुर ने कहा कि उत्तरप्रदेश में एनडीए पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। भाजपा सरकार में पिछले 5 साल में जो काम हुआ है। उसका लाभ उत्तरप्रदेश को मिलेगा। आम मतदाता तक प्रधानमंत्री की योजना पहुँची है।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, अशोक गहलोत का साथ छोड़ दे, लेकिन मैंने मना कर दिया : गुढ़ा

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में सियासी उठापटक पुराना हो चुका है और मंत्रिमंडल फेरबदल भी हो चुका है लेकिन गाहे-बगाहे कभी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों से तो कभी अन्य नेताओं के बयानों से सियासी उठापटक की यादें फिर ताजा हो जाती है अब राजस्थान सरकार के मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के ताजा बयान के बाद राज्य की सियासी उठापटक की यादें फिर ताजा हो गई है। राजस्थान के हाल ही मंत्री बने राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने एक बार फिर सियासी उठापटक को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर आरोप लगाए हैं।

- **मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने अपने बयान से सियासी उठापटक की यादें फिर ताजा कीं**

अपने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि जब प्रदेश में सियासी उठापटक चल रही थी, तब केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उनसे कहा था कि वह अशोक गहलोत का साथ छोड़ दे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने उदयपुरवाटी क्षेत्र के गुढ़ा ढहर गांव में पंचायत भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में कहा कि मैं आपको बताना चाह रहा हूं कि काम करने के लिए मैंने मेरे समाज के बड़े-बड़े नेताओं को छोड़ दिया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुझे कहा था, उस समय सरकार की उठापटक चल रही थी। उन्होंने कहा था कि मैं राजपूत समाज का आदमी हूं। मैं दिल्ली में केंद्रीय मंत्री हूं, आप अशोक गहलोत को छोड़ दो।

गुढ़ा ने कहा कि ईमानदारी की बात कर रहा हूं, मैंने कहा मैं जाति नहीं देखता हूं, काम देखता हूं। अशोक गहलोत जैसा कोई नहीं है। नेता की जाति नहीं देखनी चाहिए। नेता का तो कौम और व्यक्तित्व देखना चाहिए। गुढ़ा ने कहा कि राजपूत समाज ने उदयपुरवाटी में हमेशा सैनी समाज का साथ दिया है।

प्रदेश भर के सोनोग्राफी सेंटर्स का नियमित निरीक्षण किया जाएगा

जयपुर, (का.सं.)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने प्रदेश में कन्या भ्रूण हत्या और कन्या भ्रूण लिंग जांच के अवैध परीक्षण को रोकने के लिए प्रदेशभर के सोनोग्राफी सेंटर्स का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निदेशालय स्तर पर अंतरजिला और प्रदेश स्तर पर कमेटी बनाकर सोनोग्राफी सेंटर्स का औचक निरीक्षण किया जाए ताकि भ्रूण हत्या पर अंकुश लग सके।

- **चिकित्सा मंत्री ने ली पीसीपीएनडीटी की बैठक, दिए जरूरी दिशा निर्देश**
- **भ्रूण लिंग जांच को अभियान बनाकर आमजन को जागरूक करने के दिए निर्देश**

मीणा सोमवार को बालिका दिवस पर स्वास्थ्य भवन में आयोजित राज्य पर्यवेक्षण बोर्ड द्वारा आयोजित पीसीपीएनडीटी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिकॉय ऑपरेशन के दौरान दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो ताकि लोगों में डर बना रहे और वे किसी भी भ्रूण लिंग की जांच करने से डरें। उन्होंने कहा कि हालांकि पीसीपीएनडीटी सेल द्वारा प्रदेश में बेहतर कार्य किया जा रहा है। यही वजह है कि प्रदेश का महिला लिंगानुपात जो 2011 में 1000 पुरुषों के मुकाबले 900 था वहीं अब बढ़कर 945 हो गया है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश भर में पंचायती राज संस्थानों तक वितरण के लिए जागरूकता पोस्टर एवं फोल्डर का विमोचन भी किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक सोनोग्राफी मशीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भ्रूण लिंग जांच की सूचना देने वाले मुखबिर को राशि बढ़ाकर 3 लाख रुपए कर दी गई है। आमजन बिना किसी भय और दबाव के सूचना दे सकता है। उन्होंने इस कानून के प्रति लोगों को जागरूक करने और ज्यादा से ज्यादा ऑपरेशन व प्रभावी मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों द्वारा सोनोग्राफी सेंटर्स का निरीक्षण नहीं करने पर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

चिकित्सा सचिव आशुतोष एटी पेडणेकर ने सोनोग्राफी सेंटर्स पर सोनोलॉजिस्ट के नियमित प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए। वर्तमान में प्रदेश की छह मेडिकल कॉलेजों पर ही प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आगामी दिनों में प्रशिक्षण सेंटर भी बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने सोनोग्राफी सेंटर्स पर मिले डाटा का विश्लेषण कर प्रभावी कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए।

अधिक अंक लाने के बावजूद नियुक्ति नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्कूल व्याख्याता भर्ती-2015 में अधिक अंक लाने के बावजूद अभ्यर्थी को नियुक्ति से वंचित करने के मामले में शिक्षा सचिव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा और आरपीएससी सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश नेहा सक्सेना की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने इतिहास विषय के स्कूल व्याख्याता के 1968 पदों के लिए 16 अक्टूबर 2015 को भर्ती निकाली थी। आयोग की ओर से परीक्षा परिणाम जारी कर कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी। इसके बाद आयोग ने परीक्षा का संशोधित परिणाम जारी किया। जिसमें याचिकाकर्ता ने 247.7 अंक हासिल किए। याचिका में कहा गया कि भर्ती में याचिकाकर्ता से कम अंक प्राप्त करने वाले दूसरे अभ्यर्थियों को परीक्षा के पहले परिणाम के बाद नियुक्ति दी गई, लेकिन याचिकाकर्ता के अधिक अंक होने के बावजूद से नियुक्ति से वंचित कर दिया गया।

याचिका में कहा गया कि आयोग की यह कार्य प्रणाली संविधान के तहत प्रदत्त मूल अधिकारों के खिलाफ है। इसके अलावा नियमानुसार आयोग उच्च मेरिट को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। आयोग ने पहले परिणाम में छोड़ी गलतियों के चलते संशोधित परिणाम जारी किया था और उसमें याचिकाकर्ता के अंक बढ़ गए। ऐसे में उसे पूर्व में अन्य अभ्यर्थियों को दी गई नियुक्ति के समान नियुक्ति और अन्य परिलाभ दिए जाए। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

मंत्री पद से हटाए गए तीनों नेताओं को मिली वाई श्रेणी सुरक्षा

जयपुर, (का.प्र.)। प्रदेश की गहलोत सरकार ने कांग्रेस नेताओं की सुरक्षा बढ़ाते हुए तीन नेताओं को वाई श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, गुजरात प्रभारी और पूर्व मंत्री रघु शर्मा, पंजाब प्रभारी और पूर्व मंत्री हरीश चौधरी को वाई श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। यह तीनों नेता हाल ही मंत्री पद से हटाए गए हैं। इनमें से हरीश चौधरी और रघु शर्मा जहां पंजाब और गुजरात के प्रभारी बनाए जा चुके हैं, वहीं गोविंद डोटासरा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। इस बैठक में इन तीन कांग्रेस के नेताओं की सुरक्षा वाई श्रेणी करने का निर्णय किया गया। इसी के साथ अब कांग्रेस के 6 नेताओं को वाई वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिलने लगेगी। इससे पहले भी कांग्रेस सरकार तीन विधायकों को वाई श्रेणी की सुरक्षा दे चुकी है। गृह विभाग के प्रस्ताव के मुताबिक गोविंद सिंह डोटासरा और हरीश चौधरी को सशस्त्र एस्कॉर्ट भी मिलेंगे। वैसे तो नेताओं पर संभावित खतरे और उन्हें किसी तरह की मिल रही धमकियों सहित अन्य कुछ जरूरी बातों को देखते हुए यह सुरक्षा दी जाती है। या फिर गृह विभाग के पास इस तरह के कोई प्रस्ताव आते हैं तो उन्हें सरकार गुण-अवगुण के आधार पर मंजूरी देती है। इन तीनों नेताओं को गृह विभाग के प्रस्ताव के अनुसार दूसरे राज्यों के दौरों के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह निर्णय किया गया है।

- **हरीश चौधरी, रघु शर्मा और डोटासरा को गृह विभाग के प्रस्ताव पर सरकार ने दी सुरक्षा, इससे पहले कृष्णा पूनिया, हुड़ला और अवाना को भी मिल चुकी है यह सुरक्षा**
- **तीनों नेताओं को बाहरी राज्यों में दौरे के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से दी गई है वाई श्रेणी**

इसी बैठक में कांग्रेस के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और भाजपा के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश माथुर की वीआईपी सुरक्षा को यथावत रखा है। इन दोनों वरिष्ठ नेताओं को जेड श्रेणी की सुरक्षा यथावत जारी रहेगी। इनके साथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, गुजरात प्रभारी और पूर्व मंत्री रघु शर्मा, पंजाब प्रभारी और पूर्वमंत्री हरीश चौधरी को वाई श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्णय किया है। डोटासरा, हरीश चौधरी को सशस्त्र एस्कॉर्ट भी मिलेंगे।

वाई कैटेगरी सिक्योरिटी वीआईपी लोगों को दी जाती है। उनकी सुरक्षा के लिए 11 सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाते हैं, जिसमें 1 या कभी-कभी 2 कंमाडो और 2 पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर शामिल होते हैं। नेताओं को किसी चुनावी दौरे के लिए बाहर जाने या किसी भी तरह की खतरे की आशंका को देखते हुए दी जाती है।

प्रदेश में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। जेड सुरक्षा श्रेणी के तहत करीब 22 सुरक्षाकर्मी और दो एस्कॉर्ट गाड़िया मिलती हैं। सुरक्षाकर्मी मशीनगन और अत्याधुनिक संचार के माध्यमों से लैस होते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश माथुर की वीआईपी सुरक्षा दी हुई है। साथ ही महुआ विधायक ओमप्रकाश हुडला, कांग्रेस विधायक कृष्णा पूनिया और नदबई विधायक जोगिंदर सिंह अवाना को वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है।

अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर अवमानना नोटिस

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद कनिष्ठ अभियंता को एईएन पद पर पदोन्नत नहीं करने पर प्रमुख पीएचईडी सचिव सुधांश पंत और चीफ इंजीनियर राकेश बुहाडिया को अवमानना नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश उर्वशी दीक्षित व अन्य की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता आरपी सैनी ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट ने गत वर्ष 26 अगस्त को आदेश दिए थे कि याचिकाकर्ताओं की बीटेक की डिग्री की उनकी सर्विस बुक में एंट्री करते हुए उन्हें एईएन पद पर पदोन्नति दी जाए।

बालिकाएं अवनि जैसे देश और विश्व में अपना नाम रोशन करें : भूपेश

जयपुर, (का.सं.)। महिला अधिकारिता निदेशालय की ओर से सोमवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जेएलएन मार्ग पर स्थित इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान परिसर में करोना प्रोटोकोल की पालना करते हुए राज्य स्तरीय वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- **राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम**

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश कहा कि हम चाहते है कि आने वाले समय में बालिकाएं ऊँचे पदों को सुशोभित करें एवं देश व विश्वभर में अवनि के जैसे अपना नाम रोशन करें और राजस्थान की बेटियां एक मिसाल कायम करें। उन्होंने कहा कि राज्य में लिंगानुपात पिछले वर्षों में लगातार सुधार हुआ है वहीं बाल विवाह में भी कमी आई है। प्रदेश की बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर नित नएं कीर्तीमान रच रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उड़ान योजना शुरू की है जो राजस्थान का नवाचार है। राज्य में करवाये गए सर्वे से पता चला कि बड़ी संख्या में महिलाएं माहवारी की स्वच्छता नहीं रखने की वजह से बीमार हो रही है और गंभीर रोगों से ग्रसित हो रही है। उन्होंने लोगों से आहवान किया कि उड़ान योजना से सब जुड़ें और एक स्वस्थ नारी का एक सशक्त बालिका का संकल्प लें। अगर हमारी बालिकाएं स्वस्थ और सशक्त होगी तो आने वाला राजस्थान का कल भी सशक्त होगा। महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन को ध्यान में रखते हुए आई एम शक्ति उड़ान योजना सरकार लेकर आयी है जिसके अन्तर्गत नि:शुल्क सेनेटरी नेपकिन वितरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि घूंघट प्रथा का त्याग कर महिलाओं को आगे आना होगा।

प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा महिला एवं बाल विकास द्वारा संबोधन कहा कि बालिकाओं के विकास और सशक्तिकरण से प्रदेश का विकास होगा। राज्य सरकार इस हेतु प्रतिबद्ध है।

बायोमास आधारित विद्युत परियोजनाओं का हो रहा है विकास: मुख्य सचिव

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने कहा कि गैर पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों से बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने बायोमास नीति-2010 जारी की थी। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम के तहत बायोमास आधारित विद्युत परियोजनाओं का विकास किया जा रहा है साथ ही उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है। आर्य सोमवार को यहां शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (एसएसएलईसी) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम का गठन सैद्धांतिक रुप से स्वीकृत बायोमास आधारित विद्युत परियोजना के लिए किया गया है।

आरआरईसी के निदेशक एन.एस. निर्वाण ने बताया कि राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति द्वारा बायोमास नीति के तहत प्रस्तावित तीनों प्रोजेक्टस मैसर्स वीसीए पावर प्राईवेट लिमिटेड (14.90 मेगावॉट) ग्राम धोद, सीकर, मैसर्स टीएनए रिन्युएबल इनर्जी प्राईवेट लिमिटेड (14.90 मेगावॉट) ग्राम डूगराना तहसील भादरा, हनुमानगढ़ एवं मैसर्स नैनो इनर्जी प्राईवेट लिमिटेड (8 मेगावॉट) ग्राम शैतानसिंह तहसिल लोहावट, जोधपुर को अनुमोदित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि फर्मों को प्रोजेक्ट स्थापित करने के लिये 36 माह का समय दिया गया है। निर्वाण ने बताया कि उक्त फर्मों ने भूमि कर, पावर इवेक्यूएशन अप्रूवल एवं पानी की एनओसी प्राप्त कर ली है। उन्होंने बताया कि इन प्रोजेक्ट से बनने वाली बिजली राजस्थान ऊर्जा विकास निगम द्वारा क्रय की जायेगी। इसके लिए राजस्थान ऊर्जा विकास निगम फर्मो के साथ पावर परचेज एग्रीमेन्ट करेगा। उन्होंने बताया कि बायोमास आधारित विद्युत परियोजना में सरसों की भूसी, कचरा एवं कृषि अवशेषों को काम में लिया जाता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों एवं बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होते है। वर्चुअल बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल, राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव आनन्द कुमार, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक भास्कर आत्माराम सावंत, जल संसाधन विभाग के शासन सचिव डॉ. पृथ्वी राज, जिला कलेक्टर जोधपुर हिमांशु गुप्ता, जिला कलेक्टर सीकर अविचल चतुर्वेदी एवं जिला कलेक्टर हनुमानगढ नथमल डिडेल सहित वरिष्ठ अधिकारी भी उपथित थे।

एनटीटी कोर्स की योग्यता का ब्यौरा दे राज्य सरकार : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्री-प्राइमरी टीचर भर्ती-2018 में एनटीटी कोर्स वालों की योग्यता से जुड़े मामले में एएजी शीतल मिर्धा से यह बताने के लिए कहा है कि राज्य सरकार ने किस आधार पर एनटीटी कोर्स की योग्यता तय की थी। अदालत ने इस संबंध में राज्य सरकार को इससे जुड़े दस्तावेज पेश करने के लिए कहा है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल ने यह आदेश चेतन व अन्य की याचिकाओं पर दिया। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश के पालन में राज्य सरकार ने शपथ पत्र पेश कर कहा कि 2010 तक प्रदेश में 27 संस्थानों को एनटीटी कोर्स चलाने के लिए मंजूरी दे रखी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने एनसीटीई को 30 मार्च 2010 को सूचित कर दिया था कि राज्य सरकार ने 2010-2011 से एनटीटी कोर्स को चलाने का निर्णय नहीं लिया है और जिन संस्थानों को कोर्स चलाने की मंजूरी दे रखी थी उसे वापस ले लिया है। इसके साथ ही कहा गया राज्य सरकार ने बाद में प्री-प्राइमरी टीचर भर्ती के लिए एनटीटी योग्यता रखने के लिए नीतिगत निर्णय लिया था। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई पर कोर्ट के सामने आया कि एनसीटीई के अनुसार एनटीटी कोर्स प्रदेश में 2002 के बाद से बंद था, लेकिन एएजी ने कहा कि राजस्थान में एनटीटी कोर्स 2010 तक संचालित हुआ था। जिस पर अदालत ने उन्हें इस अवधि में एनटीटी कोर्स चलाने वाले संस्थानों की जानकारी देने के लिए कहा था।

सार-समाचार

सीवरेज की रफ्तार बढ़ाते हुए निर्धारित समयावधि में लक्ष्य प्राप्त करें : मेहता

पाली, (निसं)। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने कहा कि शहर में घरेलू सीवरेज की रफ्तार बढ़ाते हुए निर्धारित समयावधि में लक्ष्य प्राप्त किया जाए। जिला कलेक्टर ने सोमवार को एनजीटी के निर्देशों की पालना में साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीवरेज के बकाया घरेलू कनेक्शन की शतप्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के उपखंड अधिकारी, रूडिप, नगर परिषद के अधिकारियों की समिति संबंधित एजेन्सी से बात कर प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए पर्याप्त श्रमिको की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि 48 हजार कनेक्शन के विरूद्ध अब तक लगभग 25 हजार कनेक्शन हुए है शेष कनेक्शन करने के लिए समिति निर्णय करे। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के अधिकारी मयटीम के औद्योगिक क्षेत्रों का सघन निरीक्षण कर नियमों की पालना नहीं करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि नदी में प्रदूषित पानी नहीं जाए इसके लिए प्राथमिक ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण करें। उन्होंने कृषि, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व परिवहन विभाग को क्रमशः कैम्प लगाने एवं अवैध रूप से पानी परिवहन करने वालों की विरूद्ध कार्यवाही अमल में लाई जाए। उन्होंने सीईटीपी के अध्यक्ष अनिल गुलेच्छा से ट्रीटमेंट प्लांट के अपग्रेडेशन एवं जेडएलडी कार्य की प्रोग्रेस के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि स्काडा व फ्लोमीटर की ऑनलाईन व्यवस्था सुचारू रखें। उन्होंने पोर्टल पर प्रदूषण से संबंधित शिकायते प्राप्त होने पर उनके शीघ्र निरीकरण की बात कहीं। बैठक में नगर परिषद के अधिशाषी अभियंता ने बताया कि पिछले सप्ताह घरेलू सीवरेज के 540 कनेक्शन की गति बढ़ाने के लिए नोटिस जारी किया गया। जिला परिवहन अधिकारी शेराराम ने कहा कि पिछले सप्ताह 7 टैंकरो का निरीक्षण किया गया अब तक 194 वाहनों की जांच कर अनट्रीट पानी के 7 टैंकरो के मालिको के विरूद्ध कार्यवाही की गई। बैठक में उपखंड अधिकारी ललित कुमार गोयल, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक एसआर अली, तहसीलदार सुरेन्द्र कुमार, प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रिय अधिकारी राहुल शर्मा, डा विकास मारवाल, नगर परिषद आयुक्त बृजेश रॉय सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

26 अधिवक्ताओं को वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में मान्यता दी

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सोमवार को 26 अधिवक्ताओं को वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। इनमें 15 जयपुर व 11 जोधपुर के अधिवक्ता शामिल है। वरिष्ठ अधिवक्ता का सम्मान हाईकोर्ट की फुल बैंच की तरफ से किया जाता है। राजस्थान हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की तरफ से जारी सूची के अनुसार हाईकोर्ट की जोधपुर स्थित मुख्य पीठ के संजीव जौहरी, मनोज भंडारी, धीरेन्द्र सिंह चांपावत, मनीष सिसोदिया, कुलदीप माथुर, डॉ. अशोक सोनी, सचिन आचार्य, राजेश पंवार, वीनित जैन, डॉ. विकास बालिया व संदीप शाह का नाम शामिल है। वहीं जयपुर बैंच के अरविंद कुमार गुप्ता, अजीत कुमार भंडारी, अनंत कासलीवाल, सत्येन्द्र कुमार गुप्ता, महेन्द्र कुमार शाह, अजय कुमार वाजपेयी, भरत व्यास, सैयद शाहीद हसन, रघुवेन्द्र बिहारी माथुर, माधव मित्र शर्मा, अनिल मेहता, गायत्री राठौड़, विवेक राजसिंह बाजवा, राजीव सुराणा व संजय झंवर शामिल है।

ट्रक चालक के खाते से 1.20 लाख पार

जोधपुर, (कासं)। शहर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र शिकारगढ में रहने वाले ट्रक चालक ने अपनी बेटी की पढाई के लिए अपनी पत्नी के साथ संयुक्त खाते में बैंक में कुछ बचत की। लेकिन उसके अरमानों पर पानी तब फिर गया जब उसके खाते से किसी ने पैसे पार कर लिए। अपने साथ हुई इस ठगी की कम्पलेन लिखवाने के लिए ट्रक चालक पिता अपनी बेटी के साथ बैंक व थाने के चक्कर काटता रहा। बमुश्किल उसका मामला थाने में दर्ज हो सका। किसी शातिर ने खाते से 1 लाख बीस हजार रूपए उड़ा लिए एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि मामला शिकारगढ के कन्हैया नगर निवासी ओमाराम ने करवाया। रिपोर्ट में बताया कि उसका एसबीआई में पत्नी कलावती के साथ संयुक्त सेविंग एकाउंट है। जिसमें उसने कुछ राशि जमा कर रखी है। उसके खाते से पत्नी कलावती के नाम का नकली चैक साइन कर 1 लाख 20 हजार रुपए निकाल लिए गए। उसने बताया कि यह घटना 12 नवंबर को हुई और 26 नवंबर को पता चली। उसे यह जानकारी मिलते ही उसने बैंक में जानकारी दी। ओमाराम ट्रक चालक है और वह अपनी बेटी कंचन की पढ़ाई के लिए राशि खाते में जमा करवाई थी।

गलत गोली खा लेने पर महिला की मौत

जोधपुर,(कासं)। निकटवर्ती बोरानाडा स्थित कटारडा गांव में एक महिला ने भूल से गलत गोली का सेवन कर लिया। परिजन उसे अस्पताल लेकर गए। मगर उसकी बाद में मौत हो गई। ससुराल व पीहर पक्ष ने किसी प्रकार की शकसुबह जाहिर नहीं की। कार्रवाई कर शव परिजन को सौंप दिया गया। जांच एसडीएम की तरफ से की जा रही है। उसक की शादी को दो तीन साल ही हुए थे। बोरानाडा थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि डोली झंवर की रहने वाली इंद्रा पुत्री वागाराम पटेल की शादी दो तीन साल पहले कटारड़ा गांव में हुई थी। उसने अपने ससुराल में भूल से गलत गोली का सेवन कर लिया था। तब तबीयत बिगड़ने पर उसे घरवालों ने निजी अस्पताल में भर्ती करवाया था। मगर वह बाद में चल बसी। पुलिस को सूचना मिलने पर वहां पहुंची। शव को बाद में कार्रवाई कर सौंप दिया गया। उसके पीहर एवं ससुराल पक्ष ने कोई शकसुबह जाहिर नहीं किया। शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद सौंपा गया। पिता वागाराम पटेल की तरफ से इसमें मर्ग की रिपोर्ट दी गई है।

किराणा दुकान व मकान से चोरी

जोधपुर,(कासं)। शहर के चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड स्थित सेक्टर 17 ई में एक किराणा दुकान में चोरों ने सेंध लगाकर वहां से हजारों रूपयों की नगदी और आइडी प्रूफ आदि चोरी कर ले गए। दूसरी तरफ राजीव गांधी नगर हलके में भी एक मकान में चोरों ने सेंध लगाकर वहां आभूषण और नगदी चुराई। चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि मालियों की गली भट्टी की बावड़ी क्षेत्र निवासी सुनील पुत्र रामगोपाल सांखला की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी महावीर किराणा नाम से एक दुकान सेक्टर 17 ई में आई है। रात को अज्ञात चोर दुकान के ताले तोडक़र कर हजारों रूपए की नगदी के साथ गल्ले से उसके आईडी प्रूफ आदि सामान चोरी कर गए। घटना में अब एएसआई मोहनलाल की तरफ से जांच की जा रही है। दूसरी तरफ राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि सुंदर बालाजी कॉलोनी गली नंबर 8 में रहने वाले अफजल खां पुत्र शफी खां का घर सूना पड़ा था। अज्ञात चोर घर के ताले तोडक़र वहां कुछ आभूषण और नगदी चुरा ले गए। जांच एसआई मनोज कुमार की तरफ से की जा रही है।

मोबाइल लूटने का आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर,(कासं)। बासनी औद्योगिक क्षेत्र श्रमिक कॉलोनी के रहने वाले एक फैक्ट्री श्रमिक से मोबाइल लूट की घटना हुई। गली नंबर 9 में उससे मोबाइल लूटा गया। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए अब आरोपी को गिरफ्तार कर मोबाइल को जब्त किया है। उससे अन्य घटनाओं के बारे में पड़ताल की जा रही है। बासनी पुलिस ने बताया कि मूलतः बिहार के बक्सर हाल श्रमिक कॉलोनी बासनी निवासी अशोक कुमार पुत्र लालू प्रसाद यादव की तरफ से रिपोर्ट दी गई थी। इसमें बताया कि वह बासनी गली नंबर 9 से निकल रहा था। तब अज्ञात शख्स उसके हाथ से मोबाइल छीन कर ले गया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो घटना में मोबाइल लुटेरे वाले की पहचान केके कॉलोनी, गुरूकृपा स्कूल के नजदीक रहने वाले संजय चलान उर्फ अजय को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से मोबाइल जब्त कर लिया गया है।

कलेक्टर ने विकास कार्यों का निरीक्षण कर समय पर पूरा करने के निर्देश दिए

जोधपुर, (कासं)। जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने सोमवार को जोधपुर के विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए तथा प्राासनिक स्तर हर संभव सहायता व सहयोग का आश्वासन दिया।

- पॉलिटेक्निक कॉलेज में बन रहे इनक्यूबेशन सेंटर का अवलोकन किया
- कलेक्टर ने आरटीओ आरओबी का अवलोकन करते हुए प्रोजेक्ट के बारे में एक-एक बिन्दू पर चर्चा की

जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में ईवीएम स्ट्रांग रूम के पास बन रहे इनक्यूबेशन सेंटर का अवलोकन किया। इनक्यूबेशन सेंटर की साइट पर उपस्थित जेडीए के अधीक्षण अभियंता महेंद्र सिंह पवार ने जिला कलेक्टर को बताया कि इस सेंटर के द्वारा आई स्टार्ट चयनित स्टार्टअप को बैठकर कार्य करने की विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। जिला कलेक्टर ने इनक्यूबेशन सेंटर के भवन डिजाइन व नक्शे का अवलोकन कर अधीक्षण अभियंता से कार्य की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। जेडीए आयुक्त डॉ. इंद्रजीत यादव ने जिला कलेक्टर को बताया कि इनक्यूबेशन सेंटर का निर्माण कार्य 3 चरणों में किया जा रहा है जो जून 2023 तक पूरा हो जाएगा।

जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच करवाने के लिए जेडीए द्वारा करवाए जा रहे कार्यों की प्रगति का मौके पर जाकर अवलोकन किया।

जिला कलेक्टर ने बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच करवाने के लिए जेडीए द्वारा करवाए जा रहे कार्यों की प्रगति का मौके पर जाकर अवलोकन किया। उन्होंने जेडीए के एक्सईएन राजीव कश्यप से स्टेडियम के कार्य की प्रगति पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्हें निर्देशित किया कि इस स्टेडियम के कार्य में अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए इसे निर्धारित समय पर पूर्ण करें। जिला कलेक्टर ने आरटीओ आरओबी का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से चल रहे प्रोजेक्ट के बारे में एक-एक बिन्दू पर गहराई से चर्चा की। साथ ही उन्होंने मौके पर ले आऊट प्लान का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर जेडीए आयुक्त डा. इन्द्रजीत यादव, एडीएम द्वितीय राजेन्द्र डांगा एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

'बेटियों की उन्नित से ही, राष्ट्र की उन्नित संभव'

जोधपुर,(कासं)। जोधपुर सांसद केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के पर सभी बेटियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपनी दोनों बेटियों की फ़ोटो भी शेयर की और कहा कि बेटियों की उन्नित से ही राष्ट्र की उन्नित संभव है। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर अपनी दोनों बेटियों सुश्री सुहासिनी शेखावत व सुश्री सुरंगमा शेखावत की सोशल मीडिया पर शेयर करके बधाई दी है। शेखावत ने सोशल प्लेटफॉर्म पर दोनो बेटियों के साथ फोटो शेयर की। शेखावत अपनी बड़ी बेटी सुहासिनी और छोटी बेटी सुरंगमा से बेहद स्नहे रखते हैं और बेटियों को ही सबसे बड़ा धन मानते हैं। उनके एक बेटा अर्जुन शेखावत हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दोनों बेटियों के साथ शेयर की गई फोटो काफी वायरल हो रही है। इसके जरिए उन्होंने आमजन को संदेश दिया कि बेटियां ही सबसे बड़ा धन हैं। मंत्री शेखावत ने कहा कि बेटियों की उन्नित से ही राष्ट्र की उन्नित संभव है। शिक्षित एवं आत्मनिर्भर बेटियां ही सशक्त भारत एवं सृष्टि के विकास का आधार है।

जिला कलेक्टर ने पेयजल व विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से कराने के निर्देश दिए

जैसलमेर,(निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. प्रतिभा सिंह ने आमजन की सेवाओं से जुडे विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संवेदनशीलता के साथ कार्य कर पात्र लोगों को लाभान्वित करे। सीमा में अर्जित करावें एवं योजनाओं से लोगों को लाभ पहुंचावे।

जिला कलेक्टर डॉ. सिंह ने सोमवार को जिला कलेक्ट्री सभाकक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी टी. शुभमंगला, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिसिंह मीना, उपखण्ड अधिकारी दौलतराम चौधरी, उपायुक्त उपनिवेशन जब्बरसिंह चारण, सहायक निदेशक लोक सेवाएं सांवरमल रेगर के साथ ही अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला कलेक्टर डॉ. प्रतिभा सिंह नेजिला कलेक्ट्री सभाकक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने बैठक के दौरान जिले की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के बारें में विस्तार से जानकारी ली एवं अधीक्षण अभियंता जलदाय को निर्देश दिए कि वे पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखकर शहरी एवं ठाामीण क्षेत्रों में लोगों को पीने का पानी समय पर उपलब्ध करावे। उन्होंने खराब नलकूपों एवं हैण्डपम्पों को त्वरित गति से दुरूस्त कराने, नए नलकूपों को 15 दिन में विद्युतीकरण कराने, पेयजल के नमूनों की जांच प्रभावी ढंग से लेने, अवैध कनेक्शनों को गम्भीरता से हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कन्टीजेंसी प्लान की भी चर्चा की तो अधीक्षण अभियंता जलदाय दिनेश नागौरी ने बताया कि प्लान भेज दिया गया है। उन्होंने जिले की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की जानकारी दी।

जिला कलक्टर ने बैठक के दौरान जिले की विद्युत प्रबन्धन की भी विस्तार से चर्चा की एवं अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि वे प्राथमिकता के अनुसार बकाया कृषि विद्युत कनेक्शन जारी करने की कार्यवाही करे। उन्होंने जलदाय विभाग के नलकूपों को शीघ्र ही विद्युतीकरण कराने, सौभाग्य योजना में चिन्हित ढ्राणियों को विद्युत कनेक्शन से जुड़वाने की कार्यवाही करवाने के साथ ही ऑफ ठाीड में जिन ढ्राणियों को सोलर कनेक्शन से जोड़ा जाना है, उनके भी कार्य शीघ्र चालू कराने के निर्देश दिए।

महिलाओं और बुजुर्गों पर होने वाले अपराधों पर होगी त्वरित कार्रवाई : गोगोई

- नवनियुक्त पुलिस आयुक्त नवज्योति गोगोई ने संभाला कार्यभार

जोधपुर, (कासं)। महानगर के नवनियुक्त पुलिस आयुक्त नवज्योति गोगोई ने कहा कि बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के प्रति होने वाले अपराधों पर त्वरित कार्रवाई के साथ अनुसंधान किया जाएगा। उन्होने कहा पीड़ित को हरसंभव न्याय मिले,ऐसी पुलिसिंग रहेगी। संगठित अपराधों पर रोकथाम का प्रयास रखने के साथ कोविड-19 गाइडेंस की प्राथमिकता रहेगी। गोगोई सोमवार को जोधपुर में पुलिस आयुक्त कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से मुखातिब हुए।

पुलिस आयुक्त गोगोई ने कहा कि लॉ एंड आर्डर और अपराधियों पर नकेल कसने में पुलिस हमेंशा सक्रिय रही है, जोकि प्राथमिकता है। इसके अलावा बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के प्रति होने वाले अपराधों का लेकर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। उनके मामलों ने शीघ्र अनुसंधान किया जाएगा। इसके अलावा शहर की यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखा जाएगा। साथ ही कोविड 19 की पालना के लिए पुलिसिंग जारी रहेगी। इसमें लापरवाही बरतने वालों पर सख्ती से भी निपटा जाएगा। पुलिस आयुक्त नवज्योति गोगोई आज सुबह आयुक्तालय पहुंचे तब उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पुलिस के अन्य उच्चाधिकारियों ने उनकी अगवानी की। बाद में कार्यभार संभाला और मीडिया से बातचीत की। बता दें कि गोगोई इससे पहले जोधपुर रेंज आईजी रहे थे। हाल में हुए तबादले पर उन्हें पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट का पदभार दिया गया।

क्रेन की चपेट में आने से कृषक की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती रणसी गांव में खेजड़ला जाने वाली मुख्य सडक़ पर केमिकल फैक्ट्री के किनारे खड़े एक कृषक रणसी के रामसुख माली को हाइड्रो क्रेन ने टक्कर मार दी। जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना को लेकर मौके पर ठाामीणों की भीड़ हो गई तथा विभिन्न मांगों को लेकर रास्ता जाम कर दिया। सूचना पर बिलाड़ा तहसीलदार, बोरुंदा व पीपाड़ पुलिस मौके पहुंची। पुलिस की समझाइश पर मौके से शव को हटाया तथा एवं जाम रास्ते को खोलते हुए यातायात को सुचारु किया।

पोस्टर, स्लोगन व निबन्ध लेखन प्रतियोगिता की विजेता सम्मानित

पाली, (निसं)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में सोमवार को राष्ट्रीय बालिका सप्ताह के तहत विभिन्न स्कूलों में आयोजित पोस्टर/स्लोगन/निबन्ध लेखन प्रतियोगिता की विजेता बालिकाओं को जिला कलेक्टर नमित मेहता एवं महिला अधिकारिता के सहायक निदेशक भागीरथ ने जिला कलेक्टर कक्ष में सम्मानित किया।

बालिका सप्ताह के तहत विभिन्न स्कूलों में आयोजित विजेता बालिकाओं को जिला कलेक्टर नमित मेहता ने सम्मानित किया।

- निबंध प्रतियोगिता में हर्षिता दवे प्रथम, दिशा राठौड़ द्वितीय व सुमित्रा बोराना तृतीय रही

महिला अधिकारिता के सहायक निदेशक भागीरथ ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिलेभर में राष्ट्रीय बालिका सप्ताह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भागीरथ ने बताया कि सप्ताह के तहत 19 जनवरी को महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय खैरवा में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में हर्षिता दवे प्रथम, दिशा राठौड द्वितीय व सुमित्रा बोराना तृतीय स्थान पर रही। स्लोगन प्रतियोगिता में ललिता व भावना एवं विधि राजपुरोहित द्वितीय स्थान पर रही। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रियांशी यादव प्रथम, सुमित्रा गहलोत द्वितीय व प्रिनल राजपुरोहित तीसरे स्थान पर रही। 20 जनवरी को महात्मा गांधी राजकीय बालिका विद्यालय रोहट में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में विधि व्यास, रूपाली शर्मा व मनीषा क्रमशः पहले तीन स्थानों पर रहीं। स्लोगन प्रतियोगिता में सीमा, नीतू देवासी व मनीषा पहले तीन स्थानों पर रही। पोस्टर प्रतियोगिता में दमयंती, मोनिका व निशान एंड ग्रुप पहले तीन स्थानों पर रही। 21 जनवरी को सुआदेवी राजकीय माध्यमिक विद्यालय सोजतरोड में आयोजित प्रतियोगिता में निबंध लेखन में ईशा सागर प्रथम, महिमा गोराणा दूसरे व दीपिका प्रजापत तीसरे स्थान पर रही। स्लोगन प्रतियोगिता में लता गोयल, रिंकू देवासी व भाविका पहले तीन स्थानों पर रही। पोस्टर प्रतियोगिता में कुसुम व पूनम पहले व दूसरे स्थानों पर विजेता रही। इस अवसर पर महिला अधिकारिता विभाग के मेघराज परिहार, साहित्यकार प्रमोद श्रीमाली, इंदिरा महिला शक्ति केंद्र प्रबंधक भावना सुमन, विधिक सेवा प्राधिकरण के पेरा वोलियन्टर मांगीलाल तंवर, वरिष्ठ सहायक अशोक चौधरी, आईटी वर्कर गजेन्द्र सिंह राजपुरोहित, परामर्शदाता सीमा भण्डारी व एकता वर्मा, सहित कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

छात्रावास में असुविधाओं पर छात्राओं ने सीईओ को अवगत कराया

जालोर, (कासं)। राजकीय महिला महाविद्यालय जालोर के पास स्थित बालिका छात्रावास में असुविधाओं पर आक्रोशित बालिकाएं सोमवार को कलैक्ट्रेट पहुंची तथा सीईओ संजय वासु को समस्या से अवगत करवाया। जालोर के छात्रावासो में विद्यार्थियों को पूर्ण सुविधाएं नही मिलने व समाज कल्याण अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से छात्रावासो का निरीक्षण नही करने से परेशान विद्यार्थी कलैक्ट्रेट पहुंच रहे है। अभी हाल में देवनारायण छात्रावास चाण्डपुरा के विद्यार्थी कलैक्ट्रेट पहुंचे। जिसके बाद जिला कलैक्टर ने गंभीरता से लेते हुए प्रधानाचार्य व वार्डन को एपीओ कर दिया। वही सोमवार को जालोर जिला मुख्यालय स्थित बालिका छात्रावास की छात्राएं अव्यवस्थाओं की शिकायत लेकर कलैक्ट्रेट पहुंची। जिला कलैक्टर की अनुपस्थिति में सीईओ संजय वासु को शिकायत दी। सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को बुलाकर छात्राओं की समस्या समाधान करने के तुंरत निर्देश दिये। छात्राओं ने बताया कि हास्टल में सुविधा नही मिलने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही उनकी सुनने वाला कोई नही है।

नकली सोना देकर पांच लाख की ठगी

जोधपुर,(कासं)। शहर के मोगड़ा घुमटी के पास में किराणा की दुकान चलाने वाले व्यापारी से दो व्यक्ति नकली सोने का असली बताकर पांच लाख रूपयों की ठगी कर गए। पहले जांच के लिए असली सोने की कुडी दी गई। सही मिलने पर प्रलोभन में आए व्यापारी ने पांच लाख दे दिए। बाद में चैक किया तो सोना नकली निकला। इसमें किसी बाड़मेर के व्यक्ति का हाथ होना बताया गया है। फिलहाल पुलिस अब संदिज्धों की तलाश में पहचान के प्रयास कर रही है। कुडीथाना पुलिस ने बताया कि मूलतः जैसलमेर के नाचना हाल मोगड़ा घुमटी के पास में किराणा की दुकान लगाने वाले घेवरचंद पुत्र नंदलाल खत्री ने उस संबंध में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह शनिवार को अपनी दुकान पर था। तब दो व्यक्ति आए। इसमें एक ने अपना नाम दूदाराम मेघवाल बाड़मेर निवासी बताया। इन्होंने अपने पास किसी स्थान पर सोना मिलना बताया और कहा कि वे इसे बेचना चाहते है। सोना तकरीबन एक किलो होना बताया। सोने की अनुमानित कीमत बाजार में अभी 50 लाख है। वे उसे 5 लाख में दे देंगे। झांसे में घेवरचंद ने सोना खरीद की इच्छा जता दी। तब कमरबंद से एक कड़ी निकाल कर व्यापारी को दी गई और उसे जांच के लिए भेजने को कहा गया। तब घेवरचंद उस कड़ी को लेकर सुनार के पास गया। सुधार न बताया कि यह सोना है और इसमें 75 फीसदी सोना है।

सड़क हादसे में बुजुर्ग व युवक की मौत

जोधपुर,(कासं)। शहर के बासनी और बोरानाडा इलाके में हुए सडक़ हादसों में बुजुर्ग सहित एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने कार्रवाई के उपरांत शव उनके परिजन को सौंपे। बासनी पुलिस थाने के हैडकांस्टेबल रोहिताश ने बताया कि चौपासनी स्थित शंकरनगर निवासी 78 साल का वासुदेव सिंह अपनी मोपेड लेकर बासनी हड्डी मिल एरिया एफसीआई गोदाम के सामने से निकल रहा था। तब किसी अज्ञात वाहन चालक ने चपेट ले लिया। हादसे में घायल वासुदेव सिंधी को उपचार के लिए एमडीएमएच भर्ती करवाया गया। मगर उनकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र कन्हैयालाल सिंधी की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया। वासुदेव सिंधी अपने किसी काम से वहां से निकल रहे थे। दूसरी तरफ बोरानाडा थाने के हैडकांस्टेबल जयसिंह ने बताया कि खेमे का कुआं पाल रोड निवासी डूंगरराम पुत्र भाकरराम ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई 33 साल का नेमीचंद अपनी बाइक से चौकी तिराहा के पास से जा रहा था। तब किसी वाहन चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। तब उसे उपचार के लिए एमडीएमएच भर्ती कराया गया। मगर उसकी बाद में मौत हो गई।

जेडीए ने अवैध अतिक्रमण हटाया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा नियमित रूप से अवैध, अनाधिकृत निर्माणों, अवैध कॉलोनियों, पार्किंग के इतर निर्मित बहुमंजिला इमारतों, सडक मार्गाधिकार के अतिक्रमणों तथा विभिन्न अन्य अतिक्रमणों पर सख्त कार्यवाही की जा रही हैं। सोमवार को प्राधिकरण दस्ते द्वारा ग्राम बासनी मालियान स्थित प्राधिकरण की महात्मा गांधी आवासीय योजना में अवैध खनन बंद करवाते हुए ग्राम आंगणवा में प्राधिकरण की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया। उपायुक्त उत्तर चंचल वर्मा के निर्देशानुसार दस्ते द्वारा ग्राम आंगणवा के खसरा संख्या 98 का मौका निरीक्षण दौरान डीडब्ल्यूपीएस स्कूल के सामने प्राधिकरण की भूमि पर लगभग 2 बीघा भूमि पर भिन्न-भिन्न स्थानों पर छीणें व पत्थरों की पट्टिया लगाकर तथा कच्चे ढालियें बनाकर अतिक्रमण किया हुआ पाया गया।

किशोरी से छेड़छाड़ का प्रकरण दर्ज

जोधपुर,(कासं)। शहर के डांगियावास हलके में स्कूल जाते एक किशोरी को परेशान करने का मामला पुलिस ने दर्ज किया है। आरोपी और उसके साथी स्कूल आते जाते किशोरी को छेड़छाड़ के साथ मोबाइल नंबर लिखी पर्ची भी फेंकी। बच्ची ने यह बात घर आकर बताई। अब डांगियावास थाने में नामजद के खिलाफ रिपोर्ट दी गई। डांगियावास पुलिस ने बताया कि एक गांव की रहने वाली किशोरी को स्कूल आते जाते संदीप और उसके कुछ साथी तंग और परेशान करने के साथ छेड़छाड़ करते है। संदीप ने उसे मोबाइल नंबर लिखी पर्ची भी फेंकी। किशोरी ने इसकी शिकायत अपने घर पर की। परिजन थाने पहुंचे और नामजदध के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। जांच थानाधिकारी कन्हैयालाल की तरफ से की जा रही है। पुलिस ने पॉक्सो एवं लज्जा भंग में केस बनाया है।

ज्वैलर से 7 लाख की नगदी व सोना लूट के आरोपी पकड़े

- शुक्रवार देर शाम बाइक सवार तीन लोगों ने वारदात को दिया था अंजाम

जोधपुर,(कासं)। शहर के निकटवर्ती नांदड़ी के रहने वाले स्वर्णकार से जयपुर हाइवे देवलिया रोड पर शुक्रवार की देर शाम बाइक सवार तीन युवक सात लाख रूपए और दस तोला सोने से भरा बैग लूटने के प्रकरण का सोमवार को खुलासा करते हुए एक शातिर लुटेरे का पकड़ा है। जबकि इस वारदात में लुटेरों का सहयोग करने वाली तीन और लोग हत्थे चढ़े है। पुलिस ने अभी चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बाइक पर सवार दो लुटेरों की पहचान करने के साथ उनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। पुलिस ने लूटे गए सात लाख में से साढ़े तीन लाख रूपए अभी बरामद किए है। इस कांड में पांच छह लोग शामिल है। तीन लुटेरों के अलावा तीन चार अन्य रैकी और रास्ता बताने वाले है।

वहीं माता का थान क्षेत्र में शनिवार की सुबह ज्वैलर की दुकान में घुसकर पिस्तौल की नोंक पर लूटपाट करने वालों की भी पुलिस ने पहचान की है। इनकी कार नागौर की तरफ देखी गई है। पुलिस अब बदमाशों की पहचान के साथ उन्हें पकड़ने का प्रयास कर रही है। इसका भी जल्द ही खुलासा किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि बनाड़ हलके में नांदड़ी का रहने वाला ताराचंद सोनी स्वर्णकारी का काम करता है। वह शुक्रवार की शाम साढ़े पांच बजे अपनी दुकान डांगियावास से एक बैग में सात लाख से ज्यादा की नगदी, दस तोला सोना लेकर जोधपुर की तरफ आ रहा था। जब वह जयपुर हाइवे देवलिया गांव बनाड़ की सरहद में पहुंचा तब पीछे से एक लाल रंग की पल्सर बाइक पर तीन युवक सवार होकर आए और उसका रास्ता रोककर मारपीट कर बैग छीन कर ले गए। स्वर्ण व्यापारी ताराचंद ने पुलिस को बताया कि वह दस तोला सोने को कटिंग के लिए जोधपुर लेकर जा रहा था। इस सोने की अनुमानित कीमत पांच लाख रूपए है। पुलिस ने इस लूट के केस में एक लुटेरे सहित उसके तीन सहयोगयों को भी पकड़ लिया है।

विराट बहुत अच्छे कप्तान थे और उन्होंने अपने साथियों को प्रेरित किया। मुझे लगता है कि रणनीतिक पहलुओं में वह सुधार कर सकता था लेकिन जहां तक कप्तानी का सवाल है तो उसने अपने साथियों को हर समय प्रेरित किया।

– शेन वॉर्न

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज, विराट कोहली की कप्तानी के बारे में।

आज का खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान ब्रेंडन टेलर का भारतीय व्यवसायी द्वारा स्पॉट फिक्सिंग के लिये 'ब्लैकमेल' करने वाला खुलासा सभी के लिये आंख खोलने वाला है और ऐसे में जब कोई अन्य विकल्प पर दांव लगाना हो तो वहां से चुपचाप निकलने में ही भलाई है। टेलर ने सनसनीखेज खुलासा किया उनसे 2019 में एक भारतीय व्यवसायी ने स्पॉट फिक्सिंग के लिये संपर्क किया था तथा इसकी रिपोर्ट देर से करने के लिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) उन पर कई वर्षों का प्रतिबंध लगा सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद सामी ने एक ओवर में 17 गेंदे फेंककर एख ओवर में सर्वाधिक गेंद फेंकने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी बने।

पूर्व विश्व नं. 1 हालेप को हरा कोर्नेट 63वें प्रयास में क्वार्टरफाइनल में पहुंची

मेलबोर्न, 24 जनवरी। कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 में मारिन सिलिच को हराकर अपने तीसरे ग्रैंड स्लेम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। उनके साथ दूसरी सीड रूस के डेनिल मेदवेदेव, एलिज़ कोर्नेट और डेनियल कोलिन्स ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली है। मेदवेदेव ने फ़्रांस में जन्मे अमेरिकी खिलाड़ी मक्सिमे क्रेसी को 6-2 7-6(4) 6-7(4) 7-5 से पराजित किया। मेदवेदेव का क्वार्टरफाइनल में मुकाबला कनाडा के खिलाड़ी ऑगर-अलियासिमे से होगा जिन्होंने 2-6, 7-6(7),6-2,7-6(4) से सिलिच पर चार प्रयासों में पहली जीत दर्ज की। कोर्नेट ने 13 साल के लम्बे इन्तजार के बाद अपनी विपक्षी खिलाड़ी पूर्व नंबर एक रोमानिया की सिमोना हालेप को ढाई घंटे तक चले मुकाबले में 6-4,3-6,6-3 से हराकर पहली बार क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। कोलिन्स ने लगभग तीन घंटे तक चले मुकाबले में बेल्जियम की एलिस मर्टेन्स को 4-6,6-4,6-4 से पराजित कर पहली बार अंतिम आठ में प्रवेश किया।

फेलिक्स ग्रैंड स्लेम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने वाले अकेले कनाडाई नहीं हैं। उनके हमवतन और दोस्त डेनिस शापोवालोव भी अंतिम आठ में पहुंच गए हैं। उनका सामना मंगलवार को 20 ग्रैंड स्लेम खिताब विजेता और दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी स्पेन के राफेल नडाल से होगा। यह पहला मौका है जब दो कनाडाई पुरुष टेनिस टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल हुए है। इसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है।

फेलिक्स ने मैच में अपना पहला सेट गंवा दिया, लेकिन दूसरे सेट में वापसी की, जिसने कनाडाई खिलाड़ी को लय दे दी। फेलिक्स ने अपनी 22 सर्विस में से 12 एस मारे और अंतिम दो सेटों में अपनी सर्विस पर सिर्फ दो अंक गंवाए। क्वार्टर फ़ाइनल में कनाडा के खिलाड़ी का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनिल मेदवेदेव से होगा।

इस बीच युवा खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के जानिक सिनर ने एलेक्स डि मिनौर को हराकर अंतिम आठ में जगह बना ली। सिनर ने डि मिनौर को 7-6(3) 6-3 6-4 से पराजित किया। विश्व के 11वें नंबर के खिलाड़ी सिनर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अब तक मात्र एक सेट गंवाया है। उनका अंतिम आठ में स्टेफानोस सितसिपास या टेलर फ्रिट्ज से मुकाबला होगा।

सितसिपास मैराथन संघर्ष जीतकर क्वार्टरफाइनल में

चौथी वरीयता प्राप्त यूनान के स्टेफानोस सितसिपास ने 20वीं सीड अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को सोमवार को मैराथन संघर्ष में पराजित कर ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। सितसिपास ने तीन घंटे 23 मिनट तक चले मुकाबले में टेलर को 4-6,6-4, 4-6, 6-3, 6-4 से पराजित किया। सितसिपास का अंतिम आठ में युवा खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के जानिक सिनर से मुकाबला होगा।

दक्षिण अफ्रीका वनडे आंखे खोलने वाला है : द्रविड़

केपटाउन 24 जनवरी। भारत के प्रमुख कोच राहुल द्रविड़ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वनडे मैचों को आंखें खोलने वाला करार दिया है। हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे एकदिवसीय मैच में भारत को चार रनों से हराकर रविवार को न्यूलैंड्स में भारत का 3-0 से व्हाइटवॉश कर दिया। द्रविड़ ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, एकदिवसीय मैच आंखें खोलने वाला था। टीम बहुत अच्छी नहीं खेली। यह एक दिवसीय टीम के साथ मेरा पहला कार्य था। द्रविड़ ने हालांकि, स्वीकार किया कि भारत ने अहम परिस्थितियों में स्मार्ट क्रिकेट नहीं खेला। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम आगे जाकर इससे सीखेगी और बेहतर होगी। एकदिवसीय प्रारूप में लोकेश राहुल की कप्तानी के बारे में पूछे जाने पर कोच ने कहा कि वह बेहतर होंगे।

द्रविड़ ने कहा, उन्होंने (राहुल) अच्छा काम किया। यह आसान नहीं होता है। वह सीखेंगे। वह अभी शुरुआत कर रहे हैं। कप्तानी का बड़ा हिस्सा खिलाड़ियों के प्लान लागू करने पर होता है। वह बेहतर हो जाएंगे। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर ने वनडे सीरीज में अपनी छाप छोड़ी। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें भविष्य में और गेम खिलाएं जाएंगे, तो द्रविड़ ने कहा कि प्रबंधन उन्हें और मौके देने पर विचार करेगा।

कोच ने कहा, उनमें (चाहर) बल्लेबाजी करने की क्षमता है। मैंने उन्हें भारत ए में देखा है। वह और शार्दुल दोनों बढ़िया खिलाड़ी हैं। उनके जैसे खिलाड़ी एक बड़ा अंतर पैदा करते हैं । हम उन्हें और मौका देना चाहेंगे। द्रविड़ ने यह भी कहा कि टीम छठे गेंदबाजी विकल्प की तलाश में है।उन्होंने कहा, विचार वेंकटेश अय्यर या हार्दिक पांड्या या रवींद्र जडेजा को छठे गेंदबाजी विकल्प के रूप में विकसित करने का प्रयास करना है। हम विभिन्न चीजों पर विचार कर रहे हैं।

जापान ने भारत को 2-0 से हराया

मस्कट, 24 जनवरी। मलेशिया के खिलाफ अपने पहले मैच में 9-0 से जीत हासिल कर महिला एशिया कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों के गत चैंपियन जापान के खिलाफ रविवार को 0-2 से हार गई।

ओमान के मस्कट में रविवार को यहां दूसरा पूल ए के मैच में यूरी नागाई (2) और साकी तनाका (42) द्वारा गोल किए और अपनी टीम को जीत दिलाई। इसके साथ ही जापान ने तीन अंक भी हासिल कर लिए। मैच के दूसरे मिनट में जापान द्वारा किए गए पहले गोल ने भारत को बैकफुट पर ला खड़ा किया। हालांकि दबाव में, भारतीय फारवर्डलाइन ने स्ट्राइकिंग सर्कल के भीतर मौके बनाए और पेनल्टी कॉर्नर भी जीते जो उन्हें बराबरी दिला सकते थे, लेकिन टीम उन अवसरों को गोल में तब्दील नहीं कर सकी।

इसके बाद भारत ने दूसरे क्वार्टर में अटैक किया और अनुशासित खेल दिखाने के साथ बेहतर प्रदर्शन किया जबकि जापान ने 15 मीटर के दायरे में मौके बनाए, जबकि भारत के डिफेंस ने यह सुनिश्चित किया कि जापानी स्ट्राइकरों द्वारा कोई और गोल न किया जाए।

भारत पर धीमे ओवर रेट के लिए जुर्माना

केपटाउन 24 जनवरी। भारत पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 23 जनवरी को खेले गए तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में धीमे ओवर रेट के लिये मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने केएल राहुल की टीम को समय पर दो ओवर कम फेंकने के चलते यह फैसला सुनाया है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों को तय समय सीमा में गेंदबाजी करने में नाकाम रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। राहुल ने इसके लिए खुद को दोषी माना और प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर मरैस इरास्मस और बोंगानी जेले, तीसरे अंपायर अल्लाउद्दीन पालेकर और चौथे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने यह चार्ज लगाया था।

वामिका की तस्वीर वायरल होने के बाद विरुष्का ने की अपील

मुंबई, 24 जनवरी। क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने सोमवार को अपनी बेटी वामिका की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होने के बाद बयान जारी कर प्रशंसकों और मीडिया से अपनी बेटी की तस्वीरों को और अग्रसारित या साझा नहीं करने की अपील की है। अनुष्का ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि उन्हें नहीं पता था कि कैमरा का फोकस उनकी बेटी पर था। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अपनी बेटी की तस्वीरों को और साझा नहीं करने का अनुरोध किया।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को खेले गये तीसरे वनडे के दौरान अनुष्का शर्मा पर कैमरे का फोकस पड़ा, जो अपनी एक साल की बेटी को गोद में लिए हुए थी। यह पहली बार था, जब वामिका का चेहरा दुनिया के सामने आया। उसकी तस्वीर तुरंत सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी।

अनुष्का और वामिका को केप टाउन के न्यूलैंड्स में फाइनल मैच में कोहली के 64वें एकदिवसीय अर्धशतक के बाद तालियां बजाते और जश्न मनाते हुए देखा गया था। वहीं, विराट कोहली ने अपनी पोस्ट में कहा , हैलो साथियों, हमें पता चला कि हमारी बेटी की तस्वीर कल मैच के दौरान कैप्चर की गयी और उसे काफी शेयर भी किया गया। हम आप सब लोगों को यह बताना चाहते हैं कि उस वक्त हमें बिल्कुल भी पता नहीं था कि कैमरा हमारी ओर है। हमारी अपील आप सभी लोगों से वही है जो हमने पहले की थी।

भारत महिला एशिया कप फुटबॉल टूर्नामेंट से हटा

मुंबई, 24 जनवरी। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने सोमवार को पुष्टि की कि मेजबान भारत मौजूदा महिला एशिया कप 2022 से टीम में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण हट गया है। भारत के हटाने का मतलब है कि भारत 2023 फीफा विश्व कप की होड़ से भी बाहर हो गया है। एशिया कप विश्व कप के लिए क्वालीफायर भी है।

भारत के हटने के परिणामस्वरूप उसके सभी एशियाई कप मैच रद्द कर दिए गए हैं, जिसका अर्थ है कि ईरान के खिलाफ खेला गया भारत का पहला गोल रहित मैच भी टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। एएफसी ने कहा कि अंतिम रैंकिंग का निर्धारण करते समय उस मैच के सभी बिंदुओं पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। प्रतियोगिता के ग्रुप ए में अब केवल तीन टीमें चीन, चीनी ताइपे और ईरान भाग लेंगी।

एएफसी ने कहा है कि तीसरे स्थान के लिए सभी टीमों के बीच अंतिम तुलना में किसी भी संभावित असमानता से बचने के लिए, ग्रुप बी और सी में चौथे स्थान की टीमों के खिलाफ पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच होने वाले मैचों के परिणामों की गणना नहीं की जाएगी।

साल 2021 की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर बनी स्मृति मंधाना

दुबई, 24 जनवरी। भारत की सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने साल 2021 की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना है। उन्हें रेचल हेहो-फ़्लिंट ट्रॉफ़ी से सम्मानित किया जाएगा। एलीस पेरी के बाद दो बार यह ट्रॉफ़ी जीतने वाली वह विश्व की सिर्फ़ दूसरी महिला क्रिकेटर हैं। समृति का नाम आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 खिलाड़ियों की सूची में भी था, लेकिन यह पुरस्कार इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज़ टैमी ब्यूमोंट ने जीता। वहीं दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज़ लिज़ेल ली को साल 2021 का सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर चुना गया।

स्मृति ने इससे पहले 2018 में सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर और सर्वश्रेष्ठ वनडे महिला क्रिकेटर का ख़िताब जीता था। झूलन गोस्वामी ने यह ख़िताब 2007 में जीता था। इस तरह स्मृति यह पुरस्कार जीतने वाली सिर्फ़ दूसरी भारतीय महिला भी हैं। साल 2021 में उन्होंने 22 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में एक शतक और पांच अर्धशतक की मदद से 38.86 के औसत से 855 रन बनाए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ गोल्ड कोस्ट डे-नाइट टेस्ट में 127 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी। उनका नाम आईसीसी की सालाना महिला टी20 टीम में भी शामिल है।

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट को साल 2021 का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर घोषित किया गया है। उन्होंने 2021 में 15 टेस्ट में छह शतकों की मदद से 1708 रन बनाए। रूट ने श्रीलंका और भारत के दौरों पर शतक लगाया, जहां पर उनकी टीम के अन्य बल्लेबाज़ स्पिनरों के ख़िलाफ़ संघर्ष कर रहे थे।

पाक के कप्तान बाबर बने वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर

दुबई, 24 जनवरी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को सोमवार को आईसीसी पुरुष वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर घोषित किया गया। 27 वर्षीया बाबर ने 2021 में सभी फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने छह मैचों में 67.50 के औसत से कुल 405 रन बनाये जिसमें दो शतक शामिल हैं। बाबर 228 रनों के साथ दूसरे शीर्ष स्कोरर रहे थे और पाकिस्तान के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीते दोनों मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था। महिला वर्ग में दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली को आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर घोषित किया गया। ली ने 90.28 के औसत से 11 मैचों में 632 रन बनाये।

हमने एक मिशन पूरा किया : बावुमा

केप टाउन, 24 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भारत से तीसरा वनडे चार रन से जीतने के बाद कहा कि यह मैच तो अंत में जाकर रोमांचक हो गया था, लेकिन अच्छा लगा कि जिस तरह से हमने वापसी की। हमने एक मिशन को पूरा किया है। बावुमा ने कहा,मुझे लगता है कि जिन्होंने जिम्मेदारी नहीं ली है वह लेंगे। डिकॉक ने हमारा बहुत अच्छा साथ दिया, वान डेर ने अच्छा साथ दिया। हमारे गेंदबाजों ने अच्छी लाइन पर गेंदबाजी की। टेस्ट सीरीज बहुत मुश्किल थी, भारतीय गेंदबाज लगातार अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे, लेकिन हम रोज सोच रहे थे कि आज यह दिन कैसे अपना बनाएं। उन्होंने कहा,गर्मी बहुत थी और यहां पर खेलना बहुत ही मुश्किल था, अच्छा है कि हम दोनों टेस्ट और वनडे सीरीज जीतने में कामयाब रहे। मैं अपनी टीम के लिए योगदान देकर खुश हूं कि अपनी टीम के लिए काम कर पाया।

कोई भी टीम परफेक्ट नहीं होती : मिताली

मुंबई, 24 जनवरी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एकदिवसीय कप्तान मिताली राज ने न्यूजीलैंड श्रृंखला खेलने और 2022 महिला क्रिकेट विश्व कप से पूर्व न्यूजीलैंड रवाना होने से पहले कहा कि एक टीम को हमेशा किसी न किसी चुनौती का सामना करना होता है।

अनुभवी बल्लेबाज मिताली ने कहा कि 250-270 का स्कोर खड़ा करने के लिए शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को पारी के अंत तक बल्लेबाजी करनी होगी। मिताली ने रविवार को एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, एक टीम के लिए चुनौतियां हमेशा ही रहती हैं। कोई भी टीम परफेक्ट नहीं होती है। हमें लगातार 250-270 रन का स्कोर खड़ा करने के लिए अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाज को पारी के अंत तक खेलने की जरुरत होगी।

भारतीय महिला टीम कप्तान ने आगे कहा कि 250 से अधिक रन बनाने के लिए टीम को एक-दो बड़ी साझेदारियों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, एक या दो साझेदारी होनी चाहिए या खिलाड़ी को 50-50 रन बनाने चाहिए। मुझे लगता है कि अगर शीर्ष क्रम ज्यादा योगदान देता है, तो हम 250-270 रन का स्कोर आसानी से बना पाएंगे। उन्होंने कहा, ऐसा बहुत कम होता है कि एक बल्लेबाजी यूनिट के रूप मध्य क्रम या निचला मध्य क्रम ज्यादा रन बनाता है। यह महत्वपूर्ण है कि हम सभी अपनी भूमिका जिम्मेदारी से निभाएं। मिताली ने कहा कि घरेलू स्तर पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार आया है और विदेशी लीग में बढ़िया प्रदर्शन से भारतीय महिला क्रिकेट में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि जब आप उच्चतम स्तर पर खेलते हैं औऱ टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो आपसे हमेशा उम्मीदें होती हैं। इन पिछले चार वर्षों में, मुझे लगता है कि घरेलू क्रिकेट को मानक में बड़े पैमाने पर सुधार आया है।

मिताली ने कहा, इस सीजन में मैंने कई खिलाड़ियों को 100 रन बनाते देखा है। साथ ही, कई खिलाड़ियों को विदेशी लीग खेलने का मौका मिला है। इसलिए, कई खिलाड़ियों को एक्सपोजर मिला है। खिलाड़ियों को मैच में समय मिला है। खिलाड़ियों ने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से समझी है। मैं अपने खेल पर काम कर रही हूं। यह महिला क्रिकेट के लिए अच्छी प्रगति रही है। खिलाड़ियों के स्ट्राइक-रेट के बारे में पूछे जाने पर, भारतीय एकदिवसीय कप्तान ने कहा कि जीत के लिए एक पारी खेलना और साझेदारी बनाना स्ट्राइक रेट से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

बेंगलुरू-गोवा के ड्रॉ मैच में सुनील छेत्री का गोल सूखा खत्म

बैम्बोलिन, 24 जनवरी। बेंगलुरू एफसी और एफसी गोवा रविवार को बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 के पहले डबल-हैडर लीग मुकाबले में 1-1 से ड्रा खेला। इस परिणाम से अंक बांटने के बाद इन दोनों ही टीमों के बराबर 14 अंक हो गए हैं। मैच का पहला गोल दागने और ठोस रक्षण करने के लिए एफसी गोवा के ऑस्ट्रेलियाई डिफेंडर डायलन फॉक्स को हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया।

नीरस खेल के बाद इस ड्रा से बेंगलुरू के अपराजित रहने का सिलसिला छह मैचों तक पहुंच गया है। ब्लूज बेहतर गोल औसत के आधार पर 8वें स्थान पर है जबकि गोवा नौवें स्थान पर बरकरार है। जर्मन कोच मार्क़ो पेज़ैउओली की टीम बेंगलुरू 12 मैचों में 3 जीत व पांच ड्रा से 14 अंक जुटा चुकी है। बाएं फ्लैंक से एक कॉर्नर किक पर जोर्गे ओर्टिज ने वैरिएशन अपनाते हुए सीधे कॉर्नर किक नहीं ली और अपने साथी खिलाड़ी से वन-टू करने के बाद एक तरह से फ्री-किक लगाकर सेकेंड पोस्ट की तरफ गेंद को पहुंचाया, जहां से ऑस्ट्रेलियन डिफेंडर ने हैडर से गेंद को गोलपोस्ट के अंदर पहुंचा दिया।

मनिंदर के 900 रेड प्वाइंट्स, जयपुर को हराकर टॉप-3 में पहुंचा बंगाल

बेंगलुरु, 24 जनवरी। अपने कप्तान औऱ स्टार रेडर मनिंदर सिंह (13 अंक) के सीजन के 11वें सुपर- 10 की बदौलत मौजूदा चैम्पियन बंगाल वॉरियर्स ने वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 75वें मैच में सोमवार को पहले सीजन के विजेता जयपुर पिंक पैंथर्स को 41-22 से हरा दिया। मनिंदर ने इस मैच में अपने करियर के 900 रेड पॉइंट पूरे किए और अपनी टीम को सीजन की सातवीं जीत दिलाई। यह जयपुर की पांचवीं हार है। जयपुर के लिए अर्जुन देसवाल ने हमेशा की तरह चमकदार खेल दिखाते हुए 10 अंक लिया लेकिन डिफेंस (4 अंक) और दूसरे रेडरों का साथ नहीं मिलने के कारण वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सके।

हमने कई गलतियां की : राहुल

केप टाउन, 24 जनवरी। भारतीय कप्तान लोकेश राहुल ने दक्षिण अफ्रीका से तीसरा वनडे चार रन से गंवाने और सीरीज में 0-3 की क्लीन स्वीप होने के बाद कहा कि दीपक चाहर ने हमें मौका दिया कि हम मैच जीत सकते थे, हम इससे सीखेंगें। कप्तान ने मैच के बाद कहा,हमने कई गलतियां की, हमारा शॉट चयन गलत था, जो सबने देखा। हमने हिस्सों में सही खेला लेकिन लंबे समय तक नहीं इसी वजह से सीरीज का परिणाम यह है। जहां तक टेस्ट में कप्तानी की बात है तो मैं लंबे समय से टीम का हिस्सा हूं, कैसे मैच को समझना है और आगे निकलना है मैं जानता हूं।

मेरे अंतर्राष्ट्रीय करियर पर प्रतिबंध लगने जा रहा है : ब्रेंडन टेलर

हरारे, 24 जनवरी। ज़िम्बाब्वे के पूर्व कप्तान ब्रेंडन टेलर ने ट्विटर पर बयान जारी करते हुए कहा है कि वह किसी भी प्रकार की फ़िक्सिंग में शामिल नहीं हुए हैं। टेलर ने ख़ुलासा किया है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एक भारतीय व्यवसायी द्वारा एक भ्रष्ट प्रस्ताव की रिपोर्ट करने में कथित रूप से देरी करने के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर पर एक बहु-वर्षीय प्रतिबंध लगाने जा रहा है। प्रायोजन और ज़िम्बाब्वे में एक टी20 प्रतियोगिता के संभावित शुभारंभ पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किए जाने पर टेलर ने उस व्यवसायी से मुलाक़ात की थी।

टेलर ने अक्टूबर 2019 में हुई इस घटना की रिपोर्ट दर्ज करवाने में देरी की। इसमें भारत में हुई एक बैठक शामिल थी जिसके दौरान कथित तौर पर मादक द्रव्यों का सेवन हुआ था। उस बैठक के बाद टेलर को कथित रूप से ब्लैकमेल किया गया। उन्होंने इस प्रस्ताव की रिपोर्ट दर्ज कराने में देरी की क्योंकि उन्हें लगा कि वह अपने परिवार सहित सभी लोगों की रक्षा कर सकते थे। वह अंततः अपनी शर्तों पर आईसीसी के पास गए और कहा कि उन्हें उम्मीद थी अगर मैंने अपनी दुर्दशा और हमारी सुरक्षा और भलाई के लिए अपने भय के बारे में बताया तो वह इस देरी को समझेंगे। उन्होंने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा कि वह कभी भी मैच फ़िक्सिंग में किसी प्रकार में शामिल नहीं थे।

अपने लिखित बयान में टेलर ने कहा, अक्टूबर 2019 में एक भारतीय व्यवसायी ने मुझसे अनुरोध किया कि मैं ज़िम्बाब्वे में एक नई टी20 प्रतियोगिता के प्रायोजन और संभावित लॉन्च पर चर्चा करने के लिए भारत आऊं। मुझे कहा गया कि इस यात्रा के लिए मुझे लगभग 11 लाख रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा ,सच कहूं तो मैं तब सावधान था। लेकिन समय ऐसा था कि ज़िम्बाब्वे क्रिकेट ने पिछले छह महीनों से हमें भुगतान नहीं किया था और भविष्य में ज़िम्बाब्वे के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने पर संशय के बादल मंडरा रहे थे। इसलिए मैंने वह यात्रा की।

जैसा कि उन्होंने कहा था, हमारे बीच चर्चा हुई और होटल में हमारी आख़िरी रात को व्यवसायी और उनके सहयोगी जश्न मनाने के लिए मुझे खाने पर ले गए। हमने शराब पी थी और बाद में उन्होंने ख़ुलेआम मुझे कोकेन की पेशकश की। वह उसका सेवन कर रहे थे और मैं भी उस मूर्खता में शामिल हुआ। मैंने एक लाख बार इस दृष्य को अपने दिमाग में दोहराया है और मुझे आज भी इस घटना और जिस तरह उन्होंने मेरा फ़ायदा उठाया, इसके बारे में सोचकर घिन आती है।

हैदराबाद के गाचीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित होगी वालीबॉल लीग

नयी दिल्ली, 24 जनवरी। रुपे प्राइम वॉलीबॉल लीग के मैनेजमेंट ने टूर्नामेंट को कोच्चि से हटाकर हैदराबाद में कराने का निर्णय लिया है। मैनेजमेंट ने सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श और मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए फैसला किया है कि यह इलीट टूर्नामेंट अब मशहूर गाचीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां पहले भी कई बड़े स्पोर्ट्स इवेंट्स हो चुके हैं। लीग का आयोजन 5 से 27 फरवरी 2022 के बीच किया जाएगा। इसके फिक्सर्स की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

प्रतियोगिता में शामिल सभी लोगों का स्वास्थ्य और सुरक्षा, मैनेजमेंट के लिए पहली प्राथमिकता है और इसलिए इसे एक मजबूत बायो-बबल में आयोजित किया जाएगा। आयोजक यह सुनिश्चित करेंगे कि बबल के अंदर कोरोना से जुड़े सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाए। बेसलाइन वेंचर्स के सह-संस्थापक और एमडी तुहिन मिश्रा ने इस नए विकास के बारे में कहा, हम वास्तव में कोच्चि में रुपे प्राइम वॉलीबॉल लीग का आयोजन कराना चाहते थे लेकिन विभिन्न अधिकारियों के साथ केरल में कोविड -19 की स्थिति की समीक्षा के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि अगर हम वेन्यू को हैदराबाद ले जाते हैं। हैदराबाद में वॉलीबॉल का एक फैन बेस है और इसलिए वेन्यू बदलने का फैसला करने के बाद यह हमारे लिए एक आसान विकल्प था।

मुंबई सिटी के पास लीडर केरला के बराबर आने का सुनहरा मौका

फातोरदा, 24 जनवरी। मुंबई सिटी के पास पांच मैचों से चली आ रही जीत से दूरी को खत्म करने का अवसर होगा, जब मौजूदा चैम्पियन मंगलवार को यहां जवाहर लाल स्टेडियम में खेले जाने वाले हीरो इंडियन सुपर लीग 2021-22 के लीग मुकाबले में फिसड्डी नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से भिड़ेंगे।

मुंबई इस सीजन में पहली बार अंक तालिका के शीर्ष चार से बाहर हो चुकी है। उसके 11 मैचों से हैदराबाद एफसी के बराबर 17 अंक हैं और वो इस समय पांचवें स्थान पर है। अगर, हैदराबाद एफसी सोमवार को एससी ईस्ट बंगाल को हरा देता है, तब भी आगामी मैच में जीत मुंबई को लीग लीडर केरला ब्लास्टर्स के 20 अंकों के बराबर ले आएगी। हालांकि केरला के पास एक मैच ज्यादा होगा।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड 11 टीमों की अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। उसके खाते में 13 मैचों से केवल नौ अंक हैं। लेकिन मौजूदा चैम्पियन पिछले पांच मैचों में जीतविहीन रहकर खराब दौर से गुजर रहे हैं और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ आईलैंडर्स की संभावना प्रबल है। क्योंकि हाईलैंडर्स भी पिछले छह मैचों से जीत से दूर रहे हैं और इनमें से चार में उनको हार मिली है। मुंबई के कोच डेस बकिंगहम ने कहा, पिछले कुछ मैचों में हमने अच्छी फुटबॉल खेली है लेकिन सिर्फ इतना काफी नहीं है क्योंकि परिणाम हमारे पक्ष में नहीं आए हैं। हमारे अभी 9 मैच बाकी हैं, लिहाजा हमारे पास अच्छी स्थिति में पहुंचकर दूसरा चरण सामप्त करने का अवसर है। यह कल नॉर्थईस्ट से शुरू होगा। वास्तव में, जिस तरह से लड़के अपना पिछले मैच खेले थे, उससे मैं प्रभावित था। वे कम से कम सकारात्मक परिणाम के साथ मैच को समाप्त कर सकते थे क्योंकि उनके पास स्कोर करने बहुत सारे मौके थे।

हाईलैंडर्स ने अपने पिछले गेम में शानदार प्रदर्शन किया और बदकिस्मती के कारण वे मानमाफिक परिणाम हासिल नहीं कर सके। मार्सेलिन्हो और मार्क़ सहनेक पिछले मैच में काफी तेज दिखे। इन दोनों को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने जनवरी की ट्रांसफर विंडो अपने साथ जोड़ा था। हाईलैंडर्स बढ़त को बनाए नहीं रख पा रहे हैं और यह मुख्य कोच खालिद जमील को परेशान करेगी। जमील की टीम बढ़त लेने के बावजूद चेन्नइयन एफसी से 2-1 की हार गई, क्योंकि उसने छोटे से अंतराल में दो गोल खाकर मैच गंवा दिया।

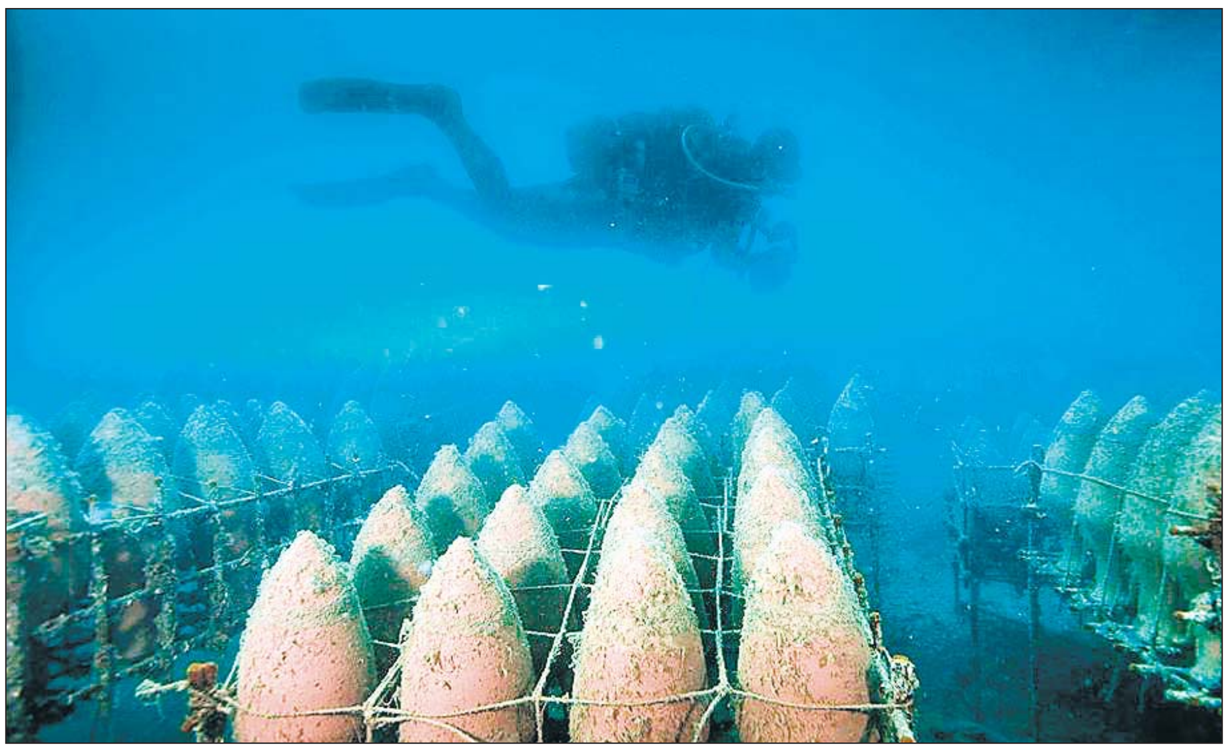

वाइन के साथ -साथ रोमांच पसंद करने वालों के लिए क्रोएशिया की यह वाइनरी सही विकल्प है, क्योंकि ''एडिवो वीना वाइनरी'' समुद्र की गहराइयों में स्थित है। पैलजेसैक पैनिनसुला में ड्रेस रिसॉर्ट में स्थित इस वाइनरी तक पहुँचने के लिए वैट सूट पहनकर पानी में गोता लगाना पड़ता है। यह वाइनरी असल में एक डूबे हुए जहाज में बनाई गई है, हालांकि यहाँ रखी बोतलों में जो वाइन है वो मेनलैण्ड पर बनती है। ड्रेस के बागानों से अंगूर तोड़कर उन्हें तीन माह तक रखा जाता है फिर अंगूरों को मिट्टी के जगों, जिन्हें एम्फोरा कहते हैं, में भरकर ताला बंद पिंजरों में रखकर दो साल के लिए समुद्र में 20 मीटर की गहराई पर लटका दिया जाता है। गोताखोर हर दस दिन में इसकी जांच करते हैं। इस प्रक्रिया से शराब में एक खास पाइनवुड खुशबू आ जाती है।

सपा के 159 उम्मीदवारों की लिस्ट में 31 मुस्लिम

सपा ने छोटे सहयोगी दलों को चुनाव लड़ने के लिए अपना इलैक्शन सिंबल भी दिया है

- **सपा की इस लिस्ट में 9 महिला उम्मीदवार हैं।**
- **महान दल के प्रमुख केशव देव मौर्य की बेटी सुमन मौर्य फर्रुखाबाद से सपा के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ेंगी।**
- **सपा ने नाहिद हसन, असलम अली और आजम खान जैसे कई दागी नेताओं को भी टिकट दिया है।**

लखनऊ, 24 जनवरी। सपा उम्मीदारों की पहली सूची जारी कर दी है। 159 उम्मीदवारों की लिस्ट में सबसे पहला नाम सपा प्रमुख अखिलेश यादव का है। अखिलेश करहल सीट से चुनाव लड़ेंगे। सपा की पहली सूची में 31 मुस्लिमों को टिकट मिला है। वहीं, नौ महिलाएं भी इस सूची में शामिल हैं। सपा ने छोटे दलों को अपना चुनाव चिह्न दिया है। इनमें प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव के साथ ही महान दल भी शामिल है। महान दल के प्रमुख केशव देव मौर्य की बेटी सुमन मौर्य फर्रुखाबाद से सपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेंगी।

कैराना से पार्टी ने मौजूदा विधायक नाहिद हसन को टिकट दिया है। नाहिद इस वक्त गैंगस्टर एक्ट में जेल में हैं। नाहिद पर कैराना में पलायन कराने का आरोप है। नाहिद के जेल जाने के बाद उनकी बहन इकरा हसन ने एतिहातन पर्चा भरा था। नाहिद का पर्चा आज ही वैध घोषित किया गया है। वहीं, दूसरी ओर भाजपा ने नाहिद को टिकट देने पर सपा पर निशाना साधा है। उत्तर प्रदेश भाजपा की ओर से ट्वीट किया गया कि नाहिद हसन, असलम अली जैसे दागी उम्मीदवारों को टिकट देकर अखिलेश फिर से राज्य में दंगा कराने और तुष्टिकरण की राजनीति को हवा देना चाहते हैं, इस वजह से उनका पाकिस्तान प्रेम उछल-उछल कर बाहर आ रहा है।

सपा ने योगी सरकार में मंत्री रहे धर्म सिंह सैनी समेत कई दल बदलुओं को भी टिकट दिया है। पार्टी की ओर टिकट पाने वालों में बसपा से सपा में आए सात नेता हैं। वहीं, कांग्रेस से सपा में आए नौ दलबदलू भी टिकट पा गए हैं। धर्म सिंह सैनी समेत भाजपा से सपा में दो नेताओं को टिकट मिला है।

सपा ने 159 की लिस्ट में सिर्फ 9 महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। 159 उम्मीदवारों की लिस्ट में 31 मुस्लिम उम्मीदवार शामिल हैं। इनमें सीतापुर जेल में बंद सपा सांसद आजम खान भी शामिल हैं। आज रामपुर से चुनाव लड़ेंगे। आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम को स्वार सीट से टिकट मिला है। मुरादाबाद की कुंदरकी सीट से सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के पोते जियाउर्रहमान को टिकट दिया गया है। जिया को टिकट मिलते ही यहां से सपा विधायक हाजी रिजवान कुरैशी बगावती तेवर दिखाने लगे हैं।

जिन नौ महिलाओं को टिकट मिला हैं उनमें कांग्रेस से आईं कुमारी बिमलेश और सुप्रिया ऐरन भी शामिल हैं। सुप्रिया को कांग्रेस ने भी बरेली कैंट से टिकट दिया था। अब वो यहीं से सपा की उम्मीदवार होंगी। सुप्रिया बीते शनिवार को ही अपने पति पूर्व सांसद प्रवीण ऐरन के साथ सपा में शामिल हुई हैं। 2017 में चंदौसी से कांग्रेस उम्मीदवार रहीं कुमारी बिमलेश इस बार यहां से सपा उम्मीदवार होंगी।

गणतंत्र दिवस के बाद एयर इण्डिया का नियंत्रण अपने हाथ में ले सकता है टाटा ग्रुप

एयर इण्डिया के निदेशक ने कंपनी के अधिकारियों को सोमवार तक सभी प्रकार का लेखा-जोखा पूरा करने का आदेश दिया

- **दरअसल में, किसी भी कंपनी को दूसरे ऑनर ग्रुप को सौंपने से पहले उस कंपनी की वर्तमान वित्तीय स्थिति का पूरा लेखा-जोखा (बैंलेस शीट) तैयार करना होता है।**
- **बैलेंस शीट तैयार होने के बाद एयर इण्डिया के वर्तमान मैनेजमेंट और टाटा ग्रुप की एक मीटिंग होगी जिसमें एयर इण्डिया के वर्तमान निदेशक अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।**

नई दिल्ली, 24 जनवरी (वार्ता)। टाटा समूह सरकारी क्षेत्र की विमानन सेवा कंपनी एयर इंडिया का नियंत्रण अपने हाथ में ले सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों ने संकेत दिया है कि इस प्रक्रिया में सरकार के अंतर्गत इस विमानन कंपनी की अंतिम बैलेंस शीट को कुछके दिन में अंतिम रूप दिया जा सकता है।

अधिकारियों के अनुसार एयर इंडिया का नियंत्रण दूसरे हाथ में जाने से पहले अंतिम लेखा-जोखा को आवश्यक मंजूरी देने के लिए 27-28 जनवरी को इसके निदेशक मंडल की बैठक होने की संभावना है। अपने समय के इस अंतिम लेखा-जोखा की पुष्टि के बाद वर्तमान निदेशक मंडल के सदस्य इस्तीफा दे देंगे।

एयर इंडिया के निदेशक (वित्त) विनोद हेजमादी ने कंपनी के कुछ अधिकारियों को लिखा है कि आज (सोमवार को) दिन के अंत तक एयरलाइन का समापन लेखा-जोखा तैयार कर देना है। उन्होंने लिखा, एयर इंडिया का विनिवेश अब 27 जनवरी, 2022 को तय किया गया है। इसलिए 20 जनवरी 2021 की तिथि तक का लेखा-जोखा आज 24 जनवरी को उपलब्ध कराया जाना है ताकि टाटा समूह द्वारा इसकी समीक्षा की जा सके और बुधवार तक इसमें कोई भी बदलाव किया जा सकता है। गौरतलब है कि टाटा समूह की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ने एयर इंडिया एक्सप्रेस और ग्राउंड-हैंडलिंग संयुक्त उद्यम ए.आई.एस. ए.टी.एस. के साथ एयर इंडिया का अधिग्रहण करने के लिए 18,000 करोड़ रुपये की सफल बोली लगायी है। आशय पत्र (एल.ओ.आई.) जारी करने के बाद, सरकार ने अक्टूबर में टाटा समूह के साथ एयरलाइन में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने के लिए शेयर खरीद समझौते (एस.पी.ए.) पर हस्ताक्षर किए थे।

भारी फर्क...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उल्लंघन किया जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा सशीर एवं साक्षात सभाएं तथा मीटिंग करने पर लगी रोक को बढ़ा देने के फलस्वरूप, सपा ने चुनाव आयोग को ज्ञापन देकर माँग की है कि एक ऐसा तंत्र या व्यवस्था विकसित की जाये कि विपक्षी दलों, जिनमें छोटे दल भी शामिल हैं, समाचार चैनलों के प्रसारण समय में समान अवसर मिलना सुनिश्चित हो सके।

आलोचना से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निष्ठुरता कहते हैं, संक्षेप में कहें तो यह उसकी कार्यकुशलता है जिसने ओलम्पिक डैलीगेट्स को प्रभावित किया है, खासतौर पर सोची और रियो डी जनेरियो में हुई अव्यवस्था के बाद। कमेटी के अध्यक्ष टॉमस बैश ने कहा, ''बीजिंग का चयन करके, कमेटी ने ''एक सुरक्षित विकल्प'' चुना है। सारी दुनिया के हजारों ओलम्पियन इन प्रतिस्पर्द्धाओं से पहले कोविड-19 संक्रमण से बचने के लिये प्रयासरत हैं। इधर हाँगकाँग में बिजनेस जो कई संकटों से गुजरा है, लड़खड़ा रहा है क्योंकि शहर सप्लाई चेन संबंधी मसलों से जूझ रहा जैसे अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर रोक और बीज़िग की ज़ीरो टॉलरैंस नीति आदि।

भीलवाड़ा में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जबकि ट्रांसलेटर के सामने युवती ने घटना अन्य स्थान पर होना बताया है। यह भी सामने आया है की युवती ने घटना की जानकारी अपनी बुआ को दी थी लेकिन वह उसकी बात को समझ नहीं पाई। फिलहाल इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों ने डॉक्टरों का पांच सदस्यीय मैडिकल बोर्ड गठित किया है।

2 फरवरी के बाद सर्दी से कुछ राहत मिलेगी

मौसम विभाग ने कहा है कि, इस पूरे हफ्ते शीतलहर की चपेट में रह सकता है उत्तर भारत

- **आई.एम.डी. की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि, अगले पांच दिन में कई राज्यों में तापमान तीन से पांच डिग्री सैल्सियस तक गिर सकता है।**

नई दिल्ली, 24 जनवरी। उत्तर पश्चिम और मध्य भारत इस हफ्ते शीतलहर की चपेट में रहेगा। मौसम विभाग ने यह अनुमान जताया है। आई.एम.डी. की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि अगले पांच दिन में कई राज्यों में तापमान तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। आई.एम.डी. के मुताबिक, शीतलहर के चलते दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में शीतलहर की वजह से जबरदस्त ठंड पड़ेगी।

इसके अलावा उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में अगले दो से तीन दिन बेहद ठंडे दिन (कोल्ड डे) साबित हो सकते हैं। अनुमान है कि इनमें से कुछ राज्यों में अगले पांच दिन में शीतलहर गंभीर स्थिति तक पहुंच सकती है। पंजाब, यू.पी., राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, सिक्किम, मेघालय और त्रिपुरा में अगले दो से तीन दिन भयंकर कोहरा रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, शीतलहर के दौरान कोल्ड डे या ठंडे दिन वह दिन होते हैं, जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे हो और अधिकतम तापमान कम से कम सामान्य तापमान से 4.5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहे। इसके अलावा गंभीर रूप से ठंडा दिन वह है, जब अधिकतम तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री कम रहे।

स्टॉक मार्केट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अपना पैसा निकालना रही है। वर्तमान वैश्विक स्थिति कई विपरीत घटनाक्रमों से घिरी हुई है और इस कारण निवेशकों का उत्साह भी फीका है। अमेरिका में कीमतों में 7 प्रतिशत वृद्धि की खबरें हैं जो कि पिछले तीन दशकों में इस देश में सर्वाधिक है। इस कारण महंगाई पर नियंत्रण के लिए यू.एस. फैडरल द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि किए जाने की आशंकाएं बढ़ रही हैं। ब्याज दरों में होने वाली किसी भी वृद्धि से शेयर बाजार का आहत होना निश्चित है। जब ब्याज दरें बढ़ना अनुमानित हों तो निवेशक रूपया पैसा शेयर बाजार से निकालकर सिक्योरिटीज़ व बॉण्ड्स में लगा देते हैं, जिसकी वजह से में शेयर बाजार गिर जाते हैं। उम्मीद है कि अमेरिका के कुछ बड़े बैंक वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान ब्याज दरों में थोड़ी-थोड़ी करके कई बार वृद्धि करेंगे। फायनैन्शियल सैक्टर के सम्मानित सी.ई.ओ. जैमी डिमोन ने यू.एस.फैडरल द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि के कई संदर्भों की घोषणा की है, इसलिए स्टॉक मार्केट्स उलझन में पड़ सकते हैं।

यूक्रेन सीमा पर रूसी सैनिकों के जमावड़े के कारण पूर्वी यूरोप के घटनाक्रमों ने निराश कर दिया है। नाटो रक्षा संधि के तहत अमेरिका और पश्चिम यूरोप के देशों सहित कई पश्चिमी देश व रूस आमने-सामने हैं। यूक्रेन सीमा के पार होने वाला कोई भी अतिक्रमण रूस के विरूद्ध व्यापक आर्थिक प्रतिबंधों को जन्म दे सकता है और साथ ही इस देश को विश्व के आर्थिक बाजार से अलग-थलग कर सकता है। साउथ चाइना सी के विपरीत घटनाक्रम और ताइवान को मिल रही गंभीर चुनौती ने यूरोप में और अस्थिरता पैदा कर दी है। साउथ चाइना सी में से अपने जलयान गुजरने देने की आगे और वकालत करते हुए अमेरिका और जापान ने फिलीपिंस स्थित यहां के समुद्र पर एक बड़ा नौसैनिक अभ्यास किया।

यद्यपि, जहां पर नौसैनिक अभ्यास किया गया है वह तकनीकी रूप से चीन के कथित सार्वभौमिक क्षेत्र से परे है, लेकिन इसने चीन को इस हद तक नाराज किया कि उसने ताइवान जलडमरूमध्य पर करीब 39 लड़ाकू विमान रवाना कर दिए। ये विमान अक्सर उन इलाकों तक जाते हैं जो ताइवान के एडवांस एयर डिफैंस जोन्स में आते हैं। ताइवान के मसले को पूर्वी यूरोप की तुलना में आतंरिक स्थायित्व के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है। यूक्रेन की विस्फोटक स्थिति एक चुनौती बनी हुई है, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति वास्तविक झड़प में तब्दील नहीं होनी चाहिए।

विशेषज्ञों के अनुसार साउथ चाइना सी में स्थिति बेहद नाजुक है क्योंकि प्रतिद्वंद्वी देश चीन के काफी निकट नौ सैन्य अभ्यास कर रहे हैं, जिससे चीन भड़क सकता है। यहां किसी दुर्योग से होने वाली कोई भी झड़प एक घातक संघर्ष को जन्म दे सकती है।

'दोनों ओर से वफा होनी चाहिये थी, पर कांग्रेस और मेरे बीच ऐसा नहीं हुआ'

- **प्रशांत किशोर ने कांग्रेस में शामिल होने से इंकार करने के मुद्दे पर अपना पक्ष दोहराया।**
- **प्रशांत किशोर का कहना है कि लगभग पांच महीने की चर्चा के बाद कांग्रेस के साथ उनकी बातचीत विफल हो गई।**

नई दिल्ली, 24 जनवरी। समय चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने को लेकर अटकलें जोरों पर थीं। हालांकि, कांग्रेस और प्रशांत किशोर के बीच सहमति नहीं बन पाई और पी.के. ने कांग्रेस के साथ जाने से इंकार कर दिया। प्रशांत किशोर का कहना है कि लगभग पांच महीने की चर्चा के बाद कांग्रेस के साथ उनकी बातचीत विफल हो गई। क्या 2024 में भाजपा को हराया जा सकता है? एक टी.वी. चैनल से बात करते हुए इसको लेकर भी उन्होंने अपना प्लान बताया।

प्रशांत किशोर ने एक न्यूज चैनल से बात करते हुए कहा, 2024 में भाजपा को हराना संभव है। लेकिन क्या मौजूदा विपक्ष के साथ भाजपा को हराना संभव है? शायद नहीं मैं एक विपक्षी मोर्चा बनाने में मदद करना चाहता हूं जो 2024 में कड़ी टक्कर दे सके। प्रशांत किशोर का कहना है कि यह पूरी तरह संभव है, भले ही अगले महीने कई राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के परिणाम (जिसे सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा है) हमारे पक्ष में न आएं।

उन्होंने कांग्रेस के साथ बात नहीं बन पाने को लेकर कहा, दोनों पक्षों को एक साथ काम करने के लिए विश्वास की जरूरत होती है। कांग्रेस के साथ ऐसा नहीं हुआ। प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा ने हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और जनकल्याण को मिलाकर एक बहुत ही प्रभावशाली चेहरा लोगों के सामने पेश किया और इस सम्मोहन को तोड़ना है, तो कम से कम इन तीन में से दो पर विपक्ष को जीत हासिल करनी होगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि कांग्रेस एक अच्छी पार्टी है और उसकी विचारधारा भी अच्छी है।

'हेट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

17 और 19 दिसम्बर को क्रमशः दिल्ली और हरिद्वार में आयोजित दो कार्यक्रमों में भड़काऊ भाषण दिए थे। इनमें से हरिद्वार का कार्यक्रम यती नरसिंहनंद ने और दिल्ली का कार्यक्रम ''हिंदू युवा वाहिनी'' ने आयोजित किया था। इनमें मुस्लिमों के नरसंहार का आव्हान किया गया था।

पहली हस्तक्षेप याचिका में किसी विष्णु गुप्ता ने हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाम पर मांग की है ए.आई.एम.आई. एम. के नेता असदुद्दीन ओवैसी तथा अन्य जिनमें तौकीर रज़ा, साजिद रशीदी, अमानतुल्ला खान, वारिस पठान शामिल हैं, के खिलाफ हिंदू समुदाय व उनके भगवानों के खिलाफ कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने को निर्देश देने की मांग की है। इसमें कहा गया है कि इस देश के हरेक व्यक्ति को अपने धर्म के प्रचार की उसे मानने की पूरी स्वतंत्रता है। इसलिए धर्म संसद का आयोजन ''संविधान के आर्टिकल 25 और आर्टिकल 19(ए) (बी) के तहत संरक्षित है।'' पत्रकार कुरबान अली की आलोचना करते हुए इसमें कहा गया है कि वह मुसलमान है और उसे हिंदू धर्म संसद से संबंधित गतिविधियों व मामलों पर आपत्ति व्यक्त नहीं करनी चाहिए। असल में उसके द्वारा दायर याचिका के तहत हिंदू धार्मिक नेताओं की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। हिंदू सेना ने अपनी याचिका में कहा कि, हिंदू धार्मिक नेताओं द्वारा धर्म संसद के आयोजन को किसी अन्य धर्म के खिलाफ नहीं देखा जाना चाहिए। एक अन्य संगठन ''हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस'' ने कई इन्टरनैट लिंक्स की जानकारी दी जिनमें विभिन्न मुस्लिम नेताओं ने हिन्दुओं के खिलाफ नफरत भरे भाषण दिए है, और कहा कि अगर धर्म संसद को न्यायिक जांच के दायरे में लाया जाता है तो उनकी भी जांच की जानी चाहिए।

हिमाचल में भारी बर्फबारी व सर्दी से 5 की मौत

शिमला, 24 जनवरी (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में भारी हिमपात और बारिश के चलते राज्य में कम से कम चार राष्ट्रीय राजमार्गों समेत लगभग 687 सड़कें बंद हो गई हैं।

वहीं लगभग 1300 बिजली ट्रांसफार्मरों के बंद होने से जहां अनेक क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई वहीं लगभग 300 पेयजल योजनाएं बंद होने से पानी का संकट खड़ा हो गया है। गत तीन दिनों से जारी भारी हिमपात के चलते राज्य में प्रदेश में पांच लोगों की मौत हो गई है।

इनमें दो ट्रैकर भी शामिल हैं। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में लगभग 10 मकान और सात गौशालाएं ध्वस्त हो गई हैं। मौसम विभाग ने आगामी 25 जनवरी तक मौसम खराब रहने की सम्भावना जताई है।

शिमला जिले में 257 सड़कों पर आवागमन ठप है। लाहौल-स्पीति में 181, चम्बा जिला 106, किन्नौर 40, कुल्लू 43, मंडी 45, सिरमौर नौ और सोलन में चार सड़कें बंद हैं।

'सिद्धू के लिए पाकिस्तान के प्र.मंत्री ने मंत्री बनाने की सिफारिश की थी'

- **कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नवजोत सिंह सिद्धू पर यह गंभीर आरोप लगाया**
- **अमरिंदर सिंह ने कहा, मैं इमरान खान से न तो कभी मिला था और न ही व्यक्तिगत तौर पर उन्हें जानता था, इसलिए पंजाब में कांग्रेस की जीत के तुरंत बाद ऐसा संदेश देखकर मैं केवल हैरान ही नहीं हुआ, बल्कि मुझे झटका लगा कि एक व्यक्ति को राज्य का मंत्री पद दिलाने के लिए कैसे दूसरे देश के उनके करीबी दबाव डाल रहे हैं।**

नई दिल्ली, 24 जनवरी (वार्ता)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है की राज्य में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी तो सिद्धू को मंत्रालय में रखने के लिए पाकिस्तान ने एक संदेश के ज़रिये सिफारिश की थी उन्हें मंत्रिमंडल में जगह दी जाए।

कैप्टन सिंह ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पंजाब में 2017 में सरकार बनने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सिद्धू की पैरवी की थी। उन्होंने कहा कि जब सिद्धू को 2019 में मंत्रिमंडल से बाहर का रास्ता दिखाया तब भी पाकिस्तान से सिफारिशी संदेश आया कि उन्हें वापस बहाल किया जाए और अगर वह ठीक से काम न कर सकें तो उन्हें हटा दिया जाए।

उन्होंने कहा, मैं खान से न तो कभी मिला था और न ही व्यक्तिगत तौर पर उन्हें जानता था, इसलिए पंजाब में कांग्रेस की जीत के तुरंत बाद ऐसा संदेश देखकर मैं हैरान ही नहीं हुआ, बल्कि मुझे झटका लगा कि एक व्यक्ति को राज्य का मंत्री पद दिलाने के लिए कैसे दूसरे देश के उनके करीबी दबाव डाल रहे हैं। कैप्टन सिंह ने सिद्धू की आलोचना करते हुए कहा कि उनके पास मंत्रीपद संभालने की योग्यता और क्षमता ही नहीं है।

उन्होंने कहा, पांच वर्ष पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को मैंने सिद्धू की अक्षमता के कारण पार्टी में शामिल न करने की सलाह दी थी। जब कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा था कि वह कैसे हैं, तो मैंने कहा था कि यह व्यक्ति कांग्रेस पार्टी का सदस्य होने के बिल्कुल काबिल नहीं है। इसके बावजूद सोनिया गांधी ने सिद्धू को पार्टी में शामिल कर लिया था। उल्लेखनीय है कि 2017 में पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनने पर कैप्टन सिंह की सरकार में सिद्धू मंत्री बने। वह हालांकि लगातार विवादों में बने रहे और 2019 में वह मंत्रिमंडल से बाहर हो गए। उन्होंने कई बार कैप्टन सिंह के नेतृत्व की सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला।

पंजाब में एन.डी.ए. गठबंधन में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय हुआ

भाजपा 65, अमरिंदर सिंह की पार्टी 37 व अकाली दल (ढींढसा) 15 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे

नई दिल्ली, 24 जनवरी (वार्ता)। पंजाब विधानसभा चुनाव के लिये राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दलों के बीच सीटों का बंटवारा तय हो गया है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी 65, कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस 37 और सुखदेव सिंह ढींढसा की अकाली दल संयुक्त 15 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

सोमवार को यहाँ भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने संवाददाता सम्मेलन में तीनों पार्टी के बीच हुए सीट बंटवारे को लेकर जानकारी दी। नड्डा ने कहा कि पंजाब का यह चुनाव अगली पीढ़ियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाला चुनाव है। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद पंजाब को दोबारा विकास और स्थिरता की पटरी पर लाना है।

नड्डा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1984 दंगों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एस.आई.टी.) का गठन किया और आज आरोपी जेल में हैं। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में राजग की सरकार बनती है तो पंजाब में चल रहे ड्रग, भू-माफिया, रेत माफिया और आतंकवाद को खत्म कर दिया जाएगा।

नड्डा ने कहा, पंजाब पाकिस्तान की सीमा से सटा राज्य है। इसलिए देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पंजाब में एक स्थिर और मजबूत सरकार का होना बहुत जरूरी है। पाकिस्तान हमेशा ही हमारे देश में पंजाब के रास्ते अशांति फैलाने की कोशिश करता रहा है यह बात किसी से छुपी नहीं है। हमने यह भी देखा है कि कैसे सीमापार से ड्रग्स और हथियारों की तस्करी करने की कोशिश की जाती है। यही वजह है कि पंजाब में स्थायित्व और विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच अच्छे रिश्ते होना ज़रूरी है।

सीट बंटवारे की घोषणा के समय भाजपा अध्यक्ष के साथ मंच पर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन सिंह, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, ढींढसा और केंद्रीय मंत्री और पंजाब चुनाव के प्रभारी गजेंद्र सिंह शेखावत मौजूद रहे।

इस मौके पर कैप्टन सिंह ने कहा, मैं पंजाब की मौजूदा सरकार में साढ़े चार साल मुख्यमंत्री रहा। इस दौरान वहां से कई अवैध राइफल, पिस्टल, आर.डी.एक्स. और गोला बारूद मिलते रहे। यह सब पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए कुछ खास जगहों पर गिराए गए थे। ड्रोन सीमा से 31 कि.मी. भीतर तक हथियार और ड्रग्स की आपूर्ति करने लगे थे। इसीलिए जब सीमा सुरक्षा बल के अधिकार क्षेत्र का दायरा 15 कि.मी. से 50 कि.मी. बढ़ाने का फ़ैसला हुआ तो इसका विरोध करने वालों को मैंने ड्रोन के खतरे के बारे में बताया।

ढींढसा ने कहा, पंजाब की हालत बहुत खराब है। राज्य में उद्योग पलायन कर रहे है। खेतीबाड़ी पर भी बहुत कर्ज हो गया। राज्य पर तीन लाख करोड़ से ज्यादा कर्जा है। कोई ऐसा साधन भी नहीं है कि पंजाब दोबारा अपने पैरों पर खड़ा हो सके। इसलिए हम तीनों दलों ने इकट्ठे होकर बात की है। पंजाब चुनाव में हिंदू-सिख का मसला खड़ा किया जाता है। उसे ठीक रखने के लिए हम एकजुट हुए हैं। पंजाब का माहौल ठीक रखेंगे।

उल्लेखनीय है कि कृषि कानूनों पर मतभेद के बाद पंजाब में लंबे समय से भाजपा की सहयोगी रही शिरोमणि अकाली दल ने अलग राह चुन ली।

शिअद के राजग से अलग होने के बाद भाजपा पहली बार बड़े भाई की भूमिका में नए सहयोगी दलों के साथ चुनाव मैदान में है। कांग्रेस के एक फैसले के चलते कैप्टन सिंह की पंजाब में मुख्यमंत्री पद से विदाई हो गयी लिहाजा उनके लिए भी यह चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न है। दूसरी ओर पार्टी से मतभेद के चलते शिअद के वरिष्ठ नेता रहे ढींढसा अलग पार्टी बनाकर राजग से गठजोड़ करके अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य में 20 फरवरी को मतदान होना है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908